नई दिल्ली । शनिवार, 01 अगस्त, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक : 207/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

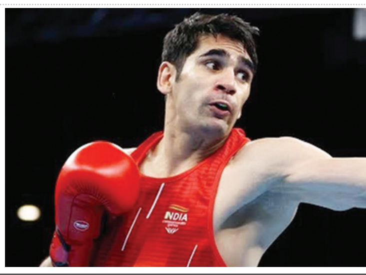

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल रोहित टोकस : चुभी स्कूल में सहपाठी से मिली हार...
@ विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या अश्लीलता का महिमामंडन?
@ व्यापार लगातार तीसरे सत्र में हरे निशान में बंद हुआ बाजार...

कॉमनवेल्थ गेम्स

'हर्ष-अस्मिता की स्वर्णिम उड़ान'

एजेंसी ■ ग्लासगो

भारत ने ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में शुक्रवार को 15 मिनट के अंदर 2 गोल्ड जीत लिए हैं। अस्मिता डे ने रात 8:56 बजे जूडो के विमेंस 48 किलोग्राम वेट कैटेगरी के फाइनल में कनाडा की खिलाड़ी हेइडी क्वाच को 2-1 से हराया। उसके बाद 9:11 बजे हर्ष सिंह ने पुरुषों के 60 किलोग्राम में ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ काट्ज को 10-0 से हराया और दूसरा गोल्ड दिलाया। इन दो गोल्ड के सहारे भारत मेडल टैली में 9वें स्थान पर है। उसके पास 5 गोल्ड, 10 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज सहित 19 मेडल हैं।

अस्मिता ने कनाडा की हेइडी क्वाच को गोल्डन स्कोर में हराया

त्रिपुरा की रहने वाली 23 साल की अस्मिता ने फाइनल के शुरुआती दौर में एक अंक गंवा दिया था। थोड़ी देर में उन्हें एक पेनल्टी भी मिल गई। इससे कनाडा की हेइडी क्वाच ने मैच पर अपनी पकड़ बना ली। अस्मिता ने अटैकिंग खेल जारी रखा और चार मिनट के मुकाबले के आधे समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

हर्ष ने जूडो में लगातार दूसरा गोल्ड दिलाया

23 साल के हर्ष सिंह ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ काट्ज को वाजा-अरी (10-0) से हराया। काट्ज ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन हर्ष ने शानदार बचाव किया और बढ़त नहीं दी। एक मौके पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने उन्हें पिन करने की कोशिश की, लेकिन हर्ष उससे बाहर निकल गए और जवाबी दांव भी लगाया।

पीएम मोदी ने एंडी बर्नहैम से फोन पर की चर्चा

तकनीक व रक्षा सहयोग पर सहमति

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यूनाइटेड किंगडम के नए पीएम एंडी बर्नहैम से बात कर पद संभालने की बधाई दी। दोनों नेताओं ने तकनीक, नवाचार, रक्षा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी संपर्कों जैसे कई क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

इस वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में लागू हुए भारत-यूके कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाने पर भी चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम से बात करके खुशी हुई। उन्हें यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री का पद संभालने पर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।' पीएम मोदी ने बताया कि इस वार्ता के दौरान हमने सहमति जताई कि तकनीक, नवाचार, रक्षा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी संपर्कों जैसे कई क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे, और भारत-यूके व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। पीएम ने कहा कि दोनों देशों ने यह सुनिश्चित किया कि साथ मिलकर काम करेंगे

ताकि हाल ही में लागू हुए भारत-यूके कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट से मिलने वाले व्यापार और निवेश के अवसरों का पूरा लाभ उठाया जा सके। इससे दोनों देशों के लोगों की समृद्धि और बेहतर जीवन में मदद मिलेगी। स्टार्मर ने 22 जून को लेबर नेता पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि नए नेता के चुने जाने तक वह प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे। कीर स्टार्मर के औपचारिक रूप से पद छोड़ने के बाद तय प्रक्रिया के तहत एंडी बर्नहैम को पार्टी का नया नेता चुना गया था। बर्नहैम को लेबर पार्टी के 379 सांसदों का समर्थन मिला था। वे तय संख्या तक पहुंचने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे।

ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने पदभार संभालने के बाद अपने पहले संबोधन में देश में राजनीतिक स्थिरता बहाल करने और शासन व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में बार-बार प्रधानमंत्री बदलने से लोगों का राजनीति पर भरोसा कमजोर हुआ है और अब नेताओं को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

5,070 करोड़ रुपए की 'प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना' को दी मंजूरी

तैरते सोलर प्रोजेक्ट्स को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (पीएम-एसएसवाई) को मंजूरी दे दी। 5,070 करोड़ रुपए की इस योजना का उद्देश्य देश भर के जलाशयों और अन्य उपयुक्त जल निकायों पर फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक परियोजनाओं के साथ ऊर्जा भंडारण प्रणाली (एनर्जी स्टोरेज सिस्टम) का विकास करना है।

एक आधिकारिक बयान में सरकार ने बताया कि इस योजना के तहत वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 के बीच 5,000 मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएं विकसित की जाएंगी। इन परियोजनाओं के साथ कम से कम दो घंटे की ऊर्जा भंडारण क्षमता, यानी कुल 10,000 मेगावाट-घंटे (एमडब्ल्यूएच) का एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा। सरकार की ओर से वित्तीय सहायता का वितरण वित्त वर्ष 2032-33 तक जारी रहेगा।

कैबिनेट के इस फैसले से पहले राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) ने देश के जलाशयों और अन्य उपयुक्त अंतर्देशीय जल निकायों का आकलन किया था। संस्थान के अनुसार भारत में फ्लोटिंग सोलर ऊर्जा की कुल संभावित क्षमता लगभग 102.18 गीगावाट पीक (जीडब्ल्यूपी) है। योजना के तहत पात्र फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं के सफलतापूर्वक चालू होने के बाद प्रति मेगावाट 1 करोड़ रुपए की केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) दी जाएगी। इसके अलावा, परियोजनाओं के लिए बाथीमेट्री, हाइड्रोग्राफी, पर्यावरणीय अध्ययन और अन्य प्रारंभिक तकनीकी सर्वेक्षण जैसे व्यवहार्यता अध्ययन कराने के लिए प्रति परियोजना 50 लाख रुपए तक की अतिरिक्त सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह योजना सभी

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होगी, जिसका लक्ष्य देश की फ्लोटिंग सोलर क्षमता को मौजूदा 700 मेगावाट से बढ़ाकर 5,700 मेगावाट तक पहुंचाना है।

सरकार का मानना है कि जलाशयों और औद्योगिक तालाबों का उपयोग कर इन परियोजनाओं को विकसित करने से भूमि की आवश्यकता कम होगी और सीमित जमीन पर दबाव भी घटेगा। साथ ही, ऊर्जा भंडारण प्रणाली के जुड़ने से बिजली ग्रिड की विश्वसनीयता और स्थिरता भी मजबूत होगी। सरकार के अनुसार, इस योजना से हर साल लगभग 1 करोड़ टन (10 मिलियन टन) कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में कमी आएगी।

किसानों पर खर्च होंगे 3.15 लाख करोड़ रुपए

शुक्रवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इस अवधि के लिए सरकार ने 3.15 लाख करोड़ रुपए के वित्तीय प्रावधान को स्वीकृति दी है। सरकार का कहना है कि यह फैसला किसानों की आय बढ़ाने, कृषि निवेश को मजबूत करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक आधिकारिक बयान में सरकार ने बताया कि इस योजना ने तकनीक-आधारित किसान कल्याण का एक सफल मॉडल स्थापित किया है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है। फरवरी 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को हर वर्ष 6,000 रुपए की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है। यह पूरी प्रक्रिया डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), आधार प्रमाणीकरण और डिजिटल सत्यापन के जरिए पारदर्शी तरीके से संचालित की जाती है।

अंकित शर्मा हत्याकांड : ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को आजीवन कारावास

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट ने शुक्रवार को 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में बड़ा फैसला सुनाते हुए पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। दूसरी तरफ, सजा के ऐलान के बाद कोर्ट से बाहर पत्रकारों से बात करते हुए ताहिर हुसैन ने सिर्फ इतना ही कहा कि हाईकोर्ट से हमें इंसाफ मिलेगा।

कोर्ट ने 13 जुलाई को इस मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद ताहिर हुसैन, नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को हत्या और अन्य गंभीर धाराओं में दोषी करार दिया था। सजा पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने सभी दोषियों के लिए मौत की सजा की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह मामला फरवरी 2020 का है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान आईबी के सुरक्षा सहायक अंकित शर्मा की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उनका शव चांदबाग इलाके में एक नाले से बरामद किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि अंकित के शरीर पर 40 से ज्यादा घाव थे। इस मामले में कुल 11 आरोपी ट्रायल का सामना कर रहे थे। कोर्ट ने इनमें से छह आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। दोषी करार दिए गए पांच लोगों में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन का नाम भी शामिल है। उनके अलावा नाजिम, जावेद, कासिम और अनस को भी दोषी माना गया। कोर्ट ने सभी दोषियों को आईपीसी की धारा 302 यानी हत्या, 365 यानी अपहरण, 188, 153ए, 147, 148 और 149 के तहत दोषी ठहराया। हालांकि, कोर्ट ने आरोपियों को आपराधिक साजिश यानी धारा 120बी के आरोप से बरी कर दिया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कहा कि अंकित शर्मा की हत्या पूर्व नियोजित साजिश के तहत की गई थी। दोषियों का मकसद दंगों के दौरान माहौल को और भड़काना था।

दिल्ली पुलिस ने दलील दी कि समाज में ऐसा संदेश जाना चाहिए कि सरकारी अधिकारी की हत्या करने वालों को सबसे कठोर सजा मिलेगी। इसलिए पांचों दोषियों को फांसी की सजा दी जाए। बचाव पक्ष ने सजा कम करने की मांग करते हुए कहा कि सभी आरोपी परिवार वाले हैं और उनके पास आपराधिक इतिहास नहीं है। लेकिन कोर्ट ने इसे जघन्य अपराध मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि यह समाज को झकझोर देने वाली बहुत गंभीर घटना थी। अंकित शर्मा की बुरी तरह से हत्या की गई और उनकी बॉडी जानवर की तरह छोड़ दी गई थी। इस घटना ने समाज को सोचने पर मजबूर किया।

शादीशुदा बेटियों को 'कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट' से बाहर नहीं रखा जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि किसी शादीशुदा बेटी को 'कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट' पर विचार करने से सिर्फ इसलिए मना नहीं किया जा सकता, क्योंकि राज्य सरकार की पॉलिसी में ऐसी नियुक्तियां सिर्फ तलाकशुदा या पति द्वारा छोड़ी गई बेटियों के लिए ही हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसा वर्गीकरण असंवैधानिक है और संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच ने सायरा खातून और उनकी बेटी की अपील को मंजूरी दे दी। उन्होंने यह अपील पटना हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ की थी, जिसमें पिता की मौत के बाद बेटी के 'कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट' के दावे को खारिज करने के फैसले को सही ठहराया गया था। अपील करने वालों ने बिहार सरकार की 10 दिसंबर, 2014 की पॉलिसी पर सवाल उठाया था, जिसके तहत सिर्फ तलाकशुदा या पति द्वारा छोड़ी गई बेटी ही 'कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट' के लिए योग्य मानी जाती है।

राज्य सरकार ने इस दावे को इस आधार पर भी खारिज कर दिया था कि मृतक कर्मचारी के भाई ने नियुक्ति पर आपत्ति जताई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि भाई ने पहले ही 'नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (अनापत्ति प्रमाण पत्र) दे दिया था, और कहा कि 'अस्वीकृति का वह आधार अब खत्म हो गया है'। तलाकशुदा या पति द्वारा छोड़ी गई बेटियों तक ही 'कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट' को सीमित करने वाली पॉलिसी पर जस्टिस सुंदरेश की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि ऐसे मामलों में बेटों और बेटियों के बीच कोई भी भेदभाव संवैधानिक रूप से मान्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस कोर्ट ने बार-बार यह माना है कि बेटी और बेटे के बीच फर्क करने वाला कोई भी वर्गीकरण अपने आप में असंवैधानिक है। कोर्ट ने आगे कहा कि सिर्फ तलाकशुदा या पति द्वारा छोड़ी गई बेटी तक पात्रता को सीमित करने वाला वर्गीकरण कानून की नजर में टिक नहीं सकता। बिहार सरकार की नीति के पीछे की धारणा को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून में ऐसी कोई धारणा नहीं हो सकती कि शादी के बाद बेटी अपने मायके से रिश्ते तोड़ लेती है और ससुराल में अपने पति के साथ रहती है। आदेश में कहा गया कि अपीलकर्ता ने खास तौर पर बताया था कि भले ही कानूनी तौर पर उसके तलाक को औपचारिक मान्यता नहीं मिली थी, लेकिन वह अपने मायके में रह रही थी और उसे अपनी मां और भाई का सहयोग मिल रहा था।

बेंच ने कहा कि किसी भी स्थिति में बहुत ज्यादा तकनीकी दृष्टिकोण अपनाना उसके अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के दावे पर विचार करने से इनकार करने का आधार नहीं हो सकता।

पटना हाई कोर्ट के आदेश और अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के दावे को खारिज करने के फैसले को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बिहार अधिकारियों को अपीलकर्ता के मामले पर गुण-दोष के आधार पर फिर से विचार करने का निर्देश दिया।

वंदे भारत एक्सप्रेस ने सूरत से अहमदाबाद तक जीवनरक्षक मिशन को बनाया संभव

भारतीय रेल द्वारा पहली बार जीवित हृदय का सफल परिवहन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय रेल ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से जीवित हृदय का सफलतापूर्वक परिवहन किया। सूरत से अहमदाबाद तक हृदय को ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस से सुरक्षित एवं निर्धारित समय में पहुंचाया गया। इस हृदय का प्रत्यारोपण यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर, अहमदाबाद में किया जाएगा।

यह अत्यंत संवेदनशील और समयबद्ध जीवनरक्षक अभियान भारतीय रेल, गुजरात राज्य पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल तथा चिकित्सा टीमों के बीच उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण रहा।

हृदय को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 से यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर तक सुरक्षित एवं निर्बाध रूप से पहुंचाने के लिए RPF और गुजरात राज्य पुलिस द्वारा ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इसके माध्यम से अंग को निर्धारित समयसीमा के

भीतर अस्पताल पहुंचाया गया, ताकि प्रत्यारोपण प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो।

मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद, वेद प्रकाश ने कहा, 'यह भारतीय रेल के लिए अत्यंत गर्व और संतोष का क्षण है कि वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से एक जीवित हृदय को सूरत से अहमदाबाद तक सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से पहुंचाया गया। ऐसे जीवनरक्षक मिशन में समय का प्रत्येक क्षण महत्वपूर्ण होता है। भारतीय रेल, RPF, गुजरात राज्य पुलिस और चिकित्सा टीमों के बीच उत्कृष्ट समन्वय ने इस अभियान को सफल बनाया। किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में भारतीय रेल की भूमिका निभाना हमारे लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सेवा और मानवता का सर्वोच्च दायित्व है।' वंदे भारत एक्सप्रेस की गति, समयपालन और विश्वसनीयता ने इस जीवनरक्षक अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारतीय रेल केवल यात्रियों और माल के परिवहन तक सीमित नहीं है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर आपातकालीन एवं जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाओं में भी महत्वपूर्ण सहयोगी की भूमिका निभा रही है।

इस ऐतिहासिक मिशन की सफलता में भारतीय रेल के विभिन्न विभागों, RPF, गुजरात राज्य पुलिस, चिकित्सकों, अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों तथा सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी एजेंसियों के बीच प्रभावी एवं त्वरित समन्वय के कारण यह चुनौतीपूर्ण जीवनरक्षक अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारतीय रेल की त्वरित, सुरक्षित और विश्वसनीय सेवाओं के साथ-साथ मानव जीवन की रक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है।

संसद परिसर में भगवा कपड़ों में विपक्ष के 'नाटक' से हिंदू धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची : वीएचपी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने शुक्रवार को संसद परिसर में भगवा कपड़े पहने निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव और विपक्ष के अन्य सांसदों द्वारा किए गए एक 'नाटक' की निंदा की। यह नाटक अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी को उजागर करने के लिए किया गया था। वीएचपी का दावा है कि इस प्रदर्शन से हिंदू धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है।

राम मंदिर और अयोध्या के धार्मिक संस्थानों से जुड़े कई प्रमुख साधु-संतों और पदाधिकारियों ने भी इस विरोध प्रदर्शन की आलोचना की और इसमें शामिल सांसदों को बाहर निकालने की मांग की। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और लोकसभा स्पीकर

ओम बिरला से इन सांसदों की सदस्यता रद्द करने का आग्रह किया। दान की चोरी के खिलाफ हुए इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी भी शामिल थे। संसद के मकर द्वार के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए सांसदों ने 'चढ़ावा चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाए। सांसदों ने मकर द्वार की सीढ़ियों के सामने दान पेटी रखी और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव उन पेटियों के पास बैठ गए। एक नाटक के हिस्से के तौर पर राहुल गांधी समेत अन्य सांसदों ने पेटियों में पैसे डाले, जबकि भगवा कपड़े पहने पप्पू यादव ने राम मंदिर में हुई कथित चोरी को दिखाने के लिए पैसे अपनी जेब में रख लिए।

भोपाल की यूनियन कार्बाइड प्रभावित बस्तियों के 70 प्रतिशत पानी के नमूने दूषित

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की गैस प्रभावित बस्तियों में रहने वालों को दूषित पानी मिल रहा है। पीड़ितों की लड़ाई लड़ने वाले संगठनों का दावा है कि यहां के पानी के नमूने में 70 फीसदी नमूने दूषित पाए गए हैं।

गैस पीड़ितों की लड़ाई लड़ने वाले संगठनों संवाददाता सम्मेलन में दावा किया है कि भोपाल नगर निगम पर परित्यक्त कार्बाइड कारखाने के आसपास के मोहल्लों में सीवेज से दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। नेताओं ने इन इलाकों में सप्लाई हो रहे पीने के पानी की जांच पर एक रिपोर्ट पेश की। इसमें सामने आया कि जांचे गए पानी के करीब 70 प्रतिशत नमूनों में मल के बैक्टीरिया (फीकल कोलीफॉर्म) पाए गए।

भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष नवाब खान ने कहा, हमने इस महीने 30 समुदायों के नलों से 63 पानी के नमूने लिए, जिनमें से 43 नमूनों में फीकल कोलीफार्म की पुष्टि हुई। यह स्पष्ट प्रमाण है कि 30 में से 19 समुदायों को दिया जा रहा पेयजल मल से दूषित है।

उन्होंने बताया कि अपर लेक (बड़ा तालाब) से आपूर्ति किए गए पानी के 90 प्रतिशत नमूने और कोलार डैम से आपूर्ति किए गए पानी के 25 प्रतिशत नमूने दूषित पाए गए। भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी ने बताया है कि परित्यक्त यूनियन कार्बाइड कारखाने से सटे समुदायों के निवासी मल-दूषित पानी पीने से दूषित जल से होनी वाली बीमारियों और तकलीफों की चपेट में हैं। पूरे-पूरे परिवार दस्त और उल्टी की शिकायत कर रहे हैं, और निजी क्लीनिकों में टाइफाइड के बहुत अधिक मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2004 में सुप्रीम कोर्ट ने ये माना की यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे की वजह से यहां के रहवासियों का पानी जहरीले रसायनों और भारी धातुओं से प्रदूषित है और इन्ही जहरीले तत्वों से बचाने के लिए पाइपलाइन बिछाने और पीने का साफ पानी उपलब्ध कराने का आदेश दिया था। भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव के अनुसार, अगस्त 2018 में पाइपलाइन के पानी में मल-संदूषण की शिकायतों के जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल नगर निगम को इस क्षेत्र में सीवेज लाइनें बिछाने और उचित जल-निकासी (ड्रेनेज) सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। बीएमसी ने तीन महीने में यह काम पूरा करने का वादा किया था, लेकिन पिछले आठ वर्षों में इस दिशा में एक भी कदम नहीं उठाया गया है। भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना धींगरा ने मल-दूषित पेयजल की आपूर्ति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन कर निवासियों के स्वास्थ्य को खतरे में डालने वाले अधिकारियों को दंडित किया जाए।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य व्यवस्था को पुख्ता करने पर की पूछताछ

विश्व केसरी

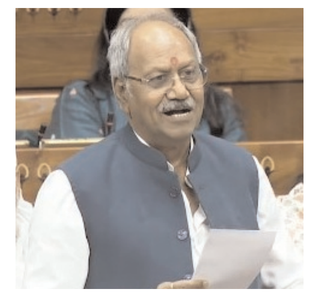

नई दिल्ली। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद एवं पूर्व वरिष्ठ मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने देश और विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य प्रणाली को नई ऊंचाइयों पर ले जाने तथा आम जनता को त्वरित व उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोकसभा में लोक महत्व का अत्यंत महत्वपूर्ण विषय शुक्रवार को उठाया।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्र सरकार से प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (PM-ABHIM) के अंतर्गत बजट आवंटन, उपयोग तथा देश एवं राज्य में संचालित क्रिटिकल केयर ब्लॉकों की वर्तमान की स्थिति पर विस्तृत पूछताछ की।इसके साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य ढांचा तैयार होने के बावजूद विशेषज्ञों (जैसे एनेस्थियोलॉजिस्ट, क्रिटिकल केयर नर्सों आदि) की पदस्थापना में होने वाले विलंब और आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति पर सरकार से जानकारी देने का आग्रह किया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के सवालों का उत्तर देते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि, केंद्र सरकार स्वास्थ्य आपात स्थितियों से निपटने और जन स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल की लगातार सक्रियता का ही परिणाम है कि राज्य में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 23 क्रिटिकल केयर ब्लॉक (CCB) स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 21 ब्लॉक पूर्ण/प्रगति पर (कार्यशील) हैं। इससे गंभीर बीमारियों और आपातकालीन स्थिति में मरीजों को त्वरित व जीवनरक्षक इलाज मिल सकेगा। देश भर में कुल 631 CCB स्वीकृत है जिनमें से 506 कार्यशील हैं। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान छत्तीसगढ़ को PM-ABHIM के तहत केंद्र सरकार द्वारा 32.78 करोड़ रुपये की राशि निर्गत की गई, जबकि पूर्व की अव्ययित राशि व राज्य सहयोग को मिलाकर 55.33 करोड़ रुपये का कुल व्यय कर स्वास्थ्य अधोसंरचना को तेजी से विकसित किया जा रहा है।

सांसद अग्रवाल द्वारा ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ की कमी पर जताई गई चिंता पर मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के माध्यम से राज्यों को दुर्गम क्षेत्रों के लिए विशेष प्रोत्साहन, आवासीय सुविधाएं, और आपातकालीन प्रसूति देखभाल व एनेस्थीसिया कौशल का विशेष प्रशिक्षण (Life Saving Anesthesia Skills) प्रदान किया जा रहा है। सांसद अग्रवाल के प्रश्न के उत्तर में सरकार ने स्पष्ट किया कि योजनाओं के कार्यान्वयन और सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 'आउटपुट-आउटकम मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क' तथा 'वार्षिक सामान्य समीक्षा मिशन (ष्ट्ररू)' के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन और जवाबदेही तय की जा रही है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के अंतिम व्यक्ति तक विश्वस्तरीय और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना हमारा संकल्प है।

संक्षिप्त खबरें

घर के अंदर नाबालिग दिव्यांग से दुष्कर्म, आरोपी रिश्तेदार गिरफ्तार

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले से रिश्ते को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक दिव्यांग नाबालिग लड़की के साथ उसके ही रिश्तेदार द्वारा घर के अंदर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। दरअसर, पुणे के इंदापुर तहसील अंतर्गत आने वाले भिगवण पुलिस स्टेशन क्षेत्र से शुक्रवार को एक घिनौनी वारदात सामने आई, जहां मौजे भादलवाड़ी गांव में 14 वर्षीय मानसिक रूप से दिव्यांग नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने उसके 67 वर्षीय सगे चाचा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी शिवाजी चंद्रकांत दणाने (उम्र 67 वर्ष) ने पीड़िता के मंदबुद्धि और नाबालिग होने का फायदा उठाते हुए, अपने घर में उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। घटना की शिकायत पीड़िता की मां मंगल तुपे ने दर्ज कराई है। इस मामले में भिगवण पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दिल्ली के सीलमपुर में पीडब्ल्यूडी का सीसीटीवी डीवीआर चोरी करने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राजधानी के सीलमपुर इलाके में लगे सरकारी पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी) के सीसीटीवी डीवीआर की चोरी का मामला सुलझा लिया है और इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। चोरी का सामान और उसे बेचकर मिली रकम का एक बड़ा हिस्सा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, सीलमपुर के जे-ब्लॉक में लगे सरकारी पीडब्ल्यूडी सीसीटीवी डीवीआर की चोरी के संबंध में रईस खान की शिकायत पर सीलमपुर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) और 317(2) के तहत ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। यह चोरी 27 जुलाई को हुई थी। जांच के दौरान, पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और डीवीआर चुराते हुए दो लोगों की पहचान की। टेक्निकल सर्विलांस और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से आरोपियों का पता लगाया गया और उन्हें गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 3,000 से ज्यादा छात्राओं को साइकिलें बांटीं

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को 'विद्या वाहिनी' योजना शुरू की और अलग-अलग सरकारी स्कूलों की 9वीं कक्षा की 3,000 से ज्यादा छात्राओं को साइकिलें बांटीं।

पूर्वी विनोद नगर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि 'विद्या वाहिनी' योजना के तहत, दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली लगभग 1.40 लाख छात्राओं को चरणबद्ध तरीके से मुफ्त साइकिलें दी जाएंगी।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने छात्राओं से बातचीत भी की और उनकी पढ़ाई, भविष्य की उम्मीदों और सपनों के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम नारी शक्ति का जश्न है और शिक्षा के जरिए हर बेटी को सशक्त बनाने के सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास और लगन के साथ पढ़ाई करने और जीवन में अपने लक्ष्यों को हासिल करने की कोशिश करने के लिए प्रोत्साहित किया।

छात्राओं ने उन्हें अपने हाथों से बनाई पेंटिंग भी भेंट कीं। मुख्यमंत्री ने उनकी रचनात्मकता और प्रतिभा की तारीफ की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, पटपड़गंज के विधायक रविंदर सिंह नेगी, शिक्षा और खेल निदेशक नितिन जिंदल, शिक्षक और अभिभावक मौजूद थे।

कुलगाम में आतंकी हमला, दो बाहरी मजदूरों की गोली मारकर हत्या

विश्व केसरी

श्रीनगर। शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में एक आतंकी हमले में उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि शाम के समय आतंकवादियों ने कुलगाम के केलम गांव में एक ईंट भट्ठे पर काम करने वाले इन दो मजदूरों पर गोली चलाई और उन्हें घायल कर दिया। एक अधिकारी ने कहा कि दोनों को तुरंत बेहतर इलाज के लिए अनंतनाग शहर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद, छत्तीसगढ़ के दीपक और उत्तर प्रदेश के भूपिंदर नाम के इन दोनों घायल मजदूरों की अस्पताल में गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है और हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

यह घटना हाल की आतंकवादी हिंसा के जवाब में कश्मीर घाटी में आतंकवाद-रोधी अभियानों के तेज होने के बीच हुई है। पिछले हफ्ते, आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर आर्म्ड पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या कर दी थी। 1990 के दशक में प्रमुख हस्तियों, जजों, सरकारी कर्मचारियों को निशाना बनाने और कश्मीरी पंडितों पर हमलों के बाद, 2019 के बाद आतंकवादी समूहों ने अपनी रणनीति बदली और 'हाइब्रिड' तरीकों और कम-दिखाई देने वाले डराने-धमकाने के तरीकों पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया। आर्थिक एकीकरण को बाधित करने के लिए जम्मू-कश्मीर के बाहर से आए प्रवासी मजदूरों, सड़क किनारे व्यापार करने वालों और ट्रक ड्राइवरों को सार्वजनिक स्थानों पर सुनियोजित तरीके से गोली मारी गई।

राम मंदिर चढ़ावा अनियमितता मामले में विपक्ष ने सरकार को घेरा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा अनियमितता मामले में विपक्षी नेताओं ने सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, 'हमने कभी किसी का अपमान करने की कोशिश नहीं की, न ही हमारा ऐसा कोई इरादा था और न कभी हो सकता है। हम सभी के दिल में भगवान श्रीराम के प्रति गहरी आस्था और श्रद्धा है।' उन्होंने कहा, 'चढ़ावा अनियमितता मामले में सरकार को जवाब देना चाहिए।' राम मंदिर चढ़ावा अनियमितता मामले में पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के साधु के वेश में संसद में विरोध प्रदर्शन करने पर समाजवादी पार्टी सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने कहा, 'पप्पू यादव ट्रस्ट के सदस्य के कपड़े पहनकर वहां आए थे। जिस तरह से ट्रस्ट से जुड़े लोगों ने कथित तौर पर चढ़ावे की चोरी की है, उसके मुख्य आरोपियों के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसी को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया।' राम मंदिर चढ़ावा अनियमितता मामले में राजद सांसद मीसा भारती ने कहा, 'सिर्फ सदस्य ही इस मुद्दे पर आवाज नहीं उठा रहे हैं बल्कि पूरे देश के लोग भी सरकार से पूछना चाहते हैं कि राम मंदिर मामले में असल में क्या हुआ और कैसे हुआ? इसकी जांच होनी चाहिए और जांच के बाद सरकार को दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।' राम मंदिर चढ़ावा अनियमितता मामले पर राजद सांसद संजय यादव ने कहा, 'राम मंदिर सरकारी पैसे से बनाया गया था। करोड़ों श्रद्धालुओं की भगवान राम में आस्था है और अब उसी मंदिर से दान की चोरी हो रही है।

जम्मू-कश्मीर : अनंतनाग में गलती से चली गोली से एसओजी का जवान घायल

विश्व केसरी

श्रीनगर। शुक्रवार को अनंतनाग जिले में पेट्रोलिंग के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) का एक जवान गलती से चली गोली से घायल हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि अनंतनाग के कोकेरनाग इलाके में गश्त के दौरान एसओजी के एक जवान की सर्विस गन गलती से चल गई, जिससे वह घायल हो गया। घायल जवान की पहचान हबीबुल्लाह खान के बेटे मोहम्मद अल्ताफ खान के तौर पर हुई है। गोली उसके पैर में लगी। उसे तुरंत शुरुआती इलाज के लिए कोकेरनाग के सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल ले जाया गया। बाद में, उसे आगे के इलाज के लिए अनंतनाग शहर के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) जम्मू-कश्मीर पुलिस (जेकेपी) की एक टेक्टिकल यूनिट है, जो उग्रवाद-विरोधी, विद्रोह-विरोधी और आतंकवाद-विरोधी अभियानों में माहिर है। इसे 1994 में इस सोच के साथ बनाया गया था कि जम्मू-कश्मीर पुलिस, जो तब तक ऑपरेशन के लिहाज से कम सक्रिय थी, उसे आतंकवाद-विरोधी गतिविधियों में शामिल किया जाए और इन अभियानों को एक स्थानीय चेहरा दिया जाए। इस यूनिट के मिशन में मुख्य रूप से उग्रवाद-विरोधी अभियान, हथियारबंद और खतरनाक अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई, आतंकवाद-रोधी कार्रवाई, बंधकों को छुड़ाना और संकट प्रबंधन, विद्रोह-रोधी अभियान, गुप्त ऑपरेशन, वीआईपी सुरक्षा, हाई-रिस्क टेक्टिकल कानून-व्यवस्था की स्थिति, मुश्किल इलाकों में काम करना, हाई-लेवल मीटिंग वाली जगहों की सुरक्षा और जम्मू-कश्मीर में हमले या आतंकवाद के खतरे वाले इलाकों में सुरक्षा देना शामिल है। इसकी जिम्मेदारियों में मुश्किल और खतरनाक इलाकों में खास रेकी (जासूसी/निगरानी), भीड़ और दंगा नियंत्रण में मदद और खास ऑपरेशन शामिल हैं।

हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, आंकड़ा दो लाख के पार

विश्व केसरी

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित प्रसिद्ध सिख तीर्थस्थल हेमकुंड साहिब की यात्रा सुचारू रूप से जारी है। विपरीत मौसम के बावजूद श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर खासा उत्साह बना हुआ है। सरकार और प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए श्रद्धालु लगातार हेमकुंड साहिब पहुंचकर गुरु दरबार में मत्था टेक रहे हैं।

इसे लेकर शुक्रवार को श्री हेमकुंड साहिब ट्रस्ट के प्रबंधक सेवा सिंह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि अब तक दो लाख बाईस हजार से अधिक श्रद्धालु हेमकुंड साहिब में मत्था टेक चुके हैं। प्रतिदिन करीब एक हजार श्रद्धालु हेमकुंड साहिब पहुंच रहे हैं। मौसम की चुनौतियों के बीच भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ है और यात्रा लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए धाम में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। वहीं, लगातार श्रद्धालुओं से सरकार और प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करने की अपील की जा रही है।

बता दें कि हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा सिखों का एक अत्यंत पवित्र तीर्थस्थल है, जो दुनिया का सबसे ऊंचा गुरुद्वारा है। यह गुरुद्वारा सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी को समर्पित है। इस पवित्र तीर्थस्थल की खासियत है कि यह 15,000 फुट से ज्यादा की ऊंचाई पर एक बर्फीली झील, ऊंची-ऊंची पहाड़ियों को खूबसूरत वादियों के बीच स्थित है, जहां प्रत्येक वर्ष देश-दुनिया से हजारों-लाखों श्रद्धालु मत्था टेकने के लिए आते हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक पर भीड़ के हमले को लेकर सरकार और पुलिस को फटकारा

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने चामराजनगर जिले में मानसिक रूप से बीमार 19 वर्ष के युवक पर भीड़ के कथित हमले को लेकर राज्य सरकार और पुलिस को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए।

हाल ही में एक लड़के के पिता की तरफ से अपने बेटे के खिलाफ क्रिमिनल केस रद्द करने की मांग वाली एक पिटीशन दायर की गई थी। इस मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस नागप्रसन्ना ने घटना की तस्वीरें दिखाए जाने के बाद कड़ी बातें कहीं।

सुनवाई के दौरान जज ने कहा, 'क्या यह कानून का राज है? यह क्या है? इसीलिए मैं रोज कह रहा हूं, राज्य में अराजकता है। कानून का कोई राज नहीं है। दुनिया में कहीं भी ऐसा नहीं होता। डेमोक्रेटिक सिस्टम में ऐसा नहीं होता।' यह मामला पिछले महीने चामराजनगर जिले के एक गांव में हुई एक घटना से जुड़ी है, जहां मानसिक रूप से अस्वस्थ 19 वर्ष के लड़के पर डॉ. अंबेडकर की तस्वीर वाले साइनबोर्ड की लाइटिंग को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया था।

कोर्ट में दी गई दलीलों के मुताबिक, स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर लड़के को नंगा कर दिया, उसे बिजली के खंभे से बांध दिया, और पुलिस वालों के मौके पर पहुंचने और उसे बचाने से पहले उस पर हमला किया।

पीएम मोदी से मुलाकात में मुख्यमंत्री साय ने रखा बस्तर के विस्तार की योजनाएं

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, बस्तर के कायाकल्प और राज्य की महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं औद्योगिक परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के सहयोग से तीन प्रमुख परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का आग्रह किया और बदलते छत्तीसगढ़ का विस्तृत विकास रोडमैप प्रधानमंत्री के सामने रखा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा, विश्वास और विकास की समन्वित रणनीति के चलते बस्तर तेजी से बदल रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल, बिजली, हवाई संपर्क, खेल, पर्यटन और आजीविका के क्षेत्र में लगातार प्रगति हो रही है। सरकार का लक्ष्य इस बदलाव को स्थायी बनाना है।

10,500 करोड़ रुपए के यूरिया प्लांट को जल्द मंजूरी देने का आग्रह

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री से राजनांदगांव में प्रस्तावित लगभग 10,500 करोड़ रुपए की गैस आधारित यूरिया परियोजना को जल्द मंजूरी देने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध करा दी गई है और राज्य सरकार स्तर की आवश्यक स्वीकृतियां भी पूरी हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, इस परियोजना से किसानों को उर्वरक की बेहतर उपलब्धता मिलेगी। साथ ही औद्योगिक निवेश, रोजगार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने बस्तर और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के 461 गांवों को स्थायी विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए केंद्र से विशेष सहायता मांगी। फिलहाल इन गांवों में ऑफ–ग्रिड माध्यम से बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि स्थायी बिजली पहुंचने से शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और रोजगार के अवसरों में बड़ा सुधार होगा।

रायपुर या बस्तर में AIIA स्थापित करने का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से रायपुर अथवा बस्तर में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद (AIIA) स्थापित करने का अनुरोध किया। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ में औषधीय वनस्पतियों और पारंपरिक चिकित्सा की समृद्ध विरासत है। राष्ट्रीय स्तर का संस्थान बनने से चिकित्सा, अनुसंधान और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा।

बस्तर विजन: 5,542 गांवों तक पहुंचीं योजनाएं

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि नियद नेल्ला नार 2.0 और बस्त मुन्ने जैसी योजनाओं के जरिए बस्तर संभाग के 5,542 गांवों तक सरकारी योजनाएं पहुंच रही हैं। इससे करीब 39 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वर्षों से बंद 421 स्कूलों को दोबारा शुरू किया गया है। वहीं ओरछा और जगरगुंडा में नई एजुकेशन सिटी विकसित करने की दिशा में भी काम चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत अब तक 34 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है। जगदलपुर में सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और गीदम में मेडिकल कॉलेज के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है।

फेसबुक पर दोस्ती, शादी का झांसा, 10.98 लाख रुपए की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। फेसबुक से परिचय होने के बाद महिला को नौकरी दिलाने के नाम पर 10.98 लाख रुपये की धोखाधड़ी और शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को पुलिस ने मध्यप्रदेश के बैतूल से गिरफ्तार किया है। घटना की मिली जानकारी अनुसार प्रकरण में पीड़िता द्वारा 18 जुलाई 2026 को थाना छोटेडोंगर,जिला नारायणपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वर्ष 2018 में फेसबुक के माध्यम से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म एवं नर्सिंग ऑफिसर की नौकरी दिलाने के नाम पर 10.98 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। आरोपी से उसकी पहचान आरोपी से फेसबुक के माध्यम से हुई थी। आरोपी रीतेश्वर भूमरकर,पिता महादेव भूमरकर,उम्र 45 वर्ष,निवासी चन्द्रशेखर वार्ड,थाना कोतवाली (कोठी बाजार),जिला बैतूल, मध्यप्रदेश ने स्वयं को डॉक्टर बताकर शादी का झांसा दिया,जिसके आधार पर उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित किए। बाद में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर नौकरी दिलाने का प्रलोभन देकर विभिन्न किस्तों में कुल 10.98 लाख रुपये प्राप्त कर लिए। इस प्रकार आरोपी ने पीड़िता का मानसिक,आर्थिक एवं शारीरिक शोषण किया।

रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 133/2026 में धारा 376(2),417 एवं 420 भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुर्रे के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी रवि कुजूर के पर्यवेक्षण में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पखांजूर पुलिस ने फेसबुक के माध्यम से दोस्ती कर स्वयं को डॉक्टर बताकर पीड़िता को शादी का झांसा देने,उसके साथ दुष्कर्म करने तथा नर्सिंग ऑफिसर के पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर 10,98,000/- रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। विवेचना के दौरान पखांजूर पुलिस एवं साइबर सेल कांकेर की संयुक्त टीम ने आरोपी की तलाश करते हुए उसे बैतूल (मध्यप्रदेश) से अभिरक्षा में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद 31 जुलाई 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया,जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जिला जेल कांकेर भेज दिया गया।

भरोसा वही, अंदाज़ नया : माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस' का नया अवतार 'मैप्स'

विश्व केसरी

रायपुर। 1964 में अपनी शुरुआत के बाद अखबार और होर्डिंग से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रील्स और सेकंड्स में बदल जाने वाले डिजिटल ट्रेंड्स तक का सफर माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस ने बखूबी तय किया है। मध्य भारत की अग्रणी और आईएनएस मीडिया एजेंसी 'माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस' ने हर दौर को बेहद करीब से देखा और समझा है। अब, समय की इसी तेज़ रफ़्तार से कदमताल करने के लिए, यह प्रतिष्ठित एजेंसी अपने मॉडर्न अवतार 'मैप्स' (maps:) के साथ खुद को रीब्रांड कर रही है।

maps:
Maheshwari Publicity Service
360° Brand Routes

मैप्स' (maps:) ही क्यों?

इस बदलाव की ज़रुरत के बारे में बात करते हुए माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस के डायरेक्टर्स श्री प्रकाश माहेश्वरी और पंकज माहेश्वरी ने बताया कि नए दौर में आधुनिक सोच के साथ बिज़नेस संचालन करने वाली आज की युवा पीढ़ी और कंटेम्परी ऑडियंस घंटों की बात सेकंड्स में समझना चाहते हैं। वो ऐसे शब्द पसंद करते हैं जो बोलने में आसान हों और जिनका इम्पैक्ट सीधा हो। 'मैप्स' (अंग्रेजी के शब्द मैप का बहुवचन) का सीधा सा मतलब है नक्शे या रास्ते। जिस तरह एक नक्शा किसी को अनजान रास्तों पर उसकी सटीक मंज़िल तक ले जाता है, ठीक उसी तरह 'मैप्स' की फिलॉसफी ब्रांड्स के लिए वो रास्ते तैयार करना है, जो मार्केट की भीड़ से निकलकर सीधे ग्राहकों के दिलों-दिमाग तक पहुंचते हों।

नए लोगो में लगा कोलन (:)

मैप्स के लोगो में लगा 'कोलन' (:) केवल एक डिज़ाइन नहीं है। व्याकरण जुबान में कोलन का मतलब होता है, 'पिक्चर अभी बाकी है', यानी आगे कुछ आने वाला है। 'मैप्स' के साथ लगा यह कोलन दरअसल एजेंसी की विस्तृत सेवाओं को दर्शाता है। 'maps:' में 'आउट ऑफ़ द बॉक्स आईडियाज़' के साथ ब्रांड कंसल्टेंसी, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, कंटेंट डेवलपमेंट और डिजिटल मार्केटिंग जैसी वो तमाम सेवाएं मौजूद हैं, जो आज के मार्केट की ज़रुरत के हिसाब से 'maps:' को 360 डिग्री एडवरटाइजिंग एजेंसी बनाती हैं।

संसद में ऊर्जा मंत्री ने दी थी जानकारी, स्मार्ट मीटर केवल वैकल्पिक व्यवस्था : इकराम अहमद

विश्व केसरी

रायपुर/बिरगांव। स्मार्ट प्रीपेड मीटर के मुद्दे पर केंद्र सरकार की घोषित नीति को छत्तीसगढ़ में तत्काल लागू किए जाने की मांग उठी है। प्रभारी, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम बिरगांव रायपुर इकराम अहमद ने कहा कि मार्च 2026 में संसद में ऊर्जा मंत्री मोहनलाल खट्टर ने स्पष्ट किया था कि देश के किसी भी नागरिक पर स्मार्ट मीटर थोपे नहीं जाएंगे, यह एक वैकल्पिक व्यवस्था है। इसके बावजूद छत्तीसगढ़ में लोगों के घरो,दुकानों मे स्मार्ट मीटर लगाये गये, इकराम अहमद का आरोप है कि राज्य सरकार अपने उद्योगपति मित्रों को फयदा पहुंचाने के लिए आम जनता पर यह व्यवस्था थोप रही है। उनका कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद आम उपभोक्ता भारी-भरकम बिजली बिलों से परेशान हो रहे हैं। इकराम अहमद ने आगे बताया कि बिरगांव नगर निगम क्षेत्र में जल्द ही 'स्मार्ट मीटर हटाओ, पुराना मीटर लगाओ' अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत नागरिकों से आवेदन भरवाकर बिजली विभाग के कार्यालय में जमा कराए जाएंगे, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

स्मार्ट मीटर और सोलर संयंत्र से नहीं बढ़ता बिजली बिल, फैक्ट चेक में हुई पुष्टि

विश्व केसरी

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर संयंत्र लगाने के बाद भी एक लाख 11 हजार रुपए का बिजली बिल आने की शिकायत की छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने उच्चस्तरीय जांच कराई। जांच में पाया गया कि जिस उपभोक्ता ने शिकायत की थी, उसके नाम से न तो सोलर संयंत्र स्थापित है और न ही उसके घर स्मार्ट मीटर लगा है। संबंधित विद्युत कनेक्शन पर पुराना मीटर ही लगा हुआ है। वास्तविकता यह है कि उपभोक्ता के घर में विद्युत उपकरण अधिक होने के कारण बिजली की खपत भी अधिक है तथा उसने पिछले पांच माह से बिजली बिल जमा नहीं किया है। पावर कंपनी की जांच (फैक्ट चेक) में यह स्पष्ट हुआ कि स्मार्ट मीटर अथवा सोलर संयंत्र से बिजली बिल नहीं बढ़ता है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने कवर्धा जिले के बोड़ला विकासखंड के ग्राम सिल्हाटी निवासी उपभोक्ता तिलक राम चंद्रवंशी की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच कराई। उन्होंने शिकायत की थी कि सोलर संयंत्र लगाने के बाद भी उनका बिजली बिल 1 लाख 11 हजार 650 आया है। इस संबंध में कुछ मीडिया माध्यमों में समाचार प्रकाशित हुए, जिनमें विभाग का पक्ष शामिल नहीं था।

मामले की जांच के लिए पंडरिया के कार्यपालन अभियंता के.के. झा एवं बोड़ला उपसंभाग के सहायक अभियंता सुनील कुमार कंवर को जिम्मेदारी सौंपी गई। जांच दल ने मौके पर पहुंचकर शिकायत का परीक्षण किया तथा अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रतिवेदन के अनुसार तिलक राम चंद्रवंशी के बी.पी. क्रमांक 1002557014 पर पुराना मीटर लगा हुआ है। उक्त कनेक्शन पर न तो स्मार्ट मीटर लगाया गया है और न ही कोई रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित है।

जांच में यह भी पाया गया कि तिलक राम चंद्रवंशी के तीन भाइयों का संयुक्त परिवार है, जिसमें पूर्व से एक ही विद्युत कनेक्शन से बिजली का उपयोग किया जा रहा था। पिछले तीन माह से इस परिसर में 8 किलोवाट से अधिक विद्युत भार का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही संबंधित उपभोक्ता द्वारा फरवरी 2026 से बिजली बिल जमा नहीं किया गया है। फलस्वरूप पांच माह की बकाया राशि वर्तमान बिल में सम्मिलित होकर प्रदर्शित हुई है। अत: यह कहना कि सोलर संयंत्र लगाने के कारण अधिक बिजली बिल आया है, पूर्णत: तथ्यहीन एवं भ्रामक है।

गांजा तस्करी में फरार आरोपी उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी मोहसीन खान के पर्यवेक्षण में संचालित 'उजियारा अभियान' के तहत अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना नरहरपुर पुलिस ने 67.380 किलोग्राम अवैध गांजा परिवहन के मामले में फरार चल रहे आरोपी प्रदीप गिहार (22 वर्ष), निवासी मीरासराय,थाना सिविल लाइन, जिला बदायूं (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। 11 अप्रैल 2026 को थाना नरहरपुर पुलिस को सूचना मिली कि एक क्रेटा वाहन में अवैध गांजा भारतमाला मार्ग से डब्बीपानी की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी की। पुलिस को देखकर वाहन चालक ने तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए ग्राम डब्बीपानी के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त कर दिया और वाहन छोड़कर फरार हो गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें रखी तीन बोरियों के 13 पैकेटों से 67.380 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। साथ ही लगभग 10 लाख रुपये मूल्य का क्रेटा वाहन भी जप्त किया गया। क्रेटा वाहन क्रमांक OD 10 J 3344 (अनुमानित कीमत 10 लाख) रुपये,02 अतिरिक्त नंबर प्लेट UP14 DL 4480 कुल 43.69 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जप्त कर थाना नरहरपुर में अपराध क्रमांक 83/2026 के तहत धारा 281 बीएनएस एवं 20(B)(ii)(C) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया।

प्रकरण की विवेचना के दौरान पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। शेष फरार आरोपी के उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में छिपे होने की सूचना मिलने पर थाना नरहरपुर एवं साइबर सेल कांकेर की संयुक्त टीम ने बदायूं पहुंचकर तकनीकी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी प्रदीप गिहार को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। विधिवत गिरफ्तारी के बाद उसे कांकेर लाकर 31 जुलाई 2026 को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोपी प्रदीप गिहार को यूपी से गिरफ्तार कर छत्तीसगढ़ लाने में निरीक्षक सोमेश सिंह बघेल (थाना प्रभारी नरहरपुर),सउनि बुधारू राम मरकाम, प्रधान आरक्षक संवलू नेताम, आरक्षक डुमेश साहू,पवन मरकाम तथा साइबर सेल कांकेर से आरक्षक शैलेन्द्र साहू,हिमेश्वर मंडावी एवं भूपेश नेताम की सराहनीय भूमिका रही।

लंबित ई-चालान निपटाने का सुनहरा मौका, लोक अदालत में मिलेगी भारी छूट

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर शहर में अपने वाहनों के पुराने चालान का भुगतान न कर पाने वाले चालकों के लिए यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर राहत भरा अवसर लेकर आई है। विभाग ने वर्ष 2025 से 2026 के बीच कटे ई-चालानों को आगामी नेशनल लोक अदालत के माध्यम से निपटाने की घोषणा की है। यातायात पुलिस द्वारा 31 जुलाई 2026 को जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, जिन वाहन चालकों के चालान 23 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के मध्य कटे हैं और वर्तमान में अदालती प्रक्रिया में हैं, वे 8 सितंबर 2026 तक पंजीयन करा सकते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य चालकों को लंबे अदालती चक्करों और भारी जुर्माने से बचाते हुए सुगम समाधान प्रदान करना है।

यातायात पुलिस द्वारा तय किए गए कार्यक्रम के अनुसार, 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में इन प्रकरणों को रखा जाएगा। इसमें शामिल होने के लिए वाहन चालकों को 8 सितंबर 2026 तक कार्यालयीन समय में पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए आवेदक अपने निकटतम यातायात थाने या फिर यातायात मुख्यालय, कालीबाड़ी रायपुर में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। तय तारीख निकल जाने के बाद किसी भी स्थिति में आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे, इसलिए वाहन चालकों को समय रहते अपने दस्तावेज और चालान की प्रति लेकर पहुंचने की सलाह दी गई है।

राजधानी रायपुर में सीसीटीवी कैमरों और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन सिस्टम के जरिए ई-चालान काटने की व्यवस्था काफी समय से लागू है। हालांकि, कई बार पते में बदलाव, जानकारी का अभाव या वाहन चालकों की लापरवाही की वजह से हजारों चालान समय पर जमा नहीं हो पाते और कोर्ट चले जाते हैं। पूर्व में आयोजित हुई लोक अदालतों में भी हजारों लंबित प्रकरणों का एक साथ निपटारा किया गया था, जिससे वाहन चालकों को जुर्माने में बड़ी छूट मिली थी। इसी सफलता को देखते हुए इस बार भी एक साल से अधिक समय से अटके चालानों का निपटारा करने के लिए यह विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है।

यातायात पुलिस की अपील

यातायात पुलिस रायपुर ने वाहन चालकों से इस विशेष अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया है। कहना है कि, यह पहल वाहन चालकों को कानूनी उलझनों से मुक्त करने के लिए शुरू की गई है। लोक अदालत के बाद भी जो चालक अपने लंबित चालानों का निराकरण नहीं कराएंगे, उनके खिलाफ मोटर यान अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम की चेतावनी, गलत खाद-बीज बेचने वालों पर होगी सीधी एफआईआर

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों के हितों की रक्षा और कृषि इनपुट की पारदर्शी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। राजधानी रायपुर में 31 जुलाई 2026 को आयोजित एक अहम प्रेस कांफ्रेंस में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने विभागीय उपलब्धियों का ब्योरा देते हुए बताया कि प्रदेश भर में खाद की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई की गई है।

कृषि विभाग की टीमों ने पूरे राज्य में 472 से अधिक स्थानों पर छापे मारकर 68 हजार बोरी अवैध फर्टिलाइजर जब्त किया है। इस मामले में लापरवाही और अनियमितता बरतने वाले 11 विक्रेताओं के लाइसेंस तुरंत निरस्त कर दिए गए हैं, जबकि 11 लोगों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई गई है। सरकार ने साफ चेतावनी दी है कि अमानक बीजों और नकली खाद का वितरण करने वालों के खिलाफ आगे भी कठोर कदम उठाए जाएंगे। प्रेस वार्ता के दौरान दोनों अधिकारियों ने कृषि एवं संबद्ध विभागों की गतिविधियों, उपलब्धियों और सरकार की प्राथमिकताओं की जानकारी साझा की। इस दौरान कृषि, पशुधन विकास, मत्स्यपालन, उद्यानिकी और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं और विभागीय कार्यों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

बस्तर में एकीकृत कृषि मॉडल और गर्मियों में वैकल्पिक फसलों पर जोर

कृषि मंत्री ने बताया कि सुरक्षा बलों के प्रयासों से बस्तर अब शांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिससे वहां कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन के जरिए स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के नए द्वार खुले हैं। विभाग के उच्च अधिकारियों ने बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया है, जहां अब एक ही छत के नीचे किसानों को आधुनिक खेती का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही, कम पानी वाली ग्रीष्मकालीन फसलों को बढ़ावा देने के लिए 'कृषि संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। अत्यधिक जल की खपत वाली धान और केले की फसल के स्थान पर किसानों को दलहन, तिलहन, सब्जी और जैविक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कोरबा के बांगो बांध को विशेष रूप से चिह्नित किया जाएगा।

राज्य में करीब 40 लाख कृषक परिवार

राज्य में करीब 40 लाख कृषक परिवार निवास करते हैं, जिनमें से 82 प्रतिशत संख्या लघु एवं सीमांत किसानों की है। बीते वर्षों की तुलना में इस बार 30 जुलाई 2026 तक प्रदेश में 543.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले 10 वर्षों के औसत से काफी बेहतर है।

इस मानसून सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुआई का लक्ष्य रखा गया था, जिसकी 83 प्रतिशत से अधिक बोनी पूरी हो चुकी है। राज्य में रासायनिक उर्वरकों का 98 प्रतिशत अग्रिम भंडारण सुनिश्चित किया गया है, ताकि किसानों को किसी भी जिले में खाद की किल्लत का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस का आज से राज्यव्यापी आंदोलन

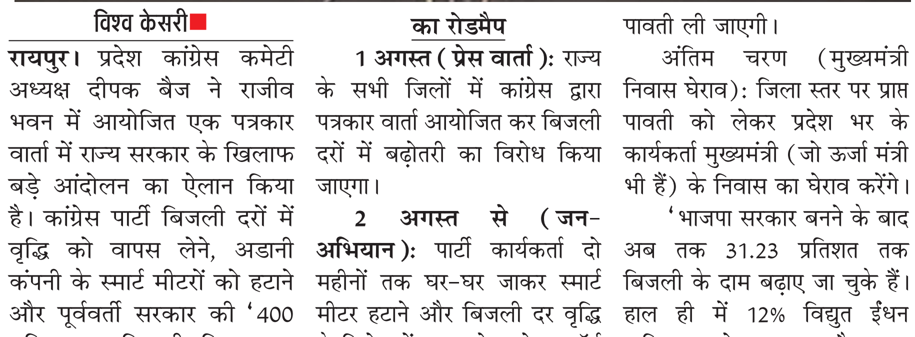

विश्व केसरी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने राजीव भवन में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में राज्य सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। कांग्रेस पार्टी बिजली दरों में वृद्धि को वापस लेने, अडानी कंपनी के स्मार्ट मीटरों को हटाने और पूर्ववर्ती सरकार की '400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना' को पुन: लागू करने की मांग को लेकर 1 अगस्त से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने जा रही है।

कांग्रेस के चरणबद्ध आंदोलन का रोडमैप

1 अगस्त (प्रेस वार्ता): राज्य के सभी जिलों में कांग्रेस द्वारा पत्रकार वार्ता आयोजित कर बिजली दरों में बढ़ोतरी का विरोध किया जाएगा।

2 अगस्त से (जन-अभियान): पार्टी कार्यकर्ता दो महीनों तक घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर हटाने और बिजली दर वृद्धि के विरोध में जनता से आवेदन फॉर्म भरवाएंगे।

दो माह बाद (बिजली दफ्तरों का घेराव): एकत्रित किए गए आवेदनों के साथ सभी जिलों के बिजली कार्यालयों का घेराव कर पावती ली जाएगी।

अंतिम चरण (मुख्यमंत्री निवास घेराव): जिला स्तर पर प्राप्त पावती को लेकर प्रदेश भर के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री (जो ऊर्जा मंत्री भी हैं) के निवास का घेराव करेंगे।

'भाजपा सरकार बनने के बाद अब तक 31.23 प्रतिशत तक बिजली के दाम बढ़ाए जा चुके हैं। हाल ही में 12% विद्युत ईंधन अधिभार जोड़ा गया और अब जुलाई से घरेलू व गैर-घरेलू दरों में फिर वृद्धि की गई है। सरकार से प्रदेश नहीं संभल रहा और आम जनता पर बेतहाशा बोझ डाला जा रहा है।'

संपादकीय

राष्ट्रपति भवन में बस्तरियों का सम्मान, बेहद आत्मगौरव का पल

शशांक खरे

इंट्रो- सचमुच बेहद आत्मगौरव और खुशी का पल रहा, जब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बस्तर से दिल्ली पहुंचे 209 सदस्यों का सम्मान राष्ट्रपति भवन में देश की प्रथम नागरिक श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आत्मीय स्वागत किया. इस टीम का नेतृत्व किया प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय ने किया. बस्तर पंडुम 2026 के विजेताओं, मांझी-चालकी, पद्मश्री से सम्मानित विभूतियों का सम्मान न केवल बस्तर, अपितु छत्तीसगढ़ का सम्मान है. देश के समस्त आदिवासियों का सम्मान है. बस्तर से लाल आतंक का खात्मा हुए महज चार महीने हुए हैं, किंतु इन चार महीनों में बस्तर की तस्वीर और तकदीर में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिल रहा हैं. बस्तर में 2031 का विजन इसीलिए लाया गया है, ताकि नक्सली खौफ से रुकी विकास की नदी बस्तर की खूबसूरतवादियों में निर्बाध गति से बहती रहे.

व्यर्थ नहीं जाता बोया हुआ पसीना, भले ही उगने में देर हो जाए...

बस्तर में विकास के सूरज का उदय इस बात का सबूत है, कि हर रात की सुबह होती है. बस्तर में 2031 का विजन एकदम स्पष्ट है. अब विकास की रोशनी हर मोहल्ला, हर गली, हर घर, हर आंगन में पहुंचेगी, जहां कभी ख़ौफ़ परछाई की तरह हर वक़्त भौजूद रहता था. साढ़े पांच दशक से नक्सलवाद का दंश झेल चुके बस्तर में आज अमन और खुशहाली की बयार बह रही है. बस्तर में हर चेहरे पर खुशी की इबारत पढ़ी जा सकती है. अब बस्तर की फिजा में बारूद की गंध नहीं, बल्कि महुए की खुशबू आती है. सारा जहां सुवासित हो रहा है. बस्तर में गोलियों की धांय-धांय नहीं, बल्कि खुशी के गीत और वाद्य यंत्रों की स्वर लहरियां सुनाई दे रही हैं. अंदरुनी इलाकों में विकास की बयार बह रही है. कभी नक्सलवाद के कारण ठप योजनाएं अब शनैःशनैः परवान चढ़ रही हैं. बस्तर में नक्सलवाद का दामन छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल

लोगों के लिए पुनर्वास केंद्र की स्थापना, रोजगार का सृजन और हर दामन को खुशियों की सौगात, यह सब सरकार के दृढ़ संकल्पों का परिणाम है. अभी बस्तर में नक्सलवाद का अंत हुए, चार माह ही हुए हैं. लेकिन, इस अल्पकाल में भी बस्तर में जो शासकीय मशीनरी की चहल-पहल दिखाई दे रही है. वह एक जीवंत उदाहरण ही है. अंदरुनी गांवों तक बसों की आवाजाही, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है. इससे ग्रामीणों में साय सरकार के प्रति विश्वास जागा है. इतने कम समय में विकास की बयार बह रही है,

किसी ने क्या खूब कहा है,

चट्टानों को तोड़ा जा सकता है, इरादों को नहीं.

एकि केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ के साय सरकार ने नक्सलवाद के ख़िलाफ़ संयुक्त मोर्चा खोला. यह कोई साधारण संकल्प नहीं था. साढ़े पांच दशक के काले साम्राज्य को उखाड़ फेंकना, उतना आसान नहीं था. किंतु, इरादे नेक हों, तो चट्टानों को तोड़कर रास्ता बनाया जा सकता है. 31 मार्च 2026 की डेड लाइन के हफ्तेभर पहले ही नक्सलवाद के सफ़ाए की घोषणा, न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि संपूर्ण भारत वर्ष के इतिहास का एक नया अध्याय था. 31 मार्च 2026 की डेड लाइन, मानो हर जवान के मनो-मस्तिष्क पर एक मील के पत्थर की तरह अंकित था. जवानों का पसीना व्यर्थ नहीं गया. खून पसीने की एक-एक बूंद इस बात की गवाही देती है, कि माटी की ख़ातिर मर मिटने का संकल्प माता के गर्भ से ही ले लिया था. विषम भौगोलिक परिस्थितियों में कभी भी जवानों ने पीठ नहीं दिखाई. शीर्ष नेतृत्व के आदेशों का अक्षरशः पालन, नेक-नियति और ईमानदारी जैसे इन जवानों की रगों में चिंगारी पैदा करती रही है. 55 सालों तक नक्सलवाद का दंश झेलते-झेलते बस्तर की जनता आजीज आ चुकी थी. हर बस्तरिया चाहता था विकास, हर बस्तरिया चाहता था अमन और क़ानून व्यवस्था की बहाली. टूटे पुल, उखड़े हैंडपंप, क्षतिग्रस्त स्कूल भवन जैसे उनके लिए किसी विडंबना से कम नहीं थे. कभी बस्तर के गांवों में, गलियों में, चौक-चौराहों में, चबूतरों में, आंगन में नक्सलियों की बैठकें, फिर यातना-प्रताड़ना, उलाहना, फिर अंत में खून-ख़राबा बस्तरियों के नसीब का एक अहम हिस्सा हो गया था. दर्द से कराहते बस्तर की पीड़ा को सरकार ने महसूस किया, नक्सलियों को शांति की राह पर आने, वार्ता और समझौते की पेशकश की, किंतु, नक्सलियों ने सरकार की एक बात नहीं मानी. फिर सरकार ने नक्सलवाद का अंत करने अपना संकल्प दुहराया. काबिल अफ़सरों की नियुक्ति और जांबाज जवानों की मुस्तैदी से बस्तर में नक्सलियों के पांव उखड़ने लगे. अंततः नक्सलियों को लगा कि अब सिर छुपाने की जगह नहीं बची।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या अश्लीलता का महिमामंडन?

डॉ. प्रियंका सौरभ

जंतर-मंतर लोकतांत्रिक भारत का वह सार्वजनिक मंच है जहाँ नागरिक अपनी बात सरकार और समाज तक पहुँचाने के लिए एकत्र होते हैं। यह स्थान संविधान द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है। लेकिन जब किसी विरोध प्रदर्शन में भाषा की मर्यादा टूट जाती है, गाली-गलौज को प्रतिरोध का औजार बना दिया जाता है और अश्लीलता को साहस का पर्याय बताकर उसका उत्सव मनाया जाने लगता है, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है? क्या लोकतंत्र में विरोध का अर्थ हर प्रकार की भाषा और व्यवहार को वैध ठहराना है? या फिर स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा हुआ है?

हाल के दिनों में जंतर-मंतर पर कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा सार्वजनिक रूप से अत्यंत आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग चर्चा का विषय बना। इस पर समाज का एक वर्ग इसे 'पितृसत्ता के विरुद्ध विद्रोह' और 'निर्भीक स्त्री की आवाज़' बताकर समर्थन करता दिखाई दिया। दूसरी ओर अनेक लोगों ने इसे सामाजिक मर्यादा, सार्वजनिक शालीनता और संवैधानिक जिम्मेदारी के विरुद्ध माना। यह बहस केवल किसी एक घटना की नहीं, बल्कि उस दिशा की है जहाँ समाज अभिव्यक्ति की सीमाओं को पुनर्परिभाषित करने की कोशिश कर रहा है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(क) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। लेकिन यही संविधान अनुच्छेद 19(2) के माध्यम से यह भी स्पष्ट करता है कि यह स्वतंत्रता पूर्णतः निरंकुश नहीं है। सार्वजनिक व्यवस्था, शिष्टाचार, नैतिकता, मानहानि, न्यायालय की अवमानना और राष्ट्र की सुरक्षा जैसे आधारों पर इस स्वतंत्रता पर युक्तिसंगत प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। अर्थात संविधान स्वयं यह स्वीकार करता है कि स्वतंत्रता और जिम्मेदारी साथ-साथ चलती हैं।

किसी भी लोकतंत्र में विरोध का अधिकार आवश्यक है। सरकार की आलोचना, नीतियों पर प्रश्न और असहमति लोकतांत्रिक व्यवस्था की शक्ति हैं। लेकिन यदि विरोध की भाषा समाज में घृणा, अश्लीलता या हिंसक मानसिकता को बढ़ावा देने लगे तो उसका मूल्यांकन केवल 'स्वतंत्र अभिव्यक्ति' के आधार पर नहीं किया जा सकता। सार्वजनिक जीवन में प्रयुक्त भाषा समाज की संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों पर भी प्रभाव डालती है।

यह भी विचारणीय है कि यदि कोई पुरुष सार्वजनिक मंच से उसी प्रकार की भाषा का प्रयोग करे, तो क्या समाज और कानून की प्रतिक्रिया वही होगी जो किसी महिला के मामले में होती है? यदि उत्तर 'नहीं' है, तो यह समानता के सिद्धांत के अनुरूप नहीं माना जा सकता। समान अधिकारों का अर्थ समान उत्तरदायित्व भी है। यदि कानून किसी पुरुष द्वारा की गई अश्लील या आपत्तिजनक अभिव्यक्ति पर कार्रवाई करता है, तो वही मानक महिलाओं पर भी लागू होना चाहिए। इसी प्रकार यदि किसी महिला के विरुद्ध अनुचित भाषा स्वीकार्य नहीं है, तो पुरुषों के विरुद्ध भी वैसी भाषा को सामान्य नहीं बनाया जाना चाहिए।

आज सामाजिक विमर्श में एक चिंता यह भी है कि कभी-कभी वैचारिक प्रतिबद्धताएँ निष्पक्षता पर भारी पड़ जाती हैं। और महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय वास्तविक सामाजिक प्रश्न हैं। इनके विरुद्ध संघर्ष भी आवश्यक है। लेकिन यह संघर्ष यदि गरिमा, तर्क और संवैधानिक मर्यादा के साथ चले तो उसका नैतिक बल अधिक होता है। अश्लील भाषा या अपमानजनक व्यवहार को केवल इसलिए उचित नहीं ठहराया जा सकता कि उसका उद्देश्य किसी व्यवस्था का विरोध है। उद्देश्य जितना महत्वपूर्ण है, साधन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

सोशल मीडिया के दौर में उत्तेजक भाषा तुरंत वायरल हो जाती है। इससे कई बार ऐसा भ्रम पैदा होता है कि जितनी अधिक आक्रामक या विवादास्पद अभिव्यक्ति होगी, उतनी ही प्रभावी मानी जाएगी। जबकि लोकतंत्र का वास्तविक सौंदर्य विचारों की शक्ति में है, न कि शब्दों की कटुता में। इतिहास बताता है कि स्थायी परिवर्तन तर्क, संवाद और नैतिक साहस से आते हैं, केवल उत्तेजना से नहीं।

कानून के समक्ष सभी नागरिक समान हैं। यही भारतीय गणराज्य की मूल भावना है। इसलिए यदि सार्वजनिक स्थानों पर अभद्र भाषा, अश्लील प्रदर्शन या किसी वर्ग के प्रति अपमानजनक वक्तव्य कानून के दायरे में अपराध की श्रेणी में आते हैं, तो उनका आकलन व्यक्ति की पहचान देखकर नहीं, बल्कि उसके आचरण के आधार पर होना चाहिए। समानता का अर्थ विशेष छूट नहीं, बल्कि समान मानदंड है।

यदि किसी घटना का मूल्यांकन व्यक्ति के विचार, राजनीतिक झुकाव या लिंग के आधार पर किया जाएगा, तो न्याय और समानता दोनों प्रभावित होंगे। किसी भी पक्ष का अंध-समर्थन लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है। व्यक्ति नहीं, व्यवहार और सिद्धांत मूल्यांकन का आधार होने चाहिए।

पितृसत्ता, लैंगिक असमानता

यह भी आवश्यक है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और घृणास्पद या अश्लील भाषण के बीच स्पष्ट सामाजिक और कानूनी समझ विकसित हो। न्यायालय समय-समय पर यह कह चुके हैं कि असहमति लोकतंत्र का आधार है, लेकिन यह असहमति हिंसा, घृणा या सार्वजनिक शिष्टाचार के उल्लंघन का माध्यम नहीं बन सकती। अतः यदि कानूनों में कहीं अस्पष्टता है, तो उस पर व्यापक सार्वजनिक विमर्श और आवश्यक कानूनी सुधार किए जा सकते हैं, ताकि नागरिकों को स्पष्ट दिशा मिल सके।

समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। क्या हम अपने बच्चों को यह सिखाना चाहते हैं कि साहस का अर्थ मर्यादा छोड़ देना है? क्या निर्भीकता का अर्थ भाषा की गरिमा समाप्त कर देना है? या फिर वास्तविक साहस वह है जो कटु परिस्थितियों में भी अपने विचारों को संयम, स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रख सके?

लोकतंत्र में असहमति का सम्मान होना चाहिए, परंतु सार्वजनिक जीवन की गरिमा भी उतनी ही आवश्यक है। यदि हम समानता की बात करते हैं तो समान उत्तरदायित्व भी स्वीकार करना होगा। कानून का व्यवहार व्यक्ति के लिंग, विचारधारा या सामाजिक पहचान के अनुसार नहीं, बल्कि उसके कृत्य के अनुसार होना चाहिए। यही संविधान की भावना है और यही न्याय का आधार भी।

अंततः प्रश्न केवल जंतर-मंतर की किसी एक घटना का नहीं है। प्रश्न यह है कि हम आने वाले भारत की सार्वजनिक संस्कृति कैसी बनाना चाहते हैं। ऐसा भारत जहाँ अभिव्यक्ति स्वतंत्र हो, पर जिम्मेदार भी; जहाँ विरोध निर्भीक हो, पर मर्यादित भी; और जहाँ समानता का अर्थ सभी के लिए समान अधिकारों के साथ समान दायित्व भी हो। यही लोकतंत्र की परिपक्वता है और यही संविधान की वास्तविक आत्मा।

छवि खराब करने की सियासत से बदनाम होता है लोकतंत्र

रमेश तिवारी 'रिपु'

'लोकतंत्र में किसी आंदोलन को बदनाम करने का सबसे आसान तरीका उसकी छवि पर हमला करना है, और किसी सरकार को कठघरे में खड़ा करने का सबसे प्रभावी तरीका तथ्यों और प्रमाणों के साथ सवाल पूछना है। दोनों पक्ष जब मर्यादा छोड़ देते हैं, तो सबसे बड़ी हार लोकतांत्रिक संवाद की होती है।

जंतर-मंतर का छात्र आंदोलन केवल अपनी मांगों को लेकर नहीं, बल्कि उसके बाद पैदा हुए राजनीतिक और सामाजिक विमर्श को लेकर भी चर्चा का विषय बन गया। पुलिस की कार्रवाई, आंदोलनकारियों की प्रतिक्रिया, सोशल मीडिया पर चलाए गए अभियान और नेताओं के बयान इन सभी ने मिलकर बहस को मूल मुद्दों से हटाकर एक-दूसरे की छवि खराब करने की राजनीति तक पहुँचा दिया।

छवि की लड़ाइयाँ चुनाव जितवा सकती हैं, लेकिन इतिहास नहीं लिखतीं। इतिहास अंततः उन्हीं के पक्ष में खड़ा होता है जिनके पास तथ्य, संयम और नैतिक साहस होता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत विरोध नहीं, बल्कि गरिमा के साथ किया गया विरोध और जवाबदेही के साथ किया गया शासन है।

आंदोलन के शुरुआती चरण में छात्रों का गुस्सा मुख्यतः सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के प्रति दिखाई देता था। लेकिन पुलिस की कठोर कार्रवाई के बाद आंदोलन की भाषा भी बदलती चली गई। कई नारों में अशोभनीय और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग होने लगा। लोकतांत्रिक विरोध का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसकी भाषा और मर्यादा भी है। यह भी सच है कि भारतीय राजनीति में तीखी और व्यक्तिगत टिप्पणियाँ कोई नई बात नहीं हैं। विभिन्न दलों के नेताओं ने समय-समय पर ऐसे शब्दों का प्रयोग किया है, जिन पर सार्वजनिक बहस हुई। इसलिए यदि आज आंदोलनकारी भी उसी शैली की

भाषा अपनाते हैं, तो यह लोकतांत्रिक संवाद के स्तर में आई गिरावट का संकेत माना जाना चाहिए, न कि किसी एक पक्ष की समस्या।

पुलिस और सरकार ने आंदोलन के दौरान कई सोशल मीडिया खातों पर फर्जी सामग्री फैलाने तथा विदेशी तत्वों, विशेषकर पाकिस्तान से जुड़े कुछ हैंडल सक्रिय होने का दावा किया। यदि ऐसे दावे हैं, तो उनकी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होना आवश्यक है। केवल आरोप लगा देना पर्याप्त नहीं होता; लोकतंत्र में हर दावे की विश्वसनीयता उसके प्रमाणों से तय होती है।

आंदोलन से जुड़े पक्षों का तर्क अलग है। कुछ संगठनों और कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति पर पहले से आपराधिक मामले लंबित हैं, तो केवल उसी आधार पर उसे शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

सबसे अधिक विवाद पुलिस कार्रवाई को लेकर हुआ। सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक वीडियो प्रसारित हुए जिनमें छात्रों और विशेषकर छात्राओं के साथ बल प्रयोग के आरोप लगाए गए। दूसरी ओर, पुलिस ने अपने सैकड़ों कर्मियों के घायल होने की बात कही।

बोध कथा

अति वाचालता का दुष्परिणाम

एक राजा बहुत अधिक बोलता था। उसका मंत्री विद्वान और शुभ चिंतक था। इसलिए सोचता रहता था कि राजा को कैसे इस दोष से मुक्त करुं और वह ज्ञान दू जो कि मनुष्य के हृदय में बहुत गहराई से उतरकर उसके स्वभाव का अंग बन जाता है। मंत्री उचित अवसर की तलाश में था कि राजा को अपने इस दोष का आभास हो और उसके द्वारा होने वाली हानि को समझकर निकल जाए। एक दिन राजा मंत्री के साथ उद्यान में घूमते हुए एक शिला पर बैठ गया। शिला के ऊपर आम के पेड़ पर कौवे का एक घोंसला था। उसमें काली कोयल अपना अण्डा रख गई। कोयल अपना घोंसला नहीं बनाती, वरन कौवे के घोंसले में ही अंडा रख देती है। कौवी उस अंडे को अपना समझकर पालती रहती है। आगे चलकर उसमें से कोयल का बच्चा निकला। कौवी उसे अपना पुत्र समझकर पालती थी। कोयल के बच्चे ने असमय जबकि उसके पर भी नहीं निकले थे, कोयल की आवाज की। कौवी ने सोचा- यह अभी विचित्र आवाज करता है, बड़ा होने पर क्या करेगा?' कौवी ने चोंच से मार-मारकर उसकी हत्या कर दी और घोंसले से नीचे गिरा दिया। राजा जहां बैठा था, वह बच्चा वहीं उसके पैरों के पास गिरा। राजा ने मंत्री से पूछा-मित्र ! यह क्या है? मंत्री को राजा की भूल बताने का यह अवसर मिल गया। मंत्री ने कहा- महाराज! अति वाचाल (बहुत बोलने वालों) की यही गति होती है। पूछने पर मंत्री ने पूरी बात राजा को समझाकर बताई कि कैसे यह बच्चा असमय आवाज करने से नीचे गिरा और मृत्यु को प्राप्त हुआ। यदि यह चुप रहता तो यथा समय घोंसले से उड़ जाता। इतना कहकर मंत्री ने राजा को मौका देखकर उसकी वाचालता दूर करने के लिए प्रत्यक्ष उदाहरण बताकर नीति बताई। चाहे मनुष्य हो, पशु-पक्षी असमय अधिक बोलने से इसी तरह दुःख भोगते हैं।

तीर तेवर

सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

'नेशलिज्म अवार्ड' होना चाहिए

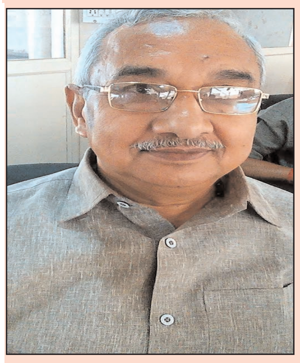

वीरेंद्र बहादुर सिंह

बताइए, किस नेता के नाम पर बेस्ट एक्टिंग अवॉर्ड शुरू करना है? बॉलीवुड के कलाकारों, निर्देशकों, लेखकों और निर्माताओं का एक प्रतिनिधिमंडल मिलने आने वाला है, यह खबर मिलते ही सरकारी विभाग में अफरातफरी मच गई। महिला अधिकारी तो दफ्तर पहुंचने से पहले ही ब्यूटीपार्लर से सज-धजकर आ गईं। दो-चार अधिकारी विग पहनकर आए। हालांकि दफ्तर में पहुंचते ही बॉस ने सबको डांट लगाई, 'यह क्या तमाशा लगा रखा है? ये बालीवुड वाले किसी अगली फिल्म में तुम्हें कास्ट करने नहीं आ रहे हैं। वे तो अपनी मांगें लेकर आने वाले हैं। हम प्रशासन हैं। उन्हें हमारे इशारों पर चलना चाहिए, हमें उनके आगे लोटने-पोटने की ज़रूरत नहीं है।'

जो अधिकारी किसी फिल्म में एक्स्ट्रा कलाकार का भी रोल मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे, उनमें निराशा की लहर दौड़ गई। तभी बालीवुड का प्रतिनिधिमंडल आ पहुंचा। बॉस खुद खुशी से झूमते हुए उनके स्वागत के लिए दौड़े, 'वेलकम... वेलकम...। आपको हमारी आफिस तक आने की क्या जरूरत थी? कह देते, तो मैं खुद ही आपके यहां चला आता।'

इतना कहते-कहते बॉस खुद ही शर्मिंदा हो गए।

अभिनेता: 'सर, आपने हमें पुरस्कार के योग्य समझा, इसलिए हम सब आपका धन्यवाद करने आए हैं।'

बॉस: 'अरे, इसमें धन्यवाद कैसा? अब तो सरकार और बालीवुड, दोनों एक ही हैं। आप तो हमारे ही हैं। हम जैसे बुलाएं, गवाएं, नहाएं, लिखवाएं, वैसा ही आप सब करते हैं। फिर घर की ही बात में धन्यवाद किस बात का?'

निर्देशक: 'सर, यह तो आपकी विनम्रता है। इसलिए हम भी अत्यंत विनम्र होकर यह जानने आए हैं कि आपकी कोई और विशेष हिदायत हो तो बता दीजिए।

बॉस: 'बस, इतना ही कहना था कि आपकी फिल्मों की तरह हमारी हिदायतों का पालन करते समय ओवरएक्टिंग मत कर बैठना। जनता को यह नहीं लगना चाहिए कि असली प्रोड्यूसर और डायरेक्टर हम हैं और आप तो सिर्फ अभिनेता।'

हीरोइन: 'ओह सर, हम तो एक अनुरोध लेकर आए हैं। अब जब हमारी, यानी मेरी और आपकी नहीं, बल्कि बालीवुड और सरकार की प्रेमकहानी सबको पता चल ही गई है, तो क्यों न राष्ट्रीय पुरस्कार (नेशनल अवार्ड) का नाम बदलकर 'नेशनलिज्म अवार्ड' कर दिया जाए? इतने समय से राष्ट्रवादी अभिनेता हों, राष्ट्रवाद पर आधारित फिल्में हों और सोशल मीडिया पर भी जो कलाकार और निर्देशक राष्ट्रवादी पोस्ट करते हों, उन्हें ही पुरस्कार मिलते हैं। इसलिए पुरस्कार का नाम भी 'नेशनलिज्म अवार्ड' ही होना चाहिए।'

'हैं...? नाम बदलने का काम तो...' बॉस की आवाज मानो डबिंग के बीच अटक गई।

तभी वह अभिनेता आगे आया और बोला, 'सर, 'बेस्ट नेशनलिस्ट डायरेक्टर', 'बेस्ट नेशनलिस्ट फिल्म' और 'बेस्ट नेशनलिस्ट स्टोरी' जैसे पुरस्कारों के नाम तो रख ही दीजिए, लेकिन बेस्ट एक्टिंग का पुरस्कार हमारे लोकप्रिय नेता जी के नाम पर ही रखिए। बोलिए, रखेंगे न?'

'कट... कट... पैक-अप... पैक-अप...! 'जेड-436ए, सेक्टर-12,

नोएडा-201301 (उ.प्र.)
मो- 8368681336

इतिहास

31 जुलाई के इतिहास में भारत-नेपाल शांति संधि, महात्मा गांधी द्वारा साबरमती आश्रम छोड़ना, और MTV चैनल की शुरुआत जैसी प्रमुख घटनाएं दर्ज हैं।

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं1950: भारत और नेपाल के बीच शांति और मैत्री संधि पर हस्ताक्षर हुए।1933: महात्मा गांधी ने ऐतिहासिक साबरमती आश्रम हमेशा के लिए छोड़ा।1981: अमेरिका में एमटीवी (MTV) चैनल की शुरुआत हुई और पहला प्रसारित होने वाला वीडियो 'वीडियो किल्ड द रेडियो स्टार' था।

35 दिन में 143 छापे, 113 प्रकरण दर्ज, 145.81 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। कबीरधाम जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने बीते 35 दिनों में लगातार अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। 25 जून से 29 जुलाई 2026 तक जिलेभर में की गई छापामार कार्रवाई के दौरान 143 स्थानों पर दबिश देकर 113 प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई में 145.81 बल्क लीटर अवैध शराब और अवैध परिवहन में प्रयुक्त तीन दोपहिया वाहन जब्त किए गए हैं।

आबकारी विभाग के अनुसार विशेष अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए कार्रवाई की गई। दर्ज 113 प्रकरणों में छह गैर-जमानतीय प्रकरण शामिल हैं, जबकि दो मामले मध्यप्रदेश से लाई गई शराब से संबंधित पाए गए। विभाग का कहना है कि अभियान के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों पर भी विशेष नजर रखी गई, जिससे दूसरे राज्य से लाई जा रही अवैध शराब की खेप पकड़ने में सफलता मिली।

कार्रवाई के दौरान कुल 145.81 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई। इसमें 124.05 बल्क लीटर देशी शराब, 9.76 बल्क लीटर विदेशी शराब तथा 12 बल्क लीटर कच्ची महुआ शराब शामिल है। इसके अलावा जब्त शराब में 13.54 बल्क लीटर मध्यप्रदेश निर्मित मदिरा भी शामिल है, जिसे अवैध रूप से कबीरधाम जिले में लाया जा रहा था।

आबकारी विभाग ने अवैध शराब के परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे तीन दोपहिया वाहनों को भी जब्त किया है। जब्त शराब, वाहनों और अन्य सामग्री का कुल अनुमानित बाजार मूल्य 1 लाख 60 हजार 521 रुपये आंका गया है। विभाग का मानना है कि लगातार की जा रही कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों पर प्रभावी दबाव बना है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार अभियान केवल छापेमारी तक सीमित नहीं है, बल्कि संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। सीमावर्ती इलाकों, ग्रामीण क्षेत्रों और संभावित तस्करी मार्गों पर विशेष नजर रखकर अवैध शराब के निर्माण और परिवहन को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान प्राप्त सूचनाओं के आधार पर भी त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार को किसी भी स्थिति में बढ़ावा नहीं मिलने दिया जाएगा। इसके लिए आगे भी नियमित रूप से विशेष अभियान जारी रहेगा और अवैध शराब के निर्माण, परिवहन तथा विक्रय में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि कहीं अवैध शराब के निर्माण, बिक्री या परिवहन की जानकारी मिले तो उसकी सूचना तत्काल आबकारी विभाग अथवा जिला प्रशासन को दें। नागरिकों की सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। लगातार चल रहे इस अभियान को जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

कलेक्टर संजय अग्रवाल का जिला अस्पताल में औचक निरीक्षण

सरकारी अस्पताल में संसाधनों की कमी नहीं

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। लगभग डेढ़ घंटे तक चले निरीक्षण में उन्होंने ओपीडी, विभिन्न वार्डों, डायलिसिस यूनिट, धनवंतरी मेडिकल स्टोर, नशा मुक्ति केंद्र, जिला पुनर्वास केंद्र, किचन तथा निर्माणाधीन मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर का निरीक्षण किया। मरीजों से सीधे संवाद कर उपचार की जानकारी ली और चिकित्सकों को सेवा की गुणवत्ता एवं मानवीय व्यवहार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सुबह लगभग सवा दस बजे तक तीन-चार चिकित्सक अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने तत्काल उनसे दूरभाष पर संपर्क कर अनुपस्थिति का कारण पूछा और भविष्य में समय पर उपस्थित रहने की कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार और सम्मानजनक व्यवहार मिलना चाहिए। विभिन्न ओपीडी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपलब्ध संसाधनों के बावजूद अपेक्षाकृत कम मरीजों के जिला अस्पताल पहुंचने पर चिंता व्यक्त की। विशेष रूप से नेत्र एवं दंत रोग विभाग में प्रतिदिन केवल 30 से 35 मरीज आने की जानकारी मिलने पर उन्होंने दोनों विभागों को स्कूलों एवं महाविद्यालयों में विशेष जांच शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के निर्देश दिए।

वार्ड निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने भर्ती मरीजों से आत्मीयता से चर्चा की। आपातकालीन वार्ड में भर्ती एक बुजुर्ग महिला का हालचाल पूछते हुए उन्होंने कहा, 'अम्मा, कैसे हो... सब ठीक हो जाएगा।' कलेक्टर के आत्मीय व्यवहार से महिला भावुक हो गई और उसने अस्पताल में मिल रहे उपचार पर संतोष व्यक्त किया। कलेक्टर ने चिकित्सकों से कहा कि निजी अस्पतालों की तुलना में जिला अस्पताल में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। आवश्यकता केवल इन संसाधनों का बेहतर उपयोग कर मरीजों का विश्वास जीतने की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मरीज संतुष्ट होकर अस्पताल से लौटे, यही सभी का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का अधिकतम लाभ पात्र मरीजों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। जिन मरीजों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके कार्ड खाद्य विभाग के समन्वय से तत्काल बनवाने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में लगभग 30 मरीजों का उपचार आयुष्मान योजना के माध्यम से किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बस चालक पर धारदार हथियार से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार, कुरूद पुलिस ने भेजा जेल

विश्व केसरी

धमतरी (पवन तिवारी)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धमतरी एवं एसडीओपी कुरूद के मार्गदर्शन में थाना कुरूद पुलिस ने बस चालक पर हुए चाकूबाजी के मामले में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।प्रकरण के अनुसार 28 जुलाई 2026 को लगभग दोपहर 3:15 बजे ए.जे. इंग्लिश स्कूल कुरूद की स्कूल बस बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही थी। इसी दौरान सुनीलम सिनेमा के पास सार्वजनिक शौचालय के सामने मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों ने बस को रोककर चालक से पुरानी रंजिश को लेकर विवाद किया। आरोपियों ने अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी तथा धारदार हथियार से हमला कर चालक को घायल कर दिया। घटना की सूचना पर तत्काल थाना कुरूद में अपराध क्रमांक 228/2026 धारा 296, 115(2), 351(2), 126(2), 118(1), 3(5) बीएनएस एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण, साक्ष्य संकलन एवं गवाहों के कथन के आधार पर आरोपी रोहन साहू पिता सुरेन्द्र साहू, उम्र 21 वर्ष, निवासी मोंगरा थाना कुरूद, हाल पता अमृत विहार कॉलोनी कुरूद को विधिवत गिरफ्तार किया।

लाल टंकी के मकान पर देह व्यापार का खुलासा!

विश्व केसरी

रायगढ़। रायगढ़ के लाल टंकी इलाके में कथित देह व्यापार की सूचना पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। साइबर सेल और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने एक मकान पर छापा मारकर एक महिला को हिरासत में लिया, जबकि मौके से दो युवतियां भी मिली हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है। पुलिस को लंबे समय से इस मकान में कथित देह व्यापार चलने की सूचना मिल रही थी। छापेमारी के दौरान कुछ संदिग्ध सामग्री मिलने की भी चर्चा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। हिरासत में ली गई महिला और दोनों युवतियों से पूछताछ जारी है। पुलिस मोबाइल, दस्तावेज और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद पूरे मामले का खुलासा किया।

कलेक्टर ने सुहेला में स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने गुरुवार को सुहेला में आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने सुपोषित बचपन अभियान के तहत कुपोषित बच्चों को लड्डू वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने,बच्चों के भाषा विकास एवं साफ़ सफाई पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश कार्यकर्ता एवं सहायिका को दिये। कलेक्टर शर्मा ने कहा क्रि कुपोषण मुक्ति के लिये जिला प्रशासन द्वारा सुपोषित बचपन अभियान चलाया जा रहा है जिसमें गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों को सप्ताह में 6 दिन एक -एक पौष्टिक लड्डू खिलाया जा रहा है।

बिना लाइसेंस के चल रहे सहयोग ब्लड सेंटर सारंगढ़ पर कार्रवाई

विश्व केसरी

सरसींवा (राकेश सोनी)। सीडीएससीआई मुंबई तथा खाद्य एवं औषधी प्रशासन रायगढ़ की संयुक्त जांच टीम ने शिकायत के आधार पर गत बुधवार को सहयोग ब्लड सेंटर, सारंगढ़ में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान टीम ने पाया कि केंद्र में आवश्यक निर्माण लाइसेंस (मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस) के बिना ही ब्लड कंपोनेंट का निर्माण एवं विक्रय किया जा रहा था। प्रथम दृष्टया अनियमितता पाए जाने पर अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित सामग्री को जब्त कर लिया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक औषधी नियंत्रक ने बताया कि जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर संयुक्त टीम ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 एवं नियमावली, 1945 के प्रावधानों के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की। अधिकारियों ने मौके पर उपलब्ध दस्तावेजों एवं अन्य रिकॉर्ड की भी जांच की। कार्रवाई के दौरान संबंधित सामग्री को नियमानुसार जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

जांच के बाद न्यायालय में प्रस्तुत होगा मामला

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद संपूर्ण प्रकरण आवश्यक दस्तावेजों एवं साक्ष्यों के साथ माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। यदि जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित प्रावधानों के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर प्रशासन सख्त

जिला प्रशासन ने कहा है कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा। जिले में संचालित स्वास्थ्य संस्थानों, ब्लड सेंटरों एवं औषधि प्रतिष्ठानों की नियमित निगरानी जारी रहेगी तथा शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिला स्तरीय शालेय रग्बी प्रतियोगिता में महासमुंद का दबदबा, सभी वर्गों में बना विजेता

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। जिला स्तरीय शालेय रग्बी प्रतियोगिता का आयोजन 29 जुलाई को तुमगांव में किया गया। प्रतियोगिता में महासमुंद, बसना और बागबाहरा विकासखंड के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में 14, 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आयोजन के संयोजक एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोरिंग के व्यायाम शिक्षक डॉ. सुनील कुमार भोई ने बताया कि प्रतियोगिता के समापन अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग, महासमुंद के खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान खेल अधिकारी ने खिलाड़ियों को आगामी खेल आयोजनों, नेशनल ट्राइबल गेम्स-2026, वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पोर्ट्स, अस्मिता लीग, खेल अलंकरण एवं उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना सहित शासन की विभिन्न खेल योजनाओं और आगामी तैयारियों की जानकारी दी। इसके साथ ही जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान करने तथा खिलाड़ियों को विभागीय एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के संबंध में भी जानकारी साझा की गई। प्रतियोगिता में महासमुंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी वर्गों में विजेता बनने का गौरव हासिल किया। 14 वर्ष बालिका वर्ग में महासमुंद ने प्रथम, बागबाहरा ने द्वितीय और बसना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों में सेजेस तुमगांव, भोरिंग, तुसदा, भंवरपुर, छपोराडीह और मुरेना के खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं 17 एवं 19 वर्ष बालक वर्ग के लिए पब्लिक स्कूल तुमगांव, सेजेस हिंदी महासमुंद, सेजेस तुमगांव, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तुसदा और द न्यू होली फेथ स्कूल महासमुंद के खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

सिमगा में खण्ड स्तरीय बैंकर्स मीटिंग का आयोजन, युवाओं को कौशल विकास से जोड़ने पर जोर

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति की मासिक बैठक गुरुवार को जनपद पंचायत सिमगा के सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ। अग्रणी जिला प्रबंधक शिव कुमार कंवर ने भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बलौदाबाजार जो डीपीआरसी भवन बलौदाबाजार में संचालित है जिसके बारे में जिले की बेरोजगार युवा एवं युवतियों को कौशल विकास के माध्यम से स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी प्रदान किया गया।

बैठक में मुख्यत: शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा हुई, जिसमें मुख्य रूप से प्रधामनंत्री जी की अतिमहत्वकांक्षी योजना पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के साथ स्व सहायता समूह लिंकेज एवं ऋण वितरण, एनआरएलएम योजना, कृषको को दिए जाने वाले ऋण किसान क्रेडिट कार्ड,डेयरी व्यवसाय, मछली पालन,पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा, मुद्रा लोन,अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना इत्यादि पर भी चर्चा हुई।

सभी बैंकों को निर्देशित किये कि शासकीय योजना के पुराने खातें जिसमें लेनदेन नहीं हो रहे हैं ऐसे डीफ खातें केवायसी लेकर संचालन में लाएं अथवा खाता बंद कर राशि अन्य शासकीय योजना के खातों में जिला कोषांलय अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर स्थानांतरित करें।डिज़िटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए वित्तीय साक्षरता पर जोर दिया गया।

मां महामाया मंदिर में सावनभर होगा रुद्राभिषेक, शिव भक्ति में सराबोर हुआ शहर

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। धर्मनगरी महासमुंद में पवित्र श्रावण मास के अवसर पर इन दिनों भक्ति और आस्था का वातावरण बना हुआ है। नगर की आराध्य देवी मां महामाया मंदिर में पूरे सावन महीने भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष रुद्राभिषेक अनुष्ठान किया जा रहा है। यजमान सीतादेवी साहू, मनोजकांत साहू एवं नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू परिवार द्वारा प्रतिदिन विधि-विधान और श्रद्धा के साथ यह धार्मिक आयोजन संपन्न कराया जा रहा है।

पुरोहित पंडित पंकज तिवारी के आचार्यत्व में रुद्राभिषेक का पूजन वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक परंपराओं के अनुरूप किया जा रहा है। यजमान परिवार प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 11 बजे तक पूजा-अर्चना में शामिल होकर नगरवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर रहा है।

नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने बताया कि सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को समर्पित माना जाता है। इसी धार्मिक भावना के साथ इस वर्ष पूरे श्रावण मास में नियमित रुद्राभिषेक कराने का संकल्प लिया गया है।

मां महामाया मंदिर में महीनेभर से चल रहे इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरे शहर में आध्यात्मिक और भक्तिमय माहौल बना हुआ है। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर मां महामाया के दर्शन करने के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

फरार आरोपी की सूचना देने पर मिलेगा ईनाम

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस चौकी बेलगहना (थाना कोटा) में दर्ज अपराध के फरार आरोपी की सूचना देने वालों के लिए 5 हजार रूपये के ईनाम की घोषणा की गई है। पुलिस चौकी बेलगहना में दर्ज अपराध के आरोपी शुभम पटनायक, पिता रंजन पटनायक, उम्र 25 वर्ष, निवासी पैलेस लाईन इंदिरानगर, थाना टाऊन बलांगीर (ओडिसा) के संबंध में सूचना देने वाले व्यक्ति को 5 हजार रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा एवं पुरस्कार वितरण के संबंध में पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला बिलासपुर का निर्णय अंतिम होगा। इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बिलासपुर 07752-223330, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण बिलासपुर 9479193003, पुलिस नियंत्रण कक्ष, बिलासपुर 07758-228504, मो.नं. 9479193099, चौकी प्रभारी बेलगहना मो.नं. 9981752608 पर संपर्क किया जा सकता है।

लगातार तीसरे सत्र में हरे निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 166 अंक उछला

विश्व केसरी ■

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। यह लगातार तीसरा कारोबारी सत्र है जब घरेलू बाजार में तेजी देखने को मिली है।

सेंसेक्स 166.49 अंक यानी 0.21 प्रतिशत बढ़कर 78,094.64 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी50 66.45 अंक यानी 0.27 प्रतिशत उछलकर 24,383.60 पर बंद हुआ।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप दोनों 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

`क्टरवार देखें तो, इसका प्रदर्शन कुल मिलाकर सकारात्मक रहा, जिसमें निफ्टी मीडिया 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा। इसके बाद निफ्टी ऑटो (1.64 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (1 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (0.72 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (0.47 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (0.33 प्रतिशत) और निफ्टी रियल्टी (0.22 प्रतिशत) का स्थान रहा। वहीं, निफ्टी आईटी में 1.56 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बन गया। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी में 1.05 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक चिप शेयरों में उछाल के चलते निफ्टी आईटी की पांच दिन की लगातार बढ़त का सिलसिला टूट गया।

निफ्टी 50 इंडेक्स में, बजाज फाइनेंस (8.3 प्रतिशत), बजाज फिनसर्व (6.3 प्रतिशत), जियो फाइनेंशियल (3.7 प्रतिशत) और एमएंडएम (3.3 प्रतिशत) के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा, श्रीराम फाइनेंस, टीएमपीवी, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील और एचडीएफसी लाइफ के शेयरों में भी 1 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली, जबकि इसके विपरीत टीसीएस, इटरनल, इंफोसिस, मैक्स हेल्थकेयर, आईटीसी और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सत्र के 483 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 486 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों को एक ही सत्र में लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ।

सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों में जुलाई में 2 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे लगातार दूसरे महीने बढ़त जारी रही। हालांकि, साल की शुरुआत से अब तक निफ्टी में 7 प्रतिशत की गिरावट आई है, और 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

सोना और चांदी गिरावट के साथ खुले, आधा प्रतिशत से अधिक लुढ़के दाम

विश्व केसरी ■

मुंबई । सोने और चांदी शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब आधा प्रतिशत तक फिसल गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,43,232 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,42,929 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

फिलहाल 9:50 पर यह 0.58 प्रतिशत या 832 रुपए की कमजोरी के साथ 1,42,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,42,253 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,42,929 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ।

सोने के साथ चांदी में भी कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा है।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,19,967 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,18,769 रुपए प्रति किलो पर खुला।

फिलहाल यह 1,057 रुपए या 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,18,910 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,18,538 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,967 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है। सोना 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,076 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58 डॉलर प्रति औंस पर था।

जानकारों ने कहा कि फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कोई बदलाव न करने के बाद सोने की ट्रेडिंग एक सीमित दायरे में हो रही है। हालांकि, पॉलिसी स्टेटमेंट में सख्त रुख अपनाया गया और तीन एफओएमसी सदस्यों ने ब्याज दरें बढ़ाने के पक्ष में वोट दिया। भले ही दरों को जस का तस रखा गया, लेकिन फेड ने भविष्य के पॉलिसी कदमों के समय के बारे में कोई साफ संकेत नहीं दिया, जिससे निवेशक वेट और वॉच का नजरिया अपना रहे हैं।

बिना एथेनॉल मिश्रण के पेट्रोल की कीमत 125 रुपए प्रति लीटर तक जा सकती है: केंद्र

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि मध्य पूर्व तनाव के समय बिना एथेनॉल मिश्रण के पेट्रोल की कीमत 125 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकती थी। साथ ही, कहा कि इससे ग्राहकों को 30 रुपए प्रति लीटर तक की बचत करने में मदद मिली है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, जब संकट के दौरान भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत लगभग 135 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, तो अनुमान लगाया गया था कि राष्ट्रीय राजधानी में बिना एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की खुदरा कीमत लगभग 125 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकती थी।

हालांकि, उपभोक्ताओं ने 94.77 रुपए प्रति लीटर का भुगतान किया क्योंकि हर लीटर में 20 प्रतिशत हिस्सा देश में बने एथेनॉल का था, जिसे पहले से तय स्थिर कीमतों पर खरीदा गया था।

मंत्रालय ने कहा कि इस बचत से पता चलता है कि एथेनॉल ब्लेंडिंग भारत की एनर्जी सिक्योरिटी को मजबूत करने में कितनी अहम भूमिका निभाती है। इससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होती है और देश के ईंधन खर्च का एक बड़ा हिस्सा घरेलू अर्थव्यवस्था में ही बना रहता है। मंत्रालय ने कहा कि एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल प्रोग्राम फूड सिक्योरिटी, किसानों के कल्याण और एनर्जी सिक्योरिटी के बीच संतुलन बनाता है। खाद्य सुरक्षा से जुड़ी सभी जरूरतों को पूरा करने के बाद, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा प्रमाणित अतिरिक्त अनाज को ही एथेनॉल उत्पादन के लिए मंजूरी दी जाती है।

सरकार ने यह भी कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, कल्याणकारी योजनाओं और अनिवार्य बफर स्टॉक की जरूरतों के तहत खरीदे गए अनाज का इस्तेमाल एथेनॉल उत्पादन के लिए तब तक नहीं किया जाता, जब तक कि खाद्य सुरक्षा की जरूरतें पूरी न हो जाएं।

इस प्रोग्राम के तहत खराब अनाज, टूटे हुए चावल और इंसानों के खाने के लायक न रहने वाले अनाज का इस्तेमाल किया जाता है।

मंत्रालय के अनुसार, एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल प्रोग्राम ने कच्चे तेल के आयात को कम करके भारत को विदेशी मुद्रा में 1.97 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत करने में मदद की है, साथ ही 950 लाख मीट्रिक टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को भी कम किया है।

पीएम-किसान योजना को वित्त वर्ष 2027 से 2031 तक जारी रखने को दी मंजूरी, किसानों पर खर्च होंगे 3.15 लाख करोड़ रुपए

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इस अवधि के लिए सरकार ने 3.15 लाख करोड़ रुपए के वित्तीय प्रावधान को स्वीकृति दी है। सरकार का कहना है कि यह फैसला किसानों की आय बढ़ाने, कृषि निवेश को मजबूत करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एक आधिकारिक बयान में सरकार ने बताया कि इस योजना ने तकनीक-आधारित किसान कल्याण का एक सफल मॉडल स्थापित किया है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है।

फरवरी 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को हर वर्ष 6,000 रुपए की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है। यह पूरी प्रक्रिया डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), आधार प्रमाणीकरण और डिजिटल सत्यापन के जरिए पारदर्शी तरीके से संचालित की जाती है।

सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पीएम-किसान योजना के तहत अब तक 23 किस्तों के माध्यम से 4.47 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है।

योजना की 23वीं किस्त के तहत 9.49 करोड़ से अधिक किसानों को 18,984 करोड़ रुपए जारी किए गए। वहीं, कोविड-19 महामारी के दौरान किसानों को राहत देने के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सहायता प्रदान की गई।

पीएम-किसान योजना का लाभ महिला किसानों तक भी बड़े पैमाने पर पहुंचा है। अब तक 1.06 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि महिला किसानों को दी जा चुकी है। सरकार के अनुसार, योजना के कुल लाभार्थियों में लगभग हर चौथा लाभार्थी महिला किसान है।

सरकार का कहना है कि पीएम-किसान के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से किसानों को समय पर बीज, उर्वरक, सिंचाई, कृषि मशीनरी और अन्य कृषि जरूरतों पर निवेश करने में मदद मिली है। इससे किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ी है, अनौपचारिक कर्ज पर निर्भरता कम हुई है और ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

नीति आयोग के डेवलपमेंट मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन ऑफिस (डीएमईओ) द्वारा किए गए स्वतंत्र मूल्यांकन में भी योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

मुंबई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन जुलाई में 8 प्रतिशत से अधिक बढ़े, 14 वर्षों में सबसे मजबूत प्रदर्शन : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मुंबई में जुलाई 2026 के दौरान 13,617 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8.3 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही यह जुलाई महीने का पिछले 14 वर्षों में सबसे ऊंचा स्तर होगा। यह जानकारी शुक्रवार को जारी नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र सरकार को जुलाई में स्टांप ड्यूटी से 1,223 करोड़ रुपए का राजस्व मिलने की उम्मीद है, जो सालाना आधार पर 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन में यह बढ़ोतरी बताती है कि ऊंचे आधार के बावजूद घर खरीदने वालों की मांग लगातार मजबूत बनी हुई है।

मासिक आधार पर देखें तो जुलाई में स्टांप ड्यूटी से राजस्व संग्रह 13 प्रतिशत बढ़ा, जबकि प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जुलाई 2026 में दर्ज 13,617 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन, जुलाई 2025 के 12,579 रजिस्ट्रेशन के पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ गए।

रिपोर्ट के अनुसार, इसी तरह स्टांप ड्यूटी से राजस्व संग्रह बढ़कर 1,223 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष जुलाई के 1,123 करोड़ रुपए से अधिक है। 2021 से इसमें लगातार बढ़ोतरी का रुझान देखा जा रहा है।

नाइट फ्रैंक इंडिया के इंटरनेशनल पार्टनर, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि उच्च आधार के बावजूद मुंबई का आवासीय बाजार पिछले 14 वर्षों में जुलाई का सबसे मजबूत प्रदर्शन दर्ज करने में सफल रहा है। उन्होंने कहा, 'यह निरंतर गति अंतिम उपभोक्ताओं की मजबूत मांग और घर खरीदने के प्रति कायम विश्वास को दर्शाती है। वर्ष-दर-वर्ष और मासिक आधार पर लेनदेन की संख्या लगभग स्थिर रही, लेकिन राजस्व में मजबूत वृद्धि हुई, जो उच्च मूल्य वाले घरों की मजबूत मांग का संकेत है।'

उन्होंने आगे कहा कि खरीदार अब अधिक सोच-समझकर निर्णय ले रहे हैं, लेकिन गुणवत्ता वाले आवासीय प्रोजेक्ट्स की मांग अभी भी मजबूत बनी हुई है। शहर की मजबूत आर्थिक बुनियाद, बुनियादी ढांचा विकास और दीर्घकालिक निवेश आकर्षण इस मांग को समर्थन दे रहे हैं।

हाल ही में जारी एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में मुंबई में प्राथमिक और द्वितीयक बाजारों में कुल 80,221 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दर्ज किए गए, जो सालाना आधार पर 6 प्रतिशत अधिक हैं और 2013 के बाद पहली छमाही का सबसे बेहतर प्रदर्शन है।

इन लेनदेन से महाराष्ट्र सरकार का स्टांप ड्यूटी राजस्व 4 प्रतिशत बढ़कर 6,968 करोड़ रुपए हो गया, जो 2013 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है।

आईटीआर जमा करने की आखिरी तारीख आज, करीब 5.5 करोड़ लोगों ने किया दाखिल

विश्व केसरी ■

मुंबई। असेसमेंट ईयर 2026-27 (वित्त वर्ष 2025-26) के लिए आयकर रिटर्न भरने की शुक्रवार को आखिर तारीख है। अब तक देश में करीब 5.5 करोड़ लोग आईटीआर जमा कर चुके हैं।

आयकर विभाग की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, दोपहर 11 बजे (31 जुलाई) तक असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए 5.45 करोड़ लोग आयकर रिटर्न (आईटीआर) जमा कर चुके हैं। इसमें से 5.06 करोड़ आईटीआर को वेरिफाई किया जा चुका है। वहीं, इसमें से 2.33 करोड़ आईटीआर प्रोसेस भी हो चुके हैं।

सरकार की ओर से अभी तक आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। वहीं, आयकर विभाग भी लगातार लोगों से अपील कर रहा है कि वे जल्द से जल्द अपना आईटीआर फाइल करें और आखिरी समय का इंतजार न करें। अगर आप 31 जुलाई तक आयकर रिटर्न नहीं भर पाते हैं और फिर तारीख के बाद आईटीआर फाइल करते हैं तो आपको जुर्माने का भुगतान करना पड़ सकता है। जुर्माने की राशि 5 लाख रुपए तक की आय के लिए 1,000 रुपए और 5 लाख रुपए से अधिक की आय के लिए 5,000 रुपए है।

इसके अलावा, अगर आपकी आय सरकार द्वारा दी गई आयकर छूट से अधिक है और तो देय कर पर आपको प्रति महीने (आईटीआर फाइल करने तक) एक प्रतिशत प्रति महीने के ब्याज का भुगतान करना होता है। वहीं, समय पर आईटीआर जमा करने का एक फायदा यह भी है कि आप मौजूदा साल के नुकसान को आने वाले समय के लिए आगे ले जा सकते हैं और भविष्य के मुनाफे के साथ उसे समायोजित कर सकते हैं, जिससे कुल कर देनदारी कम हो जाती है।

इस कारण समय पर अपना आईटीआर जमा करना जुर्माने से बचने, टैक्स का फायदा बनाए रखने और रिफंड की प्रक्रिया तेजी से पूरी करने का सबसे आसान तरीका है।

भारतीय रेलवे ने टिकट बुकिंग के साथ शुरू की अतिरिक्त सामान की ऑनलाइन बुकिंग

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए शुक्रवार को एक नई डिजिटल सेवा शुरू की है। अब ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्री टिकट बुक करते समय ही अतिरिक्त सामान की ऑनलाइन बुकिंग और भुगतान कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था से यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने से पहले अलग से पार्सल कार्यालय जाकर अतिरिक्त सामान बुक कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अब तक निर्धारित मुफ्त सीमा से अधिक सामान ले जाने वाले यात्रियों को रेलवे के पार्सल काउंटर पर जाकर अलग से बुकिंग करानी पड़ती थी, जिससे अतिरिक्त कागजी कार्रवाई और लंबी कतारों का सामना करना पड़ता था। नई ऑनलाइन सुविधा इस पूरी प्रक्रिया को आसान और तेज बनाएगी।

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी और केवल उन्हीं श्रेणियों में लागू होगी, जहां निर्धारित शुल्क देकर मुफ्त सीमा से अधिक सामान ले जाने की अनुमति है। एसी फर्स्ट क्लास, एसी 2-टियर, फर्स्ट क्लास, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास के यात्री इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। वहीं, एसी 3-टियर और एसी चेयर कार में यात्रा करने वाले यात्रियों को यह सुविधा नहीं मिलेगी, क्योंकि इन श्रेणियों में अधिकतम अनुमत सामान की सीमा और मुफ्त सामान की सीमा समान है।

रेलवे के मौजूदा सामान नियमों के अनुसार, एसी फर्स्ट क्लास के यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 70 किलोग्राम तक सामान ले जा सकते हैं और शुल्क देकर अधिकतम 150 किलोग्राम तक सामान ले जाने की अनुमति है। एसी 2-टियर और फर्स्ट क्लास में 50 किलोग्राम मुफ्त तथा अधिकतम 100 किलोग्राम तक सामान ले जाया जा सकता है।

स्लीपर क्लास के यात्रियों के लिए 40 किलोग्राम तक सामान मुफ्त है और वे शुल्क देकर कुल 80 किलोग्राम तक सामान ले जा सकते हैं। सेकेंड क्लास में 35 किलोग्राम मुफ्त तथा अधिकतम 70 किलोग्राम तक सामान ले जाने की अनुमति है।

दूसरी ओर, एसी 3-टियर और एसी चेयर कार के यात्रियों के लिए 40 किलोग्राम की सीमा ही मुफ्त और अधिकतम अनुमत सीमा दोनों है। इसलिए इन श्रेणियों में अतिरिक्त सामान बुक कराने का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा।

रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया है कि मुफ्त सीमा से अधिक लेकिन निर्धारित अधिकतम सीमा के भीतर सामान ले जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सामान शुल्क का भुगतान करना होगा।

दोस्त नहीं हैं तो नए और अच्छे दोस्त कैसे बनाएं? ये 7 आसान फ्रेंडशिप टिप्स आपकी जिंदगी बदल सकते हैं

दोस्त बनाना मुश्किल नहीं, बस सही शुरुआत की जरूरत होती है. आत्मविश्वास, साझा रुचियां, खुलकर बातचीत और छोटे-छोटे प्रयास आपको अच्छे और भरोसेमंद दोस्तों तक पहुंचा सकते हैं. संख्या से ज्यादा रिश्तों की गुणवत्ता पर ध्यान देना लंबे समय तक खुशी और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है.

हर इंसान की जिंदगी में दोस्ती का अपना अलग महत्व होता है. अच्छे दोस्त सिर्फ हंसी-मजाक के साथी नहीं होते, बल्कि मुश्किल समय में सहारा भी बनते हैं. लेकिन आज की तेज रफ्तार जिंदगी, वर्क फ्रॉम होम, सोशल मीडिया और सीमित सामाजिक मेलजोल के कारण कई लोग खुद को अकेला महसूस करते हैं. कई बार नए शहर में शिफ्ट होने, पढ़ाई या नौकरी बदलने के बाद भी दोस्त बनाना आसान नहीं लगता.

अच्छी बात यह है कि दोस्ती कोई जन्मजात कला नहीं, बल्कि एक ऐसा रिश्ता है जिसे धीरे-धीरे बनाया जाता है. अगर आपके भी ज्यादा दोस्त नहीं हैं या आप नए और भरोसेमंद दोस्त बनाना चाहते हैं, तो कुछ छोटी-छोटी आदतें आपकी जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकती हैं.

नए दोस्त बनाने के लिए पहले खुद से शुरुआत करें

अच्छी दोस्ती की शुरुआत अक्सर खुद से होती है. अगर आप हर समय यह सोचते रहेंगे कि सामने वाला आपको पसंद करेगा या नहीं, तो बातचीत शुरू करना मुश्किल हो जाएगा. खुद पर भरोसा रखें और यह समझें कि हर इंसान नए लोगों से मिलने में थोड़ा झिझकता है. मुस्कुराकर बात करना, सामने वाले की बात ध्यान से सुनना और सम्मान देना पहली मुलाकात को सहज बना देता है.

कॉमन इंटरेस्ट दोस्ती को मजबूत बनाता है: दोस्ती तब ज्यादा आसानी से होती है जब दो लोगों की रुचियां मिलती-जुलती हों. अगर आपको किताबें पढ़ना पसंद है तो बुक क्लब से जुड़ें. फिटनेस पसंद है तो जिम या योगा क्लास जाएं. संगीत, डांस, फोटोग्राफी, ट्रैकिंग या किसी नई भाषा की क्लास भी नए लोगों से मिलने का अच्छा मौका देती है. साझा रुचियां बातचीत को आसान बना देती हैं और रिश्ता जल्दी मजबूत होता है.

हर बातचीत में परफेक्ट बनने की कोशिश न करें

कई लोग इस डर से बात नहीं करते कि कहीं कुछ गलत न बोल दें. लेकिन दोस्ती इंटरव्यू नहीं होती. सामान्य बातचीत, हल्की-फुल्की बातें और सामने वाले में दिलचस्पी दिखाना ही काफी होता है. छोटी-छोटी बातचीत धीरे-धीरे गहरे रिश्ते का रूप ले सकती है.

सोशल मीडिया का इस्तेमाल समझदारी से करें

ऑनलाइन कनेक्शन को ऑफलाइन रिश्ते में बदलें: आज सोशल मीडिया सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि नए लोगों से जुड़ने का माध्यम भी है. किसी हॉबी ग्रुप, प्रोफेशनल कम्युनिटी या लोकल इवेंट ग्रुप का हिस्सा बन सकते हैं. हालांकि, किसी पर आंख बंद करके भरोसा करने के बजाय धीरे-धीरे पहचान बढ़ाएं और सुरक्षित तरीके से ही मुलाकात करें.

पहलकदमी करने से न घबराएं

कई बार हम सोचते हैं कि सामने वाला पहले बात करे. यही सोच नए रिश्तों को बनने से रोक देती है. अगर किसी से बात करके अच्छा लगा है तो दोबारा मैसेज करें, कॉफी या चाय के लिए पूछें या किसी गतिविधि में साथ चलने का सुझाव दें. दोस्ती दोनों तरफ से किए गए छोटे प्रयासों से ही आगे बढ़ती है।

बारिश में गले की खराश और थकान से बचना है? जानिए अदरक वाली चाय या काढ़ा, कौन देगा ज्यादा राहत

मानसून में अदरक की चाय और काढ़ा दोनों फायदेमंद हैं, लेकिन इनका इस्तेमाल जरूरत के अनुसार करना चाहिए. रोजमर्रा के लिए अदरक की चाय बेहतर है, जबकि गले की हल्की परेशानी में सीमित मात्रा में काढ़ा राहत दे सकता है.

बारिश का मौसम आते ही ज्यादातर घरों में सबसे पहले जो चीज़ याद आती है, वह है गर्मागर्म अदरक की चाय या फिर मसालों से भरपूर काढ़ा. हल्की ठंड, भीगी हवा और बदलते मौसम के बीच एक कप गर्म पेय शरीर को सुकून देने के साथ ताजगी भी देता है, लेकिन अक्सर लोग यह समझ नहीं पाते कि मानसून में रोज़ अदरक की चाय पीना बेहतर है या फिर काढ़ा. कई लोग मामूली थकान या मौसम बदलते ही रोज़ काढ़ा पीना शुरू कर देते हैं, जबकि कुछ लोग हर समस्या का हल सिर्फ अदरक वाली चाय को मानते हैं.

सच यह है कि दोनों पेय अपने-अपने तरीके से फायदेमंद हैं, लेकिन इनका उद्देश्य और असर अलग होता है. सही समय पर सही विकल्प चुनना ही समझदारी है, अगर आप भी बारिश के मौसम में खुद को स्वस्थ रखना चाहते हैं और यह तय नहीं कर पा रहे कि चाय और काढ़े में किसे प्राथमिकता दें, तो पहले दोनों के बीच का अंतर और सही इस्तेमाल जान लेना जरूरी है.

अदरक की चाय और काढ़ा एक जैसे नहीं होते

पहली नजर में दोनों गर्म पेय लग सकते हैं, लेकिन इनकी प्रकृति अलग होती है. अदरक की चाय हल्की होती है, जिसे रोजमर्रा में आराम से पिया जा सकता है. इसमें आमतौर पर अदरक, चायपत्ती, दूध और पानी का इस्तेमाल होता है. वहीं काढ़ा कई मसालों और जड़ी-बूटियों जैसे तुलसी, काली मिर्च, दालचीनी, लौंग, अदरक और कभी-कभी मुलेठी से तैयार किया जाता है. यही वजह है कि काढ़ा स्वाद और असर दोनों में अधिक मजबूत माना जाता है.

अगर आपका पेट भारी महसूस हो रहा है, हल्की गैस बन रही है या मौसम की वजह से थोड़ा सुस्ती महसूस हो रही है, तो अदरक की चाय अच्छा विकल्प हो सकती है. अदरक को लंबे समय से पाचन में मददगार माना जाता है और यह हल्की मतली को कम करने में भी सहायक हो सकती है. ऑफिस से लौटने के बाद या बारिश में भीगकर घर आने पर एक कप गर्म अदरक की चाय शरीर को आराम देने के साथ मन भी हल्का कर सकती है. यही वजह है कि यह कई लोगों की रोजमर्रा की पसंद बनी रहती है.

किन परिस्थितियों में काढ़ा ज्यादा काम आ सकता है?

गले की परेशानी में राहत देने वाला पेय

अगर गले में खराश महसूस हो रही है, हल्की नाक बंद है या मौसम बदलने से बेचैनी हो रही है, तब काढ़ा अधिक उपयोगी माना जाता है. इसमें मौजूद मसाले और जड़ी-बूटियां गले को आराम पहुंचाने में मदद कर सकती हैं. हालांकि यह समझना जरूरी है कि काढ़ा किसी संक्रमण का इलाज नहीं है, अगर बुखार, तेज खांसी या लगातार परेशानी बनी रहे, तो डॉक्टर की सलाह लेना ही सबसे सही कदम है।

बच्चों के स्कूल से आने के बाद उनसे जरूर पूछें ये 5 सवाल, कॉन्फिडेंस में होगी बढ़ोत्तरी, जानिये

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई बार माता-पिता बच्चों से यह पूछकर ही बात खत्म कर देते हैं कि, 'आज स्कूल कैसा था?' और अक्सर जवाब मिलता है, 'ठीक था.' लेकिन अगर आप बच्चे के मन की बात जानना चाहते हैं और उसके साथ अपने रिश्ते को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो कुछ खास सवाल पूछना बेहद जरूरी है. ये सवाल न केवल बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि उसे यह एहसास भी कराते हैं कि आप उसकी बातों और भावनाओं को महत्व देते हैं.

1. आज स्कूल में सबसे अच्छी बात क्या हुई?

यह सवाल बच्चे को दिनभर की सकारात्मक घटनाओं को याद करने का मौका देता है. जब बच्चा अपने अच्छे अनुभव साझा करता है, तो उसके चेहरे पर खुशी आती है और उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है. इससे वह सकारात्मक सोच विकसित करना सीखता है.

2. क्या आज कोई ऐसी बात हुई जिसने तुम्हें परेशान किया?

हर दिन बच्चों के लिए आसान नहीं होता. कभी दोस्तों से झगड़ा, कभी पढ़ाई का दबाव या किसी शिक्षक की डांट उन्हें परेशान कर सकती है यह सवाल पूछने से बच्चा खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर पाता है. साथ ही, माता-पिता समय रहते उसकी समस्याओं को समझ सकते हैं.

3. आज तुमने कौन-सी नई चीज सीखी?

यह सवाल बच्चे को सीखने की प्रक्रिया के प्रति उत्साहित करता है. जब वह नई जानकारी या अनुभव साझा करता है, तो उसे अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है. इससे सीखने के प्रति उसकी रुचि और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं.

4. आज तुमने किसी की मदद की या किसी ने तुम्हारी मदद की?

यह सवाल बच्चों में संवेदनशीलता और सामाजिक व्यवहार विकसित करने में मदद करता है. इससे वे दूसरों की मदद करने और सहायता स्वीकार करने का महत्व समझते हैं. साथ ही, उन्हें रिश्तों और सहयोग की अहमियत का भी एहसास होता है.

5. कल स्कूल में किस बात का सबसे ज्यादा इंतजार है?

यह सवाल बच्चे को भविष्य के प्रति उत्साहित बनाता है. वह अगले दिन की योजनाओं, गतिविधियों या दोस्तों से मिलने को लेकर अपने विचार साझा करता है. इससे उसकी सोच सकारात्मक रहती है और वह अपने अनुभवों के बारे में खुलकर बात करना सीखता है.

क्यों जरूरी हैं ये सवाल?

बच्चों से सही सवाल पूछना केवल बातचीत का तरीका नहीं, बल्कि उनके मानसिक और भावनात्मक विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पकौड़े-पूड़ी तलने के लिए कौन-सा तेल यूज करना चाहिए? ये 4 ऑयल हैं डीप फ्राई के लिए बेस्ट, जानें कारण

त्योहार के दिनों में घर में तलने-भूनने वाले व्यंजन खूब बनाएं जाते हैं. ऐसे में लोग स्वाद का तो खूब ध्यान रखते हैं, लेकिन सेहत को भूल जाते हैं. ऐसे में यहां आप हेल्दी ऑयल के उन विकल्पों के बारे में जान सकते हैं, जो सेहत को कम नुकसान पहुंचाते हैं.

तली-भुनी चीजें खाने में भले ही बेहद स्वादिष्ट लगती हों, लेकिन सेहत के लिहाज से इन्हें बहुत ज्यादा फायदेमंद नहीं माना जाता. डीप फ्राई करने की प्रक्रिया में भोजन काफी मात्रा में तेल सोख लेता है, जिससे उसमें कैलोरी और फैट की मात्रा बढ़ जाती है. नियमित रूप से ज्यादा तला हुआ खाना खाने से मोटापा, हाई कोलेस्ट्रॉल, दिल की बीमारी जैसी हेल्थ प्रॉब्लम का खतरा बढ़ सकता है.

ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि सही तेल का चुनाव किया जाए. सही कुकिंग ऑयल न केवल खाने का स्वाद बेहतर बनाता है और सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. हालांकि डीप फ्राई करना सबसे हेल्दी कुकिंग तरीका नहीं है, लेकिन जब कभी-कभार ऐसा करना पड़े तो आप यहां बताए गए हेल्दी विकल्पों में से किसी भी का भी चयन कर सकते हैं.

रफाइंड नारियल तेल

इसमें सैचुरेटेड फैट अच्छी मात्रा में होता है और इसका स्मोक पॉइंट लगभग 400 डिग्री फारेनहाइट तक होता है. यही कारण है कि यह अधिक तापमान को आसानी से सहन कर सकता है और जल्दी खराब नहीं होता. हालांकि इसका सेवन संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए.

रिफाइंड ऑलिव ऑयल

यह मोनोअनसैचुरेटेड फैट से भरपूर होता है और इसका स्मोक पॉइंट करीब 456 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच सकता है. रिफाइंड ऑलिव ऑयल उच्च तापमान पर अधिक स्थिर रहता है और इसे दिल के लिए भी बेहतर फैट का सोर्स भी माना जाता है.

घी

ये भी डीप फ्राई करने के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है. लगभग 450 डिग्री फारेनहाइट के स्मोक पॉइंट के कारण यह तेज आंच पर भी अच्छी तरह काम करता है. साथ ही यह भोजन में एक अलग स्वाद और खुशबू भी जोड़ता है.

एवोकाडो ऑयल

हेल्थ के नजरिए से एवोकाडो ऑयल भी फायदेमंद माना जाता है. इसका स्मोक पॉइंट लगभग 520 डिग्री फारेनहाइट तक होता है, जो इसे डीप फ्राई करने के लिए सबसे बेहतर विकल्पों में शामिल करता है.

इन तेलों के इस्तेमाल से बचें

वहीं विशेषज्ञ कुछ तेलों से बचने की सलाह भी देते हैं. सूरजमुखी, सोयाबीन और कैनोला जैसे सीड ऑयल्स में पॉलीअनसैचुरेटेड फैट अधिक होता है।

ये हैं दुनिया के 3 देश जो लोगों को बसने के लिए दे रहे हैं पैसे, जानिए किन शर्तों पर मिलता है फायदा

बहुत से लोग विदेश में बसने का सपना देखते हैं. दिलचस्प बात यह है कि कुछ देश या उनमें मौजूद खास शहर और इलाके नए निवासियों को आकर्षित करने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन देते हैं. हालांकि, यह फ़ायदा हर किसी को नहीं मिलता इसके लिए नौकरी, कारोबार, निवेश, घर खरीदने या किसी खास इलाके में रहने से जुड़ी कुछ शर्तों को पूरा करना ज़रूरी होता है. आइए जानते हैं ऐसे ही तीन देशों के बारे में...

1. इटली

इटली के कई छोटे गांवों और कस्बों में आबादी घटने की समस्या है. इसलिए, वहां नए लोगों को बसने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से कुछ स्थानीय प्रशासन कई तरह की योजनाएं चलाते हैं जैसे कि आर्थिक मदद देना या कम कीमत पर घर खरीदने का मौका देना.

शर्तें क्या हैं?

इनमें अक्सर एक तय समय तक उस इलाके में रहने और कई योजनाओं के तहत घर की मरम्मत या रेनोवेशन कराने जैसी शर्तें शामिल होती हैं, हर योजना के नियम अलग-अलग होते हैं.

2. आयरलैंड (Ireland)

आयरलैंड के 'लिविंग आइलैंड्स' प्रोग्राम जैसी पहलों के तहत कुछ दूर-दराज़ के द्वीपों पर आबादी बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं. कुछ योजनाएं पुराने और खाली घरों के लिए आर्थिक मदद देती हैं.

क्या हैं शर्तें?

सहायता आमतौर पर संपत्ति के नवीनीकरण के लिए होती है, संबंधित द्वीप पर रहने और निर्धारित नियमों का पालन करना जरूरी होता है और सभी आवेदक हर योजना के लिए पात्र नहीं होते।

1000 रुपये दो और खाना खाओ! गुड़गांव की इस पत्नी का लॉजिक सुनकर सिर पकड़ लेंगे आप

जब भी वह घर पर कैफे-स्टाइल या रेस्तरां जैसा स्पेशल खाना बनाती हैं, तो उनके पति उन्हें 1000 रुपये ट्रांसफर करते हैं. यह वीडियो देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गया और इसे 12 लाख से ज्यादा व्यूज मिले. जहां कुछ यूजर्स ने इस अनोखे आइडिया की तारीफ की, वहीं कई लोगों ने सवाल खड़े कर दिए कि क्या अब पत्नियां खाना बनाने का भी बिल फाड़ेंगी?

सोशल मीडिया पर इन दिनों गुड़गांव की एक महिला की अनोखी '1000 रुपये वाली डील' खूब चर्चा में है. फूड कंटेंट क्रिएटर प्रिया का कहना है कि उनके पति घर पर हर कैफे-स्टाइल स्पेशल मील बनाने के बदले उन्हें 1000 रुपये देते हैं. हालांकि, वायरल होने के बाद उन्होंने साफ किया कि यह शादी या रिश्ते की कीमत नहीं, बल्कि खाना बनाने में लगने वाली मेहनत, समय और क्रिएटिविटी की सराहना करने का उनका अपना तरीका है.

आखिर क्या है पूरा मामला?

कुछ समय पहले प्रिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था. इसमें उन्होंने खुलासा किया कि जब भी वह घर पर कैफे-स्टाइल या रेस्तरां जैसा स्पेशल खाना बनाती हैं, तो उनके पति उन्हें 1000 रुपये ट्रांसफर करते हैं. यह वीडियो देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गया और इसे 12 लाख से ज्यादा व्यूज मिले. जहां कुछ यूजर्स ने इस अनोखे आइडिया की तारीफ की, वहीं कई लोगों ने सवाल खड़े कर दिए कि क्या अब पत्नियां खाना बनाने का भी बिल फाड़ेंगी?

'यह रिश्ते की कीमत नहीं'

भारी ट्रॉलिंग के बाद प्रिया ने इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी. उन्होंने साफ किया कि लोगों ने उनकी बात को गलत दिशा में ले लिया. उनका कहना है कि यह शादी या रिश्ते की कीमत तय करना बिल्कुल नहीं है. असल में यह उस मेहनत, समय और क्रिएटिविटी की पहचान है, जो एक खास डिश तैयार करने में लगती है. अक्सर लोग घर के कामों, खासकर कुकिंग को बहुत टेकन फॉर ग्रांटेड (सामान्य) ले लेते हैं और उसकी मेहनत को अनदेखा कर देते हैं.

मूल रूप से चंडीगढ़ की रहने वाली प्रिया ने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की है. उन्होंने करीब पांच साल तक अपना क्लोदिंग ब्रांड भी चलाया. साल 2023 में शादी के बाद वह गुड़गांव शिफ्ट हो गईं और फूड कंटेंट क्रिएटर के रूप में काम करने लगीं. उनके लिए खाना बनाना केवल रोजमर्रा की मजबूरी नहीं, बल्कि उनका क्रिएटिव पैशन और प्रोफेशन है.

कैसे हुई इस अनोखे रूल की शुरुआत?

प्रिया बताती हैं कि इस व्यवस्था की शुरुआत पति-पत्नी के बीच घर के कामों की जिम्मेदारी बांटने के दौरान हुई थी. उन्होंने मजाक में कहा था कि अगर वह घर पर रेस्तरां जैसा खाना बना रही हैं, तो यह हमेशा फ्री नहीं होना चाहिए! इस पर उनके पति, जो पेशे से आर्किटेक्ट हैं और अपनी खुद की फर्म चलाते हैं, ने बहुत सकारात्मक जवाब दिया. उन्होंने कहा कि अगर वही खाना वह बाहर किसी कैफे में खाते, तो आराम से 1000 रुपये बिल चुकाते. तो फिर वही पैसा अपनी पत्नी को देना ज्यादा बेहतर है. बस, फिर क्या था- मजाक में शुरू हुआ यह आईडिया उनकी रूटीन आदत बन गया.

महीने में 15 से 20 हजार की बचत और कमाई

आज प्रिया को इस व्यवस्था से हर महीने लगभग 15 से 20 हजार रुपये मिल जाते हैं. हालांकि, वह इसे कोई सैलरी नहीं मानतीं, बल्कि अपने काम की सराहना मानती हैं. उनका कहना है कि इससे बाहर का अस्वस्थ खाना बंद हो गया, रेस्तरां में बर्बाद होने वाला पैसा घर में ही रहा और परिवार को स्वादिष्ट-हेल्दी खाना मिलने के साथ-साथ घरेलू काम को सम्मान भी मिला.

रिश्ते पर क्या असर पड़ता है?

रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स मानते हैं कि जब पार्टनर सिर्फ 'थैंक यू' नहीं, बल्कि किसी खास तरीके से आपकी मेहनत को वैलिडेट करता है, तो उसका असर सीधे सेल्फ-वर्थ पर पड़ता है।

खासकर घर के उन कामों में, जिन्हें लोग अक्सर 'तो करना ही पड़ता है' कहकर नजरअंदाज कर देते हैं. ऐसे छोटे-छोटे जेस्चर यह एहसास दिलाते हैं कि आपकी मेहनत दिख रही है, उसकी कद्र हो रही है और उसे हल्के में नहीं लिया जा रहा.

हालांकि, हर कपल की रिलेशनशिप डायनेमिक्स अलग होती है. किसी के लिए यह प्यार जताने का क्यूट तरीका हो सकता है, तो किसी को यह रिश्ते का हिसाब-किताब भी लग सकता है. अगर ऐसी व्यवस्था आपसी सहमति, भरोसे और सम्मान के साथ हो, तो यह बॉन्डिंग मजबूत कर सकती है. लेकिन अगर इसे जबरदस्ती या लेन-देन की तरह अपनाया जाए, तो यही आइडिया रिश्ते में तनाव की वजह भी बन सकता है. इसलिए किसी भी ट्रेंड को फॉलो करने से पहले अपने रिश्ते की कम्फर्ट और समझ को प्राथमिकता देना जरूरी है.

यह कहानी सिर्फ 1000 रुपये की नहीं है, बल्कि उस सोच की है जो हाउसहोल्ड वर्क की वैल्यू समझाने की कोशिश करती है. सोशल मीडिया पर बहस जारी है, लेकिन इस पहल ने यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि क्या घर के कामों को भी वही रिस्पेक्ट मिलनी चाहिए, जो किसी 9-टू-5 जॉब को मिलती है?

'लॉक अप 2': शिवांगी-हर्षद की बढ़ती नजदीकियों पर जन्नत जुबैर की खुली सलाह, अपने खेल पर दो ध्यान

मुंबई। रियलिटी शो 'लॉक अप 2' में पिछले कुछ हफ्तों से शिवांगी जोशी और एक्टर हर्षद चोपड़ा की दोस्ती को लेकर काफी बातें हो रही हैं। घर के अंदर और बाहर सोशल मीडिया पर भी लोग ये जानने की कोशिश कर रहे हैं कि दोनों के बीच आखिर चल क्या रहा है। इसी बीच एक्ट्रेस जन्नत जुबैर विजिटर 'बनकर शो में पहुंचीं और उन्होंने शिवांगी को आईना दिखाते हुए एक बड़ा रियलिटी चेक दिया। उन्होंने शिवांगी को समझाया कि वह बाहरी बातों पर ध्यान देने की बजाय खुद पर फोकस करें।

जन्नत ने शिवांगी से कहा, 'घर के अंदर जो कुछ हो रहा है, वही बाहर भी दिखाया जा रहा है। दर्शकों तक बिना किसी फिल्टर के वही तस्वीर पहुंच रही है जो कैमरे में कैद हो रही है। इसी वजह से जो तुम्हारे और हर्षद के रिश्ते को लेकर जो अटकलें लग रही हैं, वो बेवजह नहीं हैं। अगर बाहर लोग ये सोच रहे हैं कि दोनों साथ हैं, तो इसमें हैरानी वाली बात नहीं है, क्योंकि घर के अंदर भी कई लोग यही महसूस कर रहे हैं।'

जन्नत ने शिवांगी को बताया, ' 'हर्षद स्वभाव से काफी इमोशनल हैं और बीते कुछ समय में दोनों कई बार इमोशनल भी हुए हैं। इसी वजह से घर के अंदर मौजूद लोग और बाहर के दर्शक दोनों को लग रहा है कि उनके बीच कनेक्शन दोस्ती से बढ़कर है। तुम इन बातों को लेकर परेशान न हों, बल्कि समझों कि पब्लिक और घर वाले दोनों क्या देख और सोच रहे हैं।''

जन्नत और शिवांगी की दोस्ती टीवी इंडस्ट्री में काफी चर्चित है।

दोनों अक्सर एक-दूसरे के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं और मुश्किल समय में साथ खड़ी नजर आती हैं।

जन्नत के जाने के बाद शो में शिवांगी और हर्षद को लेकर बातें और तेज हो गई हैं। फैंस अब ये देखने के लिए उत्सुक हैं कि जन्नत की सलाह के बाद शिवांगी का गेम किस तरह आगे बढ़ता है।

ऋत्विक धनजानी ने दोस्ती पर लिखा भावुक नोट, कहा- 'ऐसे लोग जिंदगी में मिल जाएं तो उन्हें थामकर रखो'

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी के चहेते एक्टर ऋत्विक धनजानी को 'पवित्र रिश्ता' से घर-घर में पहचान मिली और उसके बाद से वो टीवी की दुनिया के सबसे पॉपुलर चेहरों में से एक बन गए। प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ ऋत्विक अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। खासकर अपने दोस्तों को लेकर अक्सर वह सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते रहते हैं।

इस कड़ी में उन्होंने इंस्टाग्राम पर दोस्ती की अहमियत को लेकर एक पोस्ट किया और कहा कि जिंदगी में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो घर से दूर होने पर भी आपको घर जैसा एहसास दिलाते हैं।

ऋत्विक ने पोस्ट में कहा कि जिंदगी में आगे बढ़ते हुए हमें कई तरह के लोग मिलते हैं। कुछ आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जो दिल के बहुत करीब हो जाते हैं। ऐसे रिश्ते किसी परिवार से कम नहीं होते। जब आप अपने शहर, अपने घर से दूर होते हैं, तब यही लोग आपको संभालते हैं। यही लोग आपके बुरे वक्त में हंसाते हैं, आपका हौसला बढ़ाते हैं और आपको ये एहसास दिलाते हैं कि आप अकेले नहीं हैं। ऐसे लोग जिंदगी में खुशी, पॉजिटिविटी और एक अलग तरह का सुकून लेकर आते हैं। चाहे लाइफ का कोई भी फेज हो, इन लोगों की मौजूदगी सब कुछ आसान कर देती है।

ऋत्विक ने इंस्टाग्राम पोस्ट में अपने दोस्तों के साथ बिताए कुछ बेहद खास और कैंडिड पल भी शेयर किए। तस्वीरों में ऋत्विक अपने करीबी दोस्तों के साथ नजर आ रहे हैं। इनमें एक्ट्रेस प्रियंका तालुकदार भी शामिल हैं। एक तस्वीर में वह सभी दोस्तों के साथ खड़े होकर कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराते दिखाई दे रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में वह मस्ती करते हुए नजर आ रहे है।

पोस्ट में सबसे खास वीडियो बोनफायर वाला था। उस वीडियो में ऋत्विक दोस्तों के साथ आग के पास बैठकर गिटार बजाते दिख रहे हैं और साथ में डांस भी कर रहे हैं।

इस पोस्ट के साथ ऋत्विक ने कैप्शन में लिखा, ' 'जब आप घर से दूर अपना घर बना लेते हैं। जब आप ऐसे लोगों से मिलते हैं और लगता है जैसे आप उन्हें सदियों से जानते हैं। वो आपके हौसले को ऊपर उठाते हैं। वो आपके दिन को रोशन कर देते हैं।

कई बार वो आपको बहुत परेशान भी करते हैं। लेकिन दिन के आखिर में खुशी वहीं होती है जहां वो होते हैं। अगर आपकी जिंदगी में ऐसे लोग हैं तो उन्हें कसकर पकड़ कर रखिए।

2015 में मेडिकल एंट्रेंस पेपर लीक होने से टूट गई थीं मानुषी छिल्लर, शेयर किया अनुभव

मुंबई। मिस वर्ल्ड 2017 का ताज पहनने वाली और बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर आज ग्लैमर की दुनिया का जाना-माना नाम हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि मानुषी ने एक्ट्रेस बनने से पहले मेडिकल की पढ़ाई की थी और डॉक्टर बनने का सपना देखा था।

हाल ही में सोहा अली खान के यूट्यूब टॉक शो 'ऑल अबाउट हर' में उन्होंने अपने जीवन के उस दौर के बारे में बात की, जब उन्हें डॉक्टर बनने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ा था। खासकर 2015 में हुए मेडिकल एंट्रेंस पेपर लीक के बाद जो कुछ हुआ, उसने उन्हें अंदर तक तोड़ कर रख दिया था।

टॉक शो में मानुषी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पेपर लीक को मैं दो नजरिए से देखती हूं। एक मेरा खुद का अनुभव और दूसरा देश के लाखों स्टूडेंट्स की सच्चाई। मेरे माता-पिता खुद डॉक्टर हैं और वो पहले से जानते थे कि मेडिकल की तैयारी कितनी कठिन होती है। इसलिए मैं मानसिक तौर पर थोड़ी तैयार थी लेकिन फिर भी उस समय को झेलना आसान नहीं था। मानुषी ने बताया, ' 'पेपर लीक के बाद मुझे अपनी सारी खुशियां एक तरफ रखनी पड़ीं। मैं एक प्रोफेशनल कुचिपुड़ी डांसर थी। मुझे पेंटिंग करना बहुत पसंद था। दोस्तों के साथ समय बिताना, घूमना-फिरना, ये सब मुझे बहुत अच्छा लगता था लेकिन एंट्रेंस दोबारा होने की वजह से पूरे एक साल तक मैंने ये सब छोड़ दिया। सिर्फ पढ़ाई, कोचिंग और किताबें ही मेरा फोकस रहा।

श्रेया कालरा पर भड़कीं आकांक्षा चमोला, बोलीं- तुम गौरव को कितना जानती हो?

विश्व केसरी

मुंबई। एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला अपनी 'लॉक अप' की साथी कंटेस्टेंट श्रेया कालरा पर तब भड़क गई, जब उन्हें पता चला कि श्रेया ने एक्टर गौरव खन्ना के साथ उनके तलाक के बारे में कुछ बातें कही थीं।

आकांक्षा ने श्रेया पर आरोप लगाया कि उन्होंने दोनों में से किसी को भी जाने बिना एक बहुत ही निजी मामले पर राय बनाई और उनके रिश्ते के बारे में कुछ भी जाने बिना उन पर टिप्पणी की।

'लॉक अप' रियलिटी शो के घर के अंदर हुई तीखी बहस के दौरान, आकांक्षा ने श्रेया से सवाल किया कि वह गौरव का जिक्र तो सम्मान के साथ करती हैं, लेकिन उन्हें (आकांक्षा को) गलत तरीके से पेश करती हैं। आकांक्षा ने पूछा, 'तुम गौरव को कितना जानती हो? क्या तुम उन्हें बाहर से जानती हो? क्या तुम उनकी दोस्त हो? वह तुम्हारे लिए 'गौरव जी' क्यों हैं? और मैं 'चुड़ैल' क्यों हूं?'

एक्ट्रेस ने आगे आरोप लगाया कि उन्हें बताया गया था कि श्रेया ने कहा था कि उनका और गौरव का तलाक होना 'अच्छा' था क्योंकि वह गौरव के लायक नहीं हैं।

इन कथित टिप्पणियों पर नाराजगी जताते हुए आकांक्षा ने कहा, 'तुम यह कहने वाली कौन होती हो? क्या तुम मेरे और उनके रिश्ते के बारे में जानती हो? तुम तो उनके वकील की तरह बात कर रही हो! क्यों?!'

श्रेया ने ऐसी बातें कहने से इनकार किया और आकांक्षा से कहा कि वह दूसरों से सुनी हर बात पर यकीन न करे।

श्रेया ने यह भी कहा कि उनका इरादा कपल के रिश्ते पर टिप्पणी करने का नहीं था, और उन्होंने अपनी बात समझाने की कोशिश की। मामले को ऐसे ही छोड़ देने से इनकार करते हुए आकांक्षा ने कहा कि किसी की टूटी हुई शादी पर टिप्पणी करना बहुत असंवेदनशील बात है। आकांक्षा ने पूछा, 'अगर मैं तुम्हारे एक्स और तुम पर टिप्पणी करूं, तो यह कैसा लगेगा और तुम्हें कैसा महसूस होगा?' आकांक्षा ने कहा, 'तुम मेरी भावनाओं के साथ खेल रही हो क्योंकि मेरी भावनाएं सच्ची हैं। यह बहस तब और बढ़ गई जब एक और कंटेस्टेंट के बातचीत में शामिल होने के बाद आकांक्षा ने श्रेया पर अपना स्टैंड बदलने का आरोप लगाया।

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं निहारिका एनएम, तब्बू और श्रीदेवी को भी बताया अपनी प्रेरणा

मुंबई। सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन की दुनिया से फिल्मों तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अभिनेत्री साई पल्लवी को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस बताया। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी की सादगी, शानदार अभिनय और व्यक्तित्व उन्हें हमेशा प्रेरित करता है।

मीडिया से खास बातचीत में निहारिका एनएम ने कहा, ' 'साई पल्लवी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें मैं लंबे समय से पसंद करती हूं। उनकी सादगी, खूबसूरती और अपने काम के प्रति समर्पण उन्हें सबसे अलग बनाता है। वह मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं।

निहारिका ने कहा, 'साई पल्लवी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और यही बात मुझे बेहद पसंद आती है। मेरा मानना है कि आज के समय में ऐसे कलाकार बहुत कम हैं जो अपनी सादगी और स्वाभाविक अंदाज से लोगों का दिल जीतते हैं।

साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने तब्बू को सदाबहार कलाकार बताते हुए कहा, ' 'वह आज भी अपनी अभिनय क्षमता से हर किरदार में जान डाल देती हैं। उनकी एक्टिंग और डांस दोनों ही शानदार हैं और वह हर पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। श्रीदेवी भी भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक रहीं।

बातचीत के दौरान निहारिका ने अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ' 'इस फिल्म से जुड़ने का सबसे बड़ा कारण इसकी कहानी थी। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह काफी मजेदार लगी। मैंने महसूस किया कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे मैं खुद भी एक दर्शक के रूप में देखना पसंद करूंगी। इसलिए मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कह दी।

फिल्म में अभिनेता और डांसर राघव जुयाल के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए निहारिका ने कहा, ' 'राघव के साथ काम करना ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह बहुत मजेदार रहा। जो सीन पर्दे पर दो-तीन सेकेंड का दिखाई देता है, उसे शूट करने में कई घंटे लग जाते हैं।

जाह्नवी कपूर संग रीयूनियन पर भावुक हुए ईशान खट्टर, बोले-जैसे समय बीता ही नहीं

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता ईशान खट्टर ने शुक्रवार को अपनी पहली को-स्टार जाह्नवी कपूर के साथ हैप्पी मूमेंट शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर खास पोस्ट कर फैंस को पुरानी यादों से रूबरू कराया।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर जाह्नवी के साथ तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ रीयूनियन ऐसा एहसास दिलाते हैं कि जैसे समय बीता ही नहीं है। जाह्नवी कपूर।

शेयर की गई तस्वीर में ईशान मैचिंग पगड़ी के साथ आइवरी शेरवानी पहने हुए दिख रहे हैं और जाह्नवी भारी कढ़ाई वाले मैरून लहंगे के साथ स्टेटमेंट ज्वेलरी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। दोनों एक सीढ़ी पर बैठे, एक-दूसरे का हाथ पकड़े और तस्वीर के लिए पोज देते हुए दिख रहे हैं।

इस रीयूनियन ने फैंस को 2018 में रिलीज हुई 'धड़क' में उनकी सफल ऑन-स्क्रीन जोड़ी की याद दिला दी, जिसमें जाह्नवी कपूर ने ईशान के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड डेब्यू किया था।

शशांक खेतान द्वारा डायरेक्टेड और धर्मा प्रोडक्शंस, जी स्टूडियोज और क्लाउड 9 पिक्चर्स द्वारा प्रोड्यूस की गई। यह रोमांटिक ड्रामा नागराज मंजुले की मशहूर मराठी ब्लॉकबस्टर 'सैराट' का ऑफिशियल हिंदी रीमेक थी, जो 2016 में रिलीज हुई थी।

जाह्नवी और ईशान के बीच की केमिस्ट्री को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था और इसने उन्हें साल की सबसे चर्चित फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक बना दिया था।

दोनों आज भी करीबी दोस्त हैं और पिछले कुछ साल में इंडस्ट्री इवेंट्स और पब्लिक अपीयरेंस में भी साथ दिखे हैं। उन्हें आखिरी बार नीरज घायवान की 'होमबाउंड' में एक साथ देखा गया था, जिसमें जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा ने एक्टिंग की थी। फिल्म की कहानी बचपन के दो दोस्तों, चंदन (विशाल जेठवा) और शोएब (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस सेवा परीक्षा पास करने और बेहतर जीवन जीने का सपना देखते हैं।

98वें अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर 2026) में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी की शीर्ष 15 शॉर्टलिस्ट फिल्मों में शामिल किया गया है। इसके अलावा इस फिल्म ने कान्स फिल्म फेस्टिवल के 'अन सर्टेन रिगार्ड' खंड में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

व्हाइट हाउस का दावा- चीन ने अमेरिकी वोटरों का डेटा किया हैक

विश्व केसरी

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट जारी की है, जिसमें दावा किया गया है कि सार्वजनिक किए गए अमेरिकी इंटेलिजेंस डॉक्यूमेंट्स से पता चलता है कि चीन और उसके प्रॉक्सी ने 220 मिलियन (22 करोड़) अमेरिकियों का वोटर रजिस्ट्रेशन डेटा हासिल किया। इसमें ऐसी जानकारी भी शामिल है जो सार्वजनिक तौर उपलब्ध नहीं थी।

यह फैक्ट शीट व्हाइट हाउस गवर्नमेंट ट्रांसपेरेंसी टास्क फोर्स ने जारी की थी और कहा था कि इसे नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर के ऑफिस, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी, सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी और गृह सुरक्षा विभाग के डायरेक्टरों ने मंजूरी दी है।

यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाल ही में विदेशी चुनाव गतिविधियों से जुड़े इंटेलिजेंस डॉक्यूमेंट्स को डीक्लासिफाई करने से जुड़ा है। जारी की गई परिभाषा के अनुसार, 'चुनाव में प्रभाव डालने वाली गतिविधियों में विदेशी सरकारों या विदेशी सरकारों के एजेंट के तौर पर या उनकी ओर से काम करने वाले लोगों की खुली और छिपी हुई प्रभावी गतिविधियां शामिल हैं। इनका मकसद सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करना है, जिसमें उम्मीदवार, राजनीतिक पार्टियां, वोटर या उनकी पसंद, या राजनीतिक प्रक्रियाएं शामिल हैं। चुनाव में दखल देना चुनाव के तकनीकी पहलुओं पर लक्षित चुनाव प्रभाव का एक हिस्सा है, जिसमें वोटर रजिस्ट्रेशन, वोटिंग और वोटों की गिनती, और नतीजों की रिपोर्टिंग शामिल है।' सरकार ने कहा कि इस डेफिनिशन में साफ तौर पर किसी विदेशी ताकत द्वारा वोटर रजिस्ट्रेशन इंफ्रास्ट्रक्चर या वोटर रजिस्ट्रेशन डेटा को टारगेट करने की कोशिशें शामिल हैं। फैक्ट शीट में आगे कहा गया है कि 2022 के इंटेलिजेंस कम्युनिटी के दस्तावेजों में एक चीनी कंप्यूटर नेटवर्क शोषण यानी सीएनई अभिकर्ता की पहचान की गई थी, जिसने व्यावसायिक वेबसाइटों पर संग्रहीत मतदाता पंजीकरण डेटा हासिल किया था। व्हाइट हाउस के मुताबिक, सीएनई के अभिकर्ता आमतौर पर ऐसी जानकारियां हासिल करने के लिए साइबर ऑपरेशन का सहारा लेते हैं जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं होतीं। दस्तावेज में यह भी बताया गया है कि जब कोई विदेशी दुश्मन ऐसी जानकारी हासिल कर लेता है, तो इंटेलिजेंस एजेंसियों के अनुसार उससे जुड़े संभावित जोखिम क्या हो सकते हैं। व्हाइट हाउस ने दस्तावेज के हवाले से कहा, 'दुश्मन डेटा में बदलाव कर सकते हैं ताकि किसी एक वोटर या वोटरों के समूह को वोट देने से रोका जा सके, जिससे चुनाव के दिन देरी हो सकती है या वोटरों को प्रोविजनल बैलेट इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

पाकिस्तान में कोयला खदान में हुए धमाके में 15 लोगों की मौत, 24 से ज्यादा खनिक फंसे

विश्व केसरी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के सोरेंज कोलफील्ड में एक कोयला खदान में मीथेन गैस का धमाका हुआ। शुक्रवार को स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस धमाके के बाद कम से कम 15 खनिकों की मौत हो गई, जबकि 24 से ज्यादा लोग अभी फंसे हुए हैं।

पाकिस्तानी मीडिया डॉन ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि जब एक प्राइवेट कोयला खदान में धमाका हुआ, तब एक खदान में 24 खनिक जमीन के करीब 4,000 फीट नीचे काम कर रहे थे। धमाके के बाद खदान में आग लग गई, जिससे ढांचा गिर गया। धमाके से घटनास्थल के पास मौजूद एक और खदान पर भी असर पड़ा। दूसरी खदान में काम कर रहे करीब 12 खनिक फंसे हुए हैं। चीफ इंस्पेक्टर ऑफ माइंस मुहम्मद आतिफ ने कहा कि जब हादसा हुआ तो दोनों खदानों में 36 कोयला खनिक मौजूद थे।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, आतिफ ने कहा कि माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट और प्रोविंशियल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (पीडीएमए) ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहने तक गुरुवार रात तक 21 माइनर्स लापता थे।

इससे पहले मई में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला जिले में दो अलग-अलग कोयला खदानों में हुए हादसों में दो खनिक मारे गए थे और एक अन्य घायल हो गया था। पहली घटना अखोरवाल कोयला खदान की माइन नंबर 5 में हुई थी। सूत्रों के अनुसार, खदान में ऑपरेशन के दौरान दो मजदूर मलबे में दब गए थे।

पाकिस्तान के एक और अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि रेस्क्यू टीम, साथी खनिकों और स्थानीय लोगों ने करीब ढाई घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर फंसे हुए मजदूरों को खदान से निकाला।

संक्षिप्त खबर

ईरान ने रिहायशी इलाके पर अमेरिकी हमले की निंदा की

विश्व केसरी

तेहरान। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने दक्षिणी ईरान के केशम द्वीप पर एक रिहायशी इमारत पर अमेरिकी हमले की निंदा की। अमेरिका की तरफ से केशम द्वीप पर किए गए हमले में तीन आम लोग मारे गए।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बाघेई ने कहा कि रात भर हुए हमले में कई घरों को नुकसान पहुंचा और टैक्सी ड्राइवर कैसर जाफरी, उनकी पत्नी जहरा और उनके दो साल के बेटे सिना की मौत हो गई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'केशम में सबसे अच्छे ईरानियों के घरों पर हुआ आपराधिक हमला, जिसके कारण कई घर तबाह हो गए और एक मेहनती टैक्सी ड्राइवर, कैसर जाफरी, उनकी पत्नी जहरा जाफरी और उनके दो साल के मासूम बच्चे, सिना की शहादत हुई, हर जागरूक इंसान के दिल को दुख पहुंचाता है।' उन्होंने कहा, 'ये अपराध, जो आईएसआईएस के आतंकवादी कामों की याद दिलाते हैं और ताकत से शांति की आड़ में किए जाते हैं, इनसे अपराधियों को कभी भी अधिकार या भरोसा नहीं मिलेगा। इन अपराधों का मकसद किसी देश को उसके अधिकारों, सम्मान और आजादी पर जोर देने के लिए सजा देना है।'

भारत और भूटान के बीच विकास सहयोग वार्ता, विदेश सचिवों ने प्रगति की समीक्षा की

विश्व केसरी

थिम्पू। भारत और भूटान के विदेश सचिवों ने गुरुवार को थिम्फू में आयोजित पांचवीं भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता के दौरान भारत की मदद से चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति और उनके क्रियान्वयन की समीक्षा की। भूटान स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और भूटान के विदेश सचिव दाशो पेमा लेकटुप दोरजी ने आज भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना पर आयोजित पांचवीं भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता की संयुक्त अध्यक्षता की। बैठक में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में भारत द्वारा समर्थित परियोजनाओं की प्रगति और उनके कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। भूटान ने भारत के महत्वपूर्ण सहयोग और अपने विकास में उसके योगदान की सराहना की।' दोनों देशों के विदेश सचिवों ने वर्चुअल माध्यम से थिम्फू इकोलॉजिकल पार्क और ओलाखा पार्क का उद्घाटन भी किया। ये दोनों पार्क प्रोजेक्ट टाइड असिस्टेंस (पीटीए) के तहत 'ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड ओपन स्पेसेज इन थिम्फू' परियोजना के अंतर्गत बनाए गए हैं।

पीओके में बढ़ते तनाव को लेकर वॉशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास के बाहर प्रदर्शन

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बिगड़ते मानवीय हालात को लेकर वॉशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास के बाहर लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इलाके में जारी अशांति के दौरान लोगों की मौत, घायल होने और बल प्रयोग की खबरों पर चिंता जताई।

सोशल मीडिया पर शेयर की गई पोस्ट के अनुसार, हताहतों की बढ़ती संख्या के बीच स्थिति को लेकर चिंता जताने और जवाबदेही की मांग करने के लिए प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी दूतावास के बाहर जमा हुए।

यह विरोध प्रदर्शन पीओके में बढ़ते तनाव के बीच हुआ है, जहां प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पों में कई लोगों की मौत और घायल होने की खबरें हैं। रिपोर्ट्स में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने असली गोलियों (लाइव एम्युनिशन) का इस्तेमाल किया। प्रदर्शन से जुड़ी सोशल मीडिया पोस्ट में इस जमावड़े को इलाके में गंभीर मानवीय संकट के खिलाफ विरोध बताया गया। इसमें शामिल लोगों ने मरने वालों और घायलों की बढ़ती संख्या तथा संचार पर लगी पाबंदियों की ओर ध्यान दिलाया। पीओके में अशांति का संबंध जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के नेतृत्व में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों से है। ये प्रदर्शन कई तरह की राजनीतिक और आर्थिक मांगों को लेकर हो रहे हैं, जिनमें शासन-व्यवस्था, अधिकारों और जन-सुविधाओं से जुड़ी चिंताएं शामिल हैं। खबरों के अनुसार इस अशांति के दौरान इंटरनेट और मोबाइल सेवाओं में भी रुकावटें आई हैं। हिंसा की खबरों के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं बढ़ गई हैं और मौतों व घायलों के मामलों में पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। मानवाधिकार अधिकारियों ने अधिकारियों से जवाबदेही सुनिश्चित करने और आम नागरिकों की सुरक्षा करने का आग्रह किया है। पिछले तीन दिनों में पीओके में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई के कारण अब तक 40 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

यूएनएससी के शुरुआती पोल की रेस में यूएनसीटीएडी की महासचिव रेबेका सबसे आगे

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। डिप्लोमैटिक सूत्रों के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन सुरक्षा परिषद के पहले इनफॉर्मल पोल में आगे रहीं और अगली महासचिव बनीं। वहीं, गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट रनर-अप रहीं।

कोस्टा रिका के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट और यूएन ट्रेड बॉडी की सेक्रेटरी-जनरल ग्रिनस्पैन को गुरुवार को हुए स्ट्रॉ पोल में दस पॉजिटिव वोट, एक नेगेटिव और चार न्यूट्रल वोट मिले। यह बात 1 फॉर 8 बिलियन (1एफ8बी) नाम के ग्रुप ने बताई है। यह ग्रुप निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के लिए कैंपेन कर रहा है। सात उम्मीदवारों में से रोड्रिग्स-बिर्केट नौ पॉजिटिव, दो नेगेटिव और चार न्यूट्रल वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे।

हालांकि, काउंसिल अध्यक्ष जेनॉन मुकोंगो ने परिणामों को सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया, लेकिन राजनयिकों ने समाचार एजेंसियों को मतों की गिनती बता दी। यह गिनती 1एफ8बी द्वारा तैयार की गई थी, जो अनेक नागरिक समाज संगठनों का प्रतिनिधित्व करता है। काउंसिल एक उम्मीदवार चुनकर जनरल असेंबली को भेजती है और असेंबली आमतौर पर उसी को मंजूरी देती है। समर्थन जांचने के लिए 15 सदस्यीय काउंसिल में सीक्रेट स्ट्रॉ पोल होते हैं। स्ट्रॉ पोल तब तक जारी रहेंगे जब तक पांच स्थायी काउंसिल मेंबर्स की आम सहमति से कोई उम्मीदवार सामने नहीं आ जाता, जिसका मतलब है कि अमेरिका, रूस और चीन उम्मीदवार को ब्लॉक नहीं करेंगे। हालांकि, किसी भी देश की पहचान नहीं हुई है, लेकिन स्ट्रॉ पोल के आखिरी राउंड में पांच स्थायी सदस्यों को कलर-कोडेड बैलेट मिलते हैं ताकि यह पता चल सके कि किन उम्मीदवारों को वीटो का सामना करना पड़ेगा।

बलूचिस्तान में डिजिटल लाइब्रेरी बंद होने के खिलाफ छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

विश्व केसरी

क्वेटा। पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा एक डिजिटल लाइब्रेरी को बंद करने के विरोध में बलूचिस्तान के खुजदार जिले में कई छात्रों ने शांतिपूर्ण मार्च निकाला। स्थानीय मीडिया ने शुक्रवार को बताया कि छात्रों का आरोप है कि इस कदम से उनकी पढ़ाई में रुकावट आई है और उनके पास सड़क किनारे पढ़ाई करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है। मार्च में छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया और अपने आधारभूत शैक्षणिक अधिकार की सुरक्षा की मांग की।

स्टूडेंट्स ने आरोप लगाया कि मार्च के बाद जिला प्रशासन ने लाइब्रेरी के मेन गेट को बंद कर दिया और कुछ लोगों के साथ बुरा व्यवहार किया गया।

द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, बिल्डिंग बंद होने की वजह से स्टूडेंट्स को बिल्डिंग के बाहर सड़क किनारे पढ़ाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने इस स्थिति को बहुत अफसोसनाक और चिंताजनक बताया।

अपने कैंपेन को पूरी तरह से शांतिपूर्ण बताते हुए स्टूडेंट्स ने कहा, 'हमारी एकमात्र मांग हमारे जायज और बुनियादी शैक्षणिक अधिकारों की सुरक्षा है।' प्रदर्शनकारियों ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री, कलात डिवीजन के कमिश्नर और दूसरे संबंधित अधिकारियों से इस मुद्दे को सुलझाने और लाइब्रेरी में पढ़ाई-लिखाई की गतिविधियां बिना किसी रुकावट के फिर से शुरू करने की मांग की। छात्रों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे हाईवे पर विरोध प्रदर्शन करेंगे और कहा कि लाइब्रेरी के लगातार बंद रहने से होने वाले किसी भी नतीजे के लिए जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा। लाइब्रेरी बंद होने की आलोचना करते हुए बलूच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने कहा, 'खुजदार लाइब्रेरी से स्टूडेंट्स को निकालना बहुत ही चिंताजनक फैसला है।

स्पेन पर इटली की पीएम मेलोनी का फूटा गुस्सा, शेंगेन एरिया सस्पेंड करने की दी चेतावनी

विश्व केसरी

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने घोषणा की है कि रोम इटली की सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाने के लिए तैयार है। पीएम मेलोनी के इस फैसले में स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है।

पीएम मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा बयान में जोर देकर कहा, 'सेउटा से आ रही तस्वीरें हैरान करने वाली हैं और एक बार फिर दिखाती हैं कि बिना कंट्रोल वाला गैर-कानूनी इमिग्रेशन यूरोप के बॉर्डर की सुरक्षा के लिए एक पक्का खतरा है। मैंने गृह मंत्री माटेओ पियांटेडोसी से बात की है। इटली चुपचाप खड़ा होकर नहीं देखेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम संबंधित विभाग को बुला रहे हैं, और इन बैठकों के बाद हम सीमा की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए खास कदम उठाने के लिए तैयार हैं, जिसमें स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है। गैर-कानूनी इमिग्रेशन पर हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे। सीमा की रक्षा करना, मानव तस्करी को रोकना और प्रभावी तरीके से लोगों को वापस लाना इस सरकार की लाइन बनी रहेगी।' इटली के डिप्टी पीएम एंटोनियो तजानी ने भी ऐसी ही अपील की। तजानी ने स्पेन सरकार के 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पैनिश और यूरोपीय नागरिकता देने के फैसले को बहुत गलत बताया और स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने का सपोर्ट किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैं स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने के पक्ष में हूं, और मुझे मंत्री पियांटेडोसी के कामों पर पूरा भरोसा है। अनियमित और अनियंत्रित इमिग्रेशन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। सेउटा से आ रही तस्वीरें दिखाती हैं कि मैड्रिड सरकार का 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पेनिश और, इसलिए यूरोपीय नागरिकता देने का फैसला कितना गलत है और मानव तस्करी को बढ़ावा देता है।' इटली के नेताओं का यह बयान तब आया जब गुरुवार को सैकड़ों लोग तैरकर या हवा भरने वाले डिवाइस का इस्तेमाल करके मोरक्को से सेउटा के लिए ताराजल बीच पर पहुंचे। इस बीच, स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने तजानी के बयान को अनुचित बताया और घोषणा की कि उन्होंने इटली के राजदूत को तलब किया है।

जुलाई में चीन का विनिर्माण पीएमआई 49.2 प्रतिशत रहा

विश्व केसरी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के सेवा उद्योग सर्वेक्षण केंद्र और चीन फेडरेशन ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड परचेजिंग द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई में चीन का विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) 49.2 प्रतिशत था, जो पिछले महीने से 1.1 प्रतिशत अंक कम है और आर्थिक गतिविधि में मामूली गिरावट का संकेत देता है।

आंकड़ों के अनुसार उपकरण निर्माण और उच्च-तकनीकी निर्माण क्षेत्रों ने सहायक और अग्रणी भूमिका निभाना जारी रखा। उपकरण निर्माण और उच्च-तकनीकी निर्माण के लिए पीएमआई क्रमशः 51.4 प्रतिशत और 53.3 प्रतिशत रहा, जो समग्र निर्माण पीएमआई से काफी अधिक है। यह तीव्र विस्तार को बनाए रखता है और निर्माण क्षेत्र को नवाचार और सुधार की ओर प्रेरित करता है। कुछ उपकरण निर्माण क्षेत्रों में उत्पादन और मांग में अपेक्षाकृत तेजी से वृद्धि हुई। विनिर्माण उत्पादन सूचकांक और नए ऑर्डर सूचकांक क्रमशः 49.9 प्रतिशत और 48.5 प्रतिशत रहे, जो पिछले महीने से क्रमशः 1.5 और 2.7 प्रतिशत अंक कम हैं। यह विनिर्माण उत्पादन और बाजार मांग दोनों में गिरावट का संकेत देता है। इस के साथ, बाजार की उम्मीदें स्थिर रहीं। जुलाई में, विनिर्माण उत्पादन और परिचालन गतिविधि अपेक्षा सूचकांक 54.1 प्रतिशत था, जो दर्शाता है कि व्यवसाय बाजार के घटनाक्रमों को लेकर आम तौर पर आशावादी बने रहे।

चीन, तिब्बत और नेपाल में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, शुक्रवार सुबह कुछ ही घंटों में चीन, तिब्बत और नेपाल के कई हिस्सों में भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। इनमें सबसे तेज भूकंप चीन में आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 मापी गई।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में एनसीएस ने कहा, 'भूकंप की तीव्रता: 4.5, समय: 31/07/2026 01:44:06 भारतीय समय, अक्षांश: 35.259 उत्तर, देशांतर: 99.716 पूर्व, गहराई: 10 किलोमीटर, स्थान: चीन।'

इससे पहले एजेंसी ने तिब्बत में 4.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया था। पोस्ट में लिखा था, 'भूकंप की तीव्रता: 4.2, समय: 31/07/2026 00:50:07 भारतीय समय, अक्षांश: 29.068 उत्तर, देशांतर: 86.402 पूर्व, गहराई: 90 किलोमीटर, स्थान: तिब्बत।'

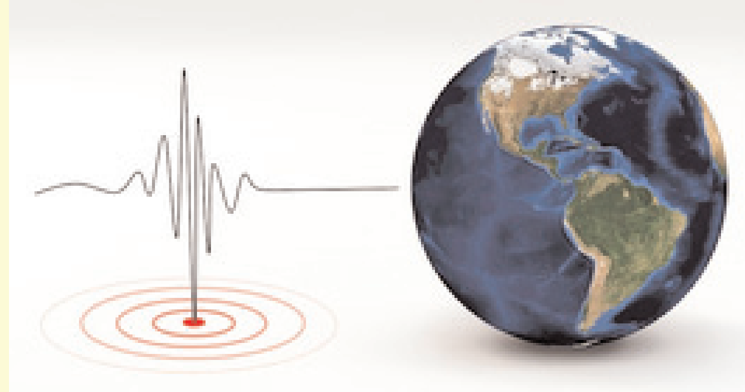

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने उपयोगकर्ताओं को यह भी परामर्श दिया, 'अधिक जानकारी के लिए भूकंप ऐप डाउनलोड करें।' भूकंपीय गतिविधि निरंतर रही और नेपाल में 3.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। एक्स पर साझा किए गए एक अन्य जानकारी के अनुसार, 'भूकंप की तीव्रता: 3.4, समय: 31/07/2026 01:18:42 भारतीय समय, अक्षांश: 27.102 उत्तर, देशांतर: 87.514 पूर्व, गहराई: 15 किलोमीटर, स्थान: नेपाल।' कुछ घंटे पहले गुरुवार की देर रात राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने तिब्बत में 4.3 तीव्रता का भूकंप भी दर्ज किया था। केंद्र ने बताया, 'भूकंप की तीव्रता: 4.3, समय: 30/07/2026 23:25:39 भारतीय समय, अक्षांश: 30.379 उत्तर, देशांतर: 85.789 पूर्व, गहराई: 130 किलोमीटर, स्थान: तिब्बत।' ये चारों भूकंप गुरुवार रात 11:25 बजे भारतीय समय से शुक्रवार प्रातः 1:44 बजे भारतीय समय के बीच आए। इसकी वजह से हिमालय क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों और पश्चिमी चीन में झटके महसूस किए गए। दर्ज की गई गहराई 10 किलोमीटर से लेकर 130 किलोमीटर तक रही। भूकंप के बाद किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की तुरंत कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। अधिकारियों ने झटकों से जुड़ी कोई सुनामी चेतावनी या इमरजेंसी सलाह जारी नहीं की है।

केसी वेणुगोपाल ने केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 जुलाई को हुए 'संसद चलो' मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कथित ज्यादतियों को लेकर लोकसभा के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर जो सवाल उठाए थे, उनका जवाब देते हुए जितेंद्र सिंह ने संसद को गुमराह किया।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी का 'फायरिंग' का आरोप और उस पर प्रतिक्रिया निचले सदन में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर बहस के दौरान सामने आई।

वेणुगोपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मैंने राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने संसद में खुलेआम झूठ बोला और दावा किया कि हमारे छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के जवाब में कोई फायरिंग नहीं हुई।'

राहुल गांधी की उस प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, 'लोकसभा नेता प्रतिपक्ष ने मीडिया के सामने पैलेट गन से घायल एक व्यक्ति से मुलाकात की। ऐसी फायरिंग के शिकार लोगों के बारे में अनगिनत मीडिया रिपोर्ट मौजूद हैं, और ऐसी फायरिंग से घायल हुए लोगों के अस्पताल के रिकॉर्ड भी सामने आए हैं। सरकार संसद में इतने साफ झूठ बोलकर बच नहीं सकती। मंत्री के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।' बाद में संसद भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए वेणुगोपाल ने कहा, 'विशेषाधिकार प्रस्ताव बिल्कुल साफ है। लोकसभा में जवाब देते हुए राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा था कि कोई गोलीबारी नहीं हुई, जबकि सोशल मीडिया पर तस्वीरें मौजूद थीं। हमारे नेता प्रतिपक्ष पहले ही एक लड़के को पैलेट गन से लगी चोटों के साफ सबूत पेश कर चुके हैं। कोई मंत्री सदन को इस तरह गुमराह कैसे कर सकता है?'

वेणुगोपाल ने कहा, 'छात्रों और पूरे देश को इस बारे में पता है, फिर भी, उन्होंने (जितेंद्र सिंह) इस बात से इनकार किया कि ऐसा कुछ हुआ था। इसी गुमराह करने वाले बयान की वजह से मैंने विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया। वेणुगोपाल का यह कदम भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को राहुल गांधी के खिलाफ नोटिस सौंपने के एक दिन बाद आया है। यह नोटिस राहुल गांधी द्वारा निचले सदन में 'पेपर लीक विरोधी बिल' पर बहस के दौरान की गई टिप्पणियों को लेकर दिया गया था।

जैसलमेर में ऊंट से टक्कर के बाद कार सवार मेजर की मौत, दो लेफ्टिनेंट घायल

विश्व केसरी

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में थैयात आर्मी इलाके के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में मेजर की मौत हो गई और दो लेफ्टिनेंट गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा जैसलमेर शहर से करीब 18 किलोमीटर दूर रात करीब 12:30 बजे हुआ, जब सेना की गाड़ी अचानक सड़क पर आए एक ऊंट से टकरा गई।

पुलिस के मुताबिक, टक्कर के बाद गाड़ी चार-पांच बार पलटी और फिर करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। मृतक अधिकारी की पहचान मध्य प्रदेश के रहने वाले मेजर हमजा आरिफ के तौर पर हुई है, जिनकी शादी सिर्फ एक महीने पहले ही हुई थी।

सदर पुलिस स्टेशन के एसएचओ जगदीश चरण के अनुसार, मेजर हमजा आरिफ अपने दो साथी अधिकारियों के साथ ड्यूटी पूरी करके आर्मी स्टेशन लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

हादसे के बाद तीनों अधिकारियों को थैयात स्थित आर्मी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मेजर हमजा को मृत घोषित कर दिया। घायल अफसरों की पहचान लेफ्टिनेंट आयुष्मान और लेफ्टिनेंट अभिनव राठौर के तौर पर हुई है। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं और वे आर्मी हॉस्पिटल में मेडिकल देखरेख में हैं। पुलिस ने बताया कि टक्कर में शामिल ऊंट की भी मौत हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और बचाव दल व सेना के जवान तुरंत दुर्घटना वाली जगह पर पहुंचे। स्थानीय पुलिस और मिलिट्री पुलिस ने इस दुर्घटना की संयुक्त जांच शुरू कर दी है। राजस्थान में रक्षा विभाग के पीआरओ, लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने कहा कि उन्हें अभी दुर्घटना की पूरी जानकारी नहीं मिली है। जानकारी मिलने पर पूरी बात बताई जाएगी। अधिकारी दुर्घटना की वजहों की जांच कर रहे हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि ऊंट सड़क पर कैसे आया और घटना से जुड़ी अन्य बातें क्या थीं।

संक्षिप्त खबर

नीट विरोध प्रदर्शन के मामले को रद्द करेगा केरल सरकार : रमेश चेन्निथला

तिरुवनंतपुरम। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने शुक्रवार को बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर दिल्ली में चल रहे आंदोलन के समर्थन में राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शनों के संबंध में दर्ज सभी पुलिस मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। मंत्री ने कहा कि विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन, तुषार गांधी और कई प्रमुख हस्तियों ने मुख्यमंत्री और गृह विभाग को मुकदमों को वापस लेने की मांग करते हुए अभ्यावेदन प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि इन अभ्यावेदनों पर कार्रवाई करते हुए उन्होंने राज्य पुलिस प्रमुख (एसपीसी) को मामलों में आगे कार्रवाई न करने का निर्देश दिया था। चेन्निथला ने कहा, 'ये सामान्य कानून व्यवस्था के मामले हैं। इनमें कोई गंभीर हिंसा या अत्याचार नहीं हुआ। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाया है, इसलिए, इन मामलों को आगे बढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं है।' गृह मंत्री ने यह भी घोषणा की कि पुलिस और जेल विभागों ने संयुक्त रूप से 'ऑपरेशन तूफान' शुरू किया है, जो जेलों के अंदर नशीले पदार्थों के खिलाफ राज्यव्यापी कार्रवाई है। खुफिया जानकारी मिलने के बाद कि कुछ कैदी जेल परिसर के भीतर नशीली दवाओं का सेवन और तस्करी कर रहे थे, तड़के 2 बजे छापेमारी शुरू हुई और जेलों में लगातार जारी रही।

उमर अब्दुल्ला और पायल के बीच आपसी सहमति से तलाक का फैसला, सुप्रीम कोर्ट ने दी मंजूरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी अलग रह रहीं पत्नी पायल ने आपसी सहमति से तलाक का फैसला किया है। शुक्रवार को उमर अब्दुल्ला के वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में यह जानकारी दी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने उमर अब्दुल्ला के वकील कपिल सिब्बल ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच सभी विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'सब कुछ तय हो चुका है और हमने कोर्ट के सामने इसके लिए अर्जी दाखिल कर दी है। कोर्ट इसको मंजूरी दे सकता है।' कपिल सिब्बल ने बताया कि उमर अब्दुल्ला ने तलाक की याचिका में कहा है कि पायल के साथ उनकी शादी पूरी तरह से टूट चुकी है और अब उसे बचाया नहीं जा सकता। इस बात पर बेंच ने कहा कि हम तय शर्तों के आधार पर इस मामले को निस्तारित कर देंगे। उमर अब्दुल्ला और पायल की शादी सितंबर 1994 में हुई थी, लेकिन वे लंबे समय से अलग रह रहे हैं। उमर की तलाक की याचिका को सबसे पहले 30 अगस्त 2016 को फैमिली कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद उमर दिल्ली हाईकोर्ट गए। हालांकि, हाईकोर्ट ने भी तलाक की अर्जी खारिज कर दी। हाईकोर्ट फैमिली कोर्ट के आदेश से सहमत था कि उमर अब्दुल्ला की ओर से पायल के खिलाफ क्रूरता के आरोप अस्पष्ट हैं। हाईकोर्ट ने कहा, 'उमर अब्दुल्ला, पायल अब्दुल्ला की ओर से क्रूरता के किसी भी कृत्य को साबित करने में विफल रहे, चाहे वह शारीरिक हो या मानसिक।'

कावेरी विवाद : कर्नाटक भाजपा और किसानों का विरोध प्रदर्शन, केआरएस बांध पर भारी पुलिस बल तैनात

विश्व केसरी

बेंगलुरु। भाजपा ने कई किसान संगठनों के साथ मिलकर शुक्रवार को श्रीरंगपट्टनम में कृष्ण राज सागर (केआरएस) बांध पर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने कावेरी नदी जल विवाद को लेकर कांग्रेस की निंदा की और मांग की कि राज्य सरकार पानी छोड़ने के हालिया आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे।

प्रदर्शनकारियों द्वारा जलाशय को घेरने की कोशिश की आशंका को देखते हुए राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए केआरएस बांध और उसके आसपास 1,500 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र, केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी कर रहे हैं। इनके साथ पार्टी के कई नेता और विभिन्न किसान संगठनों के सदस्य भी शामिल हैं।

केआरएस बांध को घेरने की प्रदर्शनकारियों की कोशिश की आशंका के बीच राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जलाशय और उसके आसपास तथा मांड्या जिले की अहम जगहों पर 1,500 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया। मीडिया से बात करते हुए मांड्या की पुलिस अधीक्षक शोभा रानी ने कहा कि सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। एसपी ने कहा, 'हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मांड्या, श्रीरंगपट्टनम और मद्दूर शहरों में सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं।'

मीडिया से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से अपील की कि वे तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़ने के आदेश के खिलाफ तुरंत सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएं।

मुथांगा मामले में 23 साल पुरानी कानूनी लड़ाई खत्म, 35 बरी और 21 दोषी पाए गए

विश्व केसरी

वायनाड। मुथंगा पुलिस फायरिंग मामले में आखिरकार कानूनी लड़ाई खत्म हो गई। वारदात के 23 साल से अधिक समय बाद शुक्रवार को वायनाड जिला प्रधान सत्र न्यायालय ने पुलिस कॉन्स्टेबल केवी विनोद की हत्या के मामले में अपना बहुप्रतीक्षित फैसला सुनाया। इसके साथ ही राज्य के सबसे लंबे समय से लंबित आपराधिक मुकदमों में से एक का न्यायिक समापन हो गया।

इस मामले में प्रिंसिपल सेशंस जज ए. अय्यूब खान ने 35 आरोपियों को बरी कर दिया, क्योंकि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ आरोप साबित करने में नाकाम रहा, जबकि 21 अन्य लोगों को दंगा करने, गैर-कानूनी तरीके से इकट्ठा होने और वन भूमि पर अतिक्रमण करने जैसे विभिन्न अपराधों का दोषी पाया गया। अदालत ने कहा कि सीबीआई हत्या की साजिश और हत्या की कोशिश के आरोप साबित करने में नाकाम रही। अदालत ने पाया कि केरल आर्म्ड पुलिस की चौथी बटालियन के कॉन्स्टेबल विनोद की हत्या दूसरे आरोपी अशोकन ने की थी, जिसकी मुकदमे के दौरान मौत हो गई। हत्या के लिए जिम्मेदार एकमात्र आरोपी के अब जीवित न होने के कारण, इस हत्या के लिए अब कोई सजा नहीं सुनाई जा सकती। बाकी सजाएं सिर्फ हिंसा से जुड़े अपराधों के लिए हैं। यह मामला 19 फरवरी, 2003 को एके एंटनी सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए पुलिस ऑपरेशन से जुड़ा है। इस ऑपरेशन का मकसद उन सैकड़ों आदिवासी परिवारों को हटाना था, जिन्होंने 'आदिवासी गोत्र महा सभा' (एजीएमएस) के बैनर तले मुथंगा वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी के अंदर जमीन पर कब्जा कर लिया था।

कांशीराम समेत महापुरुषों के नाम वाले जिलों के भी बहाल हों पुराने नाम : मायावती

विश्व केसरी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने भदोही का नाम फिर से संत रविदास नगर किए जाने पर उत्तर प्रदेश सरकार का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि बसपा सरकार के दौरान महापुरुषों के नाम पर बनाए गए जिन जिलों के नाम बाद में बदल दिए गए थे, उन्हें भी बहाल किया जाना चाहिए।

उन्होंने सरकार से मान्यवर कांशीराम समेत अन्य महापुरुषों के नाम वाले जिलों के पुराने नाम 9 अक्टूबर से पहले या उसी दिन बहाल करने की मांग की। बीएसपी प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जैसा कि मीडिया की खबरों से सर्वविदित है कि यूपी की वर्तमान सरकार ने बीएसपी सरकार द्वारा भदोही को राज्य मुख्यालय का दर्जा देते हुए संत रविदास नगर के नाम से नया जिला बनाया था और जिसे समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार ने अपनी संकीर्ण जातिवादी मानसिकता के तहत बदल दिया था, इसे अब फिर से संत रविदास नगर जिला स्थापित कर दिया है, जिसके लिए पार्टी राज्य सरकार की आभारी है। उन्होंने कहा कि वास्तव में बीएसपी की यूपी में रही चारों सरकारों में प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने व आम जनहित को बेहतर बनाने के मद्देनजर अनेकों नए जिले, तहसील, विकास खंड तथा पुलिस जोन व रेंज आदि बनाए गए और उनमें से कई जिलों के नाम दलित व अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) में समय-समय में जन्मे महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों के नाम पर रखे गए और इसी क्रम में संत रविदास नगर व छत्रपति शाहूजी महाराज नगर व भीम नगर आदि अनेकों नए जिले बने, जिनके नाम सपा सरकार ने केवल अपनी जातिवादी सोच, द्वेष व संकीर्ण राजनीति के कारण बदल दिए, जिसको लोग कभी भी भुला नहीं पाएंगे। मायावती ने कहा कि इतना ही नहीं, बल्कि ब्रज क्षेत्र में कासगंज इलाके के समुचित विकास हेतु कासगंज को जिला मुख्यालय का दर्जा देते हुए कांशीराम के नाम पर नया जिला बनाया गया, जिसका भी नाम सपा सरकार ने अपने पीडीए-पिछड़ा दलित व अल्पसंख्यक विरोधी रवैयों के कारण बदल दिया।

तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु राज्य विपणन निगम के कामकाज में कथित अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को अग्रिम जमानत दे दी। कोर्ट के इस फैसले के बाद सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी पर रोक लग गई है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को यह राहत दी। बालाजी ने मद्रास हाईकोर्ट की ओर से अग्रिम जमानत देने से इनकार करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

सेंथिल बालाजी की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सत्ता परिवर्तन के चलते सरकार का कोर्ट में रुख बदल गया है और अब वह याचिकाकर्ता को गिरफ्तार करना चाहते हैं। इस नए हलफनामे के आधार पर ही मद्रास हाईकोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया।

तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील गुरु कृष्णकुमार ने अग्रिम जमानत का विरोध किया। वकील ने कहा कि मंत्री होने के कारण बालाजी के खिलाफ सही ढंग से जांच नहीं हो सकी। अब भी अगर वह जेल से बाहर रहते हैं तो जांच व गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि अब वह मंत्री नहीं है। सरकार निष्पक्ष जांच करे, अगर वह दोषी पाए जाते हैं तो परिणाम भुगतना होगा। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने सेंथिल बालाजी को अपना पासपोर्ट जमा करने, जांच में सहयोग देने और जांच व गवाहों को प्रभावित न करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी। यह मामला 2021 से 2025 के बीच तमिलनाडु राज्य विपणन निगम में ट्रांसपोर्ट कॉन्ट्रैक्ट, बार लाइसेंस और अन्य प्रशासनिक फैसलों में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। इस दौरान बालाजी तमिलनाडु के निषेध और आबकारी मंत्री भी रहे थे।

सड़क हादसों से लड़ेगा एआई, आईआईटी की बिम्सटेक देशों के साथ नई पहल

नई दिल्ली। सड़क दुर्घटनाओं में हर साल लाखों लोगों की जान जाती है। अब इस चुनौती से निपटने के लिए एआई का उपयोग किया जा रहा है। इसी सोच के साथ आईआईटी मद्रास ने पहली बार बिम्सटेक एआई रोड सेफ्टी हैकाथॉन 2026 का आयोजन किया।

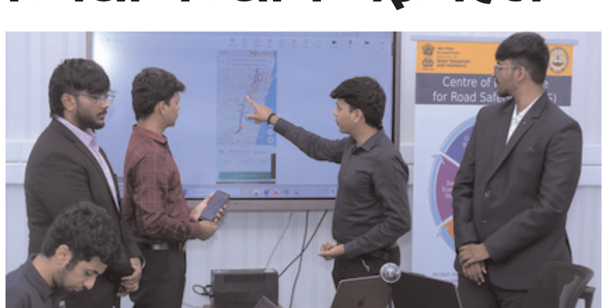

इसमें भारत समेत सात देशों के युवा दिमागों ने सड़क सुरक्षा के लिए ऐसे डिजिटल समाधान तैयार किए, जो भविष्य में लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। आईआईटी मद्रास के सड़क सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र द्वारा आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय हैकाथॉन में भारत के अलावा बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड के छात्र, इंजीनियर और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। यह आयोजन सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के संरक्षण में आईआईटी मद्रास परिसर में हुआ। बिम्सटेक क्षेत्र की आबादी करीब 1.8 अरब है। इस पूरे क्षेत्र में हर साल लगभग 2 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवा देते हैं। यही वजह है कि आईआईटी मद्रास ने सड़क सुरक्षा के लिए तकनीक आधारित समाधान खोजने की दिशा में यह अंतरराष्ट्रीय पहल शुरू की है।

भोगपुरम हवाई अड्डे के उद्घाटन के लिए मंच तैयार

विश्व केसरी

विशाखापत्तनम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगपुरम में अल्लूरी सीताराम राजू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के लिए मंच तैयार है। प्रधानमंत्री सुबह करीब 11 बजे भोगपुरम पहुंचेंगे और यात्री टर्मिनल भवन का जायजा लेंगे।

सुबह करीब 11:30 बजे वे हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। वे भोगपुरम में 17,900 करोड़ रुपए से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे, उनका उद्घाटन करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे और इस अवसर पर सभा को भी संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू और वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 5,640 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकसित, इस ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे को प्रति वर्ष 6 मिलियन यात्रियों को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। इस हवाई अड्डे से आंध्र प्रदेश में पर्यटन, व्यापार, निवेश और रोजगार सृजन को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही क्षेत्र में हवाई संपर्क भी मजबूत होगा। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यात्री टर्मिनल भवन को आधुनिक, सुगम और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। हवाई अड्डे में परिचालन दक्षता बढ़ाने और भविष्य की विमानन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्नत बुनियादी ढांचा, अत्याधुनिक तकनीक और टिकाऊ विशेषताएं शामिल की गई हैं। हवाई अड्डे को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग (बीआईएम), एयरसाइड 4.0 तकनीक, एयरपोर्ट प्रेडिक्टिव ऑपरेशंस सेंटर (एपीओसी), बायोमेट्रिक यात्री प्रसंस्करण, स्वचालित बैगेज हैंडलिंग सिस्टम और इंटेलिजेंट ऑपरेशनल मॉनिटरिंग सॉल्यूशंस जैसी उन्नत तकनीकों से सुसज्जित किया गया है।

आईबीएम और सर्वम ने किया साझेदारी का ऐलान, भारत में एआई इकोसिस्टम को मिलेगी मजबूती

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिग्गज अमेरिकी टेक कंपनी आईबीएम और भारतीय एआई स्टार्टअप सर्वम ने भारत में सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों के विकास और अपनाने में तेजी लाने के लिए शुक्रवार को साझेदारी का ऐलान किया। यह विशेष रूप से सरकारी एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों और विनियमित उद्यमों पर केंद्रित होगी।

इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां नागरिक सेवाओं, शिकायत निवारण, दस्तावेज प्रसंस्करण और प्रशासनिक कार्यप्रवाह (वर्कफ्लो) जैसे उपयोग मामलों के लिए सॉवरेन एआई तकनीकों को संयुक्त रूप से पेश करेंगी और पायलट परियोजनाएं संचालित करेंगी।

यह सहयोग आईबीएम के विशेष रूप से सॉवरेन आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किए गए एआई सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म 'आईबीएम सॉवरेन कोर' को सर्वम के 'इंडिया-फर्स्ट' सॉवरेन एआई स्टैक के साथ जोड़ेगा। सर्वम के इस एआई स्टैक में भारत में विकसित और प्रशिक्षित रीजनिंग मॉडल, बहुभाषी भाषा मॉडल और वॉयस एआई तकनीक शामिल हैं।

दोनों कंपनियों का संयुक्त समाधान संगठनों को डेटा, गवर्नेंस, सुरक्षा और अनुपालन पर अधिक नियंत्रण बनाए रखते हुए भारत की नियामकीय और परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप एआई लागू करने में मदद करेगा।

इसके अलावा, इस पहल का उद्देश्य इनोवेशन पायलट, सॉल्यूशन एक्सेलेरेटर, तकनीकी सलाहकार सेवाओं और ज्ञान-साझाकरण कार्यक्रमों के माध्यम से सॉवरेन एआई को तेजी से अपनाने को बढ़ावा देना है।

लखनऊ स्थित आईबीएम गॉवटेक एआई इनोवेशन सेंटर संयुक्त इनक्यूबेशन और डेमोंस्ट्रेशन हब के रूप में कार्य करेगा। यहां सरकारी विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन और उद्यम बड़े पैमाने पर तैनाती से पहले सॉवरेन एआई के व्यावहारिक उपयोग, तकनीकी, परिचालन और गवर्नेंस संबंधी आवश्यकताओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।

आईबीएम सॉफ्टवेयर इंडिया और सॉफ्टवेयर इनोवेशन लैब के जनरल मैनेजर श्रीराम राघवन ने कहा, 'सॉवरेन एआई केवल इस बात तक सीमित नहीं है कि एआई कहां संचालित होता है।

इसका उद्देश्य संगठनों को यह नियंत्रण देना है कि एआई का संचालन, प्रबंधन और तैनाती कैसे की जाए।' उन्होंने कहा कि आईबीएम सॉवरेन कोर एक एंटरप्राइज-ग्रेड प्लेटफॉर्म है, जिसे सरकारों और विनियमित उद्यमों को गवर्नेंस, सुरक्षा और अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करते हुए बड़े पैमाने पर एआई लागू करने में सहायता के लिए तैयार किया गया है।

एप्पल लागत दबाव के बाद भी दूसरी स्मार्टफोन कंपनियों से कर सकता है बेहतर प्रदर्शनः एक्सपर्ट्स

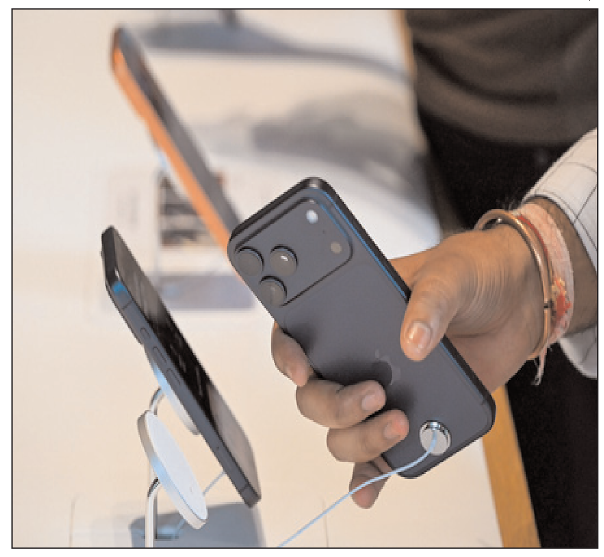

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रिकॉर्ड जून तिमाही नतीजों के बाद इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि मजबूत इकोसिस्टम, बेहतर प्राइसिंग क्षमता और बेहतर ग्राहक आधार के दम पर एप्पल बढ़ती कंपोनेंट लागत के दबाव के बावजूद व्यापक स्मार्टफोन उद्योग की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करेगा।

साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) में इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रमुख प्रभु राम के अनुसार, एप्पल ने जून तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया। आईफोन और मैक से रिकॉर्ड राजस्व और मेमोरी लागत में लगातार बढ़ोतरी के बावजूद मजबूत ग्रॉस मार्जिन ने कंपनी के नतीजों को सहारा दिया।

राम ने कहा, 'एप्पल का मजबूत इकोसिस्टम, प्राइसिंग पावर और लॉयल ग्राहक आधार उसे एंड्रॉयड ओईएम कंपनियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देता है। वहीं, अधिकांश एंड्रॉयड निर्माता बढ़ती कंपोनेंट लागत के बीच मार्जिन बचाने और बिक्री की मात्रा बनाए रखने की दोहरी चुनौती का सामना कर रहे हैं।'

हालांकि, उन्होंने कहा कि इन्वेंट्री मैनेजमेंट और सप्लाई चेन दक्षता के जरिए बढ़ती मेमोरी लागत को संभालने की एप्पल की क्षमता अब सीमित होती जा रही है। साथ ही, सर्विसेज और ग्रेटर चाइना से होने वाली आय पर भी नजर बनाए रखने की जरूरत है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने कहा कि भारत में एप्पल ने एक और रिकॉर्ड राजस्व वाली तिमाही दर्ज की।

मैक इस दौरान सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला उत्पाद रहा, जिसे मैकबुक नियो की मजबूत मांग का लाभ मिला। वहीं, सप्लाई बाधाओं के बावजूद आईफोन 17 सीरीज की मांग भी मजबूत बनी रही।

उन्होंने अनुमान जताया कि कैलेंडर वर्ष 2026 में भारत में एप्पल की बिक्री मात्रा में एकल अंक की वृद्धि होगी, जबकि मूल्य के लिहाज से दोहरे अंक की बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मेमोरी कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के चलते आईफोन की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना काफी अधिक है।

पाठक ने कहा, 'मजबूत ग्राहक आधार और सिरी एआई को मिली शुरुआती सकारात्मक प्रतिक्रिया के चलते एप्पल अपने प्रमुख हार्डवेयर उत्पादों की सभी श्रेणियों में उद्योग से बेहतर प्रदर्शन करने की स्थिति में है।'

इस बीच, एप्पल ने जून तिमाही में 109.4 अरब डॉलर का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। वहीं, प्रति शेयर डाइल्यूटेड आय 29 प्रतिशत बढ़कर 2.02 डॉलर पर पहुंच गई। एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने कहा कि सप्लाई चेन से जुड़ी चुनौतियों और विदेशी मुद्रा विनिमय दरों के प्रतिकूल प्रभाव के बावजूद कंपनी ने भारत समेत सभी भौगोलिक क्षेत्रों में जून तिमाही के लिए रिकॉर्ड राजस्व हासिल किया।

शारीरिक और मानसिक शांति के लिए करें योगमुद्रासन, जानें इसके लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की व्यस्त जीवनशैली में जहां तनाव, कब्ज और पीठ दर्द जैसी शारीरिक समस्याएं आम हो रही हैं, वहां योगमुद्रासन एक संजीवनी की तरह काम करता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर के साथ-साथ मस्तिष्क संतुलित रहता है।

यह एक ऐसी योग मुद्रा है, जिसे दो शब्दों 'योग', यानी 'जोड़ना', और 'मुद्रा', यानी 'प्रतीक', से मिलकर बनाया गया है, जबकि अंग्रेजी में इसे 'साइकिक यूनियन पोज' कहते हैं, जिसका हिन्दी भाषा में अर्थ 'मानस को जोड़ना' होता है। योग मुद्रासन, असल में, शरीर और मन के बीच अंतर को मिटाकर सामंजस्य स्थापित करने वाला योगासन है।

इस आसन करने के दौरान शरीर ध्यान, समर्पण और आंतरिक शांति की स्थिति में जाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने योगासन को लेकर कुछ गाइडलाइन्स दिए हैं, जिसके अनुसार,

यह पेट के अंगों को सक्रिय, पाचन में सुधार और मन को शांत करने में मदद करता है। इसके अभ्यास से पेल्विक मसल्स मजबूत होती और महिलाओं में प्रजनन अंगों से संबंधित समस्याओं को कम किया जा सकता है।

लंबे समय तक इस आसन का अभ्यास करने से शरीर और दिमाग में स्थिरता और एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही, यह मणिपुर चक्र (मानव शरीर के सात मुख्य चक्रों में से तीसरा ऊर्जा केंद्र है, जो आत्मविश्वास, पाचन और अग्नि तत्व से जुड़ा) को सक्रिय और स्टिम्युलेट करता है, जिससे शरीर में प्राणिक ऊर्जा को नियंत्रित करता है।

इस आसन को करना बेहद आसान है, जिसे करने के लिए सबसे साधक पद्मासन की स्थिति में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हाथों को कलाई को पीछे की ओर ले जाकर पकड़ें या पैरों के अंगूठे को पकड़ें। लंबी गहरी सांस लेते और छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें। अपने माथे को जमीन पर स्पर्श कराने का प्रयास करें और शरीर को ढीला छोड़ दें। सामान्य: सांस लेते हुए कुछ सेकंड रुकें, फिर सांस लेते हुए वापस शुरुआती स्थिति में आएं।

शुरू में इस आसन को करने के लिए किसी एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें। कुछ दिनों के अभ्यास के बाद यह आसन करना काफी आसान हो जाता है। रीढ़ की हड्डी और पैरों सहित लगभग पूरा शरीर इस आसन में शामिल होता है, इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से यह शरीर के विभिन्न अंगों के लिए फायदेमंद होता है।

वर्ष 2029 तक एआई से निकाले गए निष्कर्ष बनेंगे निजता के लिए सबसे बड़ा खतरा, डेटा चोरी से भी अधिक बढ़ेगा जोखिमः रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वर्ष 2029 तक अधिकांश निजता (प्राइवेसी) से जुड़ी घटनाएं सीधे व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी (पीआईआई) की चोरी या लीक होने के बजाय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा लोगों के बारे में निकाले गए निष्कर्षों (एआई-जेनरेटेड इन्फ्रेंसेज) के कारण होंगी। यह जानकारी रिसर्च एवं एडवाइजरी फर्म गार्टनर की एक नई रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, जेनरेटिव एआई और मशीन लर्निंग में तेजी से हो रही प्रगति के कारण साइबर हमलावर अब सामान्य, अनाम या एकत्रित डेटा से भी किसी व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति, व्यवहार संबंधी पैटर्न और अन्य संवेदनशील जानकारियों का अनुमान लगाने में सक्षम हो रहे हैं। यानी, भले ही किसी व्यक्ति का निजी डेटा सीधे लीक न हुआ हो, एआई उसके बारे में कई अहम निष्कर्ष निकाल सकता है।

गार्टनर के वाइस प्रेसिडेंट एनालिस्ट बार्ट विलेमसन ने कहा कि

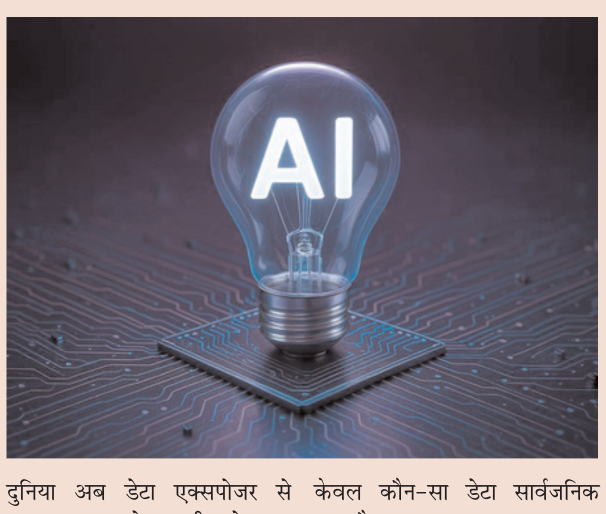

दुनिया अब डेटा एक्सपोजर से इनसाइट एक्सपोजर की ओर बढ़ रही है।

अब तक कंपनियां मुख्य रूप से व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित रखने पर ध्यान देती थीं, लेकिन एआई बिना पारंपरिक सुरक्षा तंत्र को तोड़े भी लोगों के बारे में बेहद निजी जानकारियों का अनुमान लगा सकता है।

ऐसे में भविष्य में निजता से जुड़े जोखिम इस बात से अधिक पैदा होंगे कि एआई किसी व्यक्ति के बारे में क्या निष्कर्ष निकालता है, न कि केवल कौन-सा डेटा सार्वजनिक हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इनफरेंस अटैक विशेष रूप से खतरनाक होते हैं, क्योंकि इन्हें पारंपरिक साइबर सुरक्षा प्रणालियों से पहचानना बेहद मुश्किल होता है।

ऐसे मामलों में किसी व्यक्ति का डेटा लीक नहीं होता, बल्कि एआई उसके बारे में ऐसे निष्कर्ष तैयार कर देता है जो उसकी निजता और डेटा की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकते हैं, जिन्हें समझना, पहचानना और रोकना भी काफी चुनौतीपूर्ण होता है।

गार्टनर का अनुमान है कि 2028 तक कंपनियां डेटा की गोपनीयता पर जितना खर्च करेंगी, लगभग उतना ही निवेश डेटा की अखंडता सुनिश्चित करने पर भी करेंगी। इसका कारण एआई द्वारा तैयार की गई गलत, पक्षपातपूर्ण या अनधिकृत प्रोफाइल से बढ़ता जोखिम होगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जो संस्थाएं अभी भी निजता को केवल डेटा सुरक्षा का विषय मानकर चल रही हैं, वे आने वाले वर्षों में एआई आधारित इनफरेंस से जुड़े जोखिमों के प्रति अधिक संवेदनशील होंगी।

इसलिए, कंपनियों को अपनी प्राइवेसी रणनीति में एआई गवर्नेंस को शामिल करना चाहिए और डिफरेंशियल प्राइवेसी, सिंथेटिक डेटा जैसी प्राइवेसी बढ़ाने वाली तकनीकों को अपनाने के साथ-साथ डेटा संग्रह को न्यूनतम रखने, सख्त एक्सेस कंट्रोल लागू करने और समय पर डेटा हटाने जैसी प्रक्रियाओं को मजबूत करना चाहिए, ताकि एआई-आधारित अनुमान लगाने वाले हमलों की संभावना कम की जा सके।

विश्व स्तनपान सप्ताह 2026: मां का दूध ही नवजात के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा कवच

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक दुनिया भर में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ, विभिन्न देशों के स्वास्थ्य मंत्रालय और कई सामाजिक संगठन मिलकर आगे बढ़ाते हैं। इसका मकसद सिर्फ मां को स्तनपान के लिए प्रेरित करना नहीं, बल्कि ऐसा माहौल तैयार करना भी है, जहां हर महिला बिना किसी परेशानी के अपने बच्चे को स्तनपान करा सके।

विश्व स्तनपान सप्ताह 2026 की थीम है - 'जीवन की सस्टेनेबल शुरुआत के लिए स्तनपान: जो तरीका कारगर है, उसे और मजबूत करें।' यानी जीवन की बेहतर और टिकाऊ शुरुआत के लिए उन उपायों को और मजबूत बनाना जो पहले से असरदार साबित हो चुके हैं।

डॉक्टरों की मानें तो जन्म के एक घंटे के भीतर बच्चे को मां का पहला दूध जरूर पिलाना चाहिए। इसे कोलोस्ट्रम कहा जाता है। यह गाढ़ा पीला दूध बच्चे के लिए किसी प्राकृतिक वैक्सीन से कम नहीं होता। इसमें ऐसे पोषक तत्व और एंटीबॉडी होते हैं, जो नवजात को कई तरह के संक्रमण और बीमारियों से बचाने में मदद करती हैं।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, मां का दूध बच्चे के लिए सबसे सुरक्षित और पौष्टिक आहार है। इसके बावजूद आज भी दुनिया में छह महीने से कम उम्र के आधे से भी कम बच्चों को केवल मां का दूध मिल पाता है, जोकि चिंता का विषय है, क्योंकि जन्म के बाद शुरुआती छह महीने तक सिर्फ मां का दूध ही बच्चे के स्वस्थ विकास और मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए सबसे जरूरी माना जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर मां को सही जानकारी, परिवार का साथ और स्वास्थ्य सेवाओं का सहयोग मिले तो स्तनपान की दर में काफी सुधार हो सकता है। कई शोध बताते हैं कि अस्पतालों, घर और समुदाय में सही परामर्श मिलने पर केवल मां का दूध पिलाने की दर में करीब 58 प्रतिशत तक बढ़ोतरी देखी गई है।

इसी तरह बेबी-फ्रेंडली हॉस्पिटल इनिशिएटिव भी काफी प्रभावी साबित हुआ है। इसमें अस्पतालों को ऐसी व्यवस्था अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे मां को बच्चे के जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरू कराने में मदद मिले। अध्ययनों में पाया गया कि इस पहल को अपनाने वाले अस्पतालों में छह महीने तक केवल मां का दूध पिलाने की दर में 45 प्रतिशत तक वृद्धि हुई, जबकि लंबे समय तक स्तनपान जारी रखने के मामलों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई।

जागरूकता फैलाने में मीडिया की भूमिका भी अहम मानी गई है। टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया और जन-जागरूकता अभियानों को जब स्वास्थ्य परामर्श और सामुदायिक कार्यक्रमों के साथ जोड़ा गया तो स्तनपान की दर में करीब 17 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई।

शोधः मधुमेह से एमडीआर टीबी मरीजों में मौत का खतरा ज्यादा

विश्व केसरी ■

लखनऊ। बहु दवा प्रतिरोधी (एमडीआर) टीबी से जूझ रहे मरीजों के इलाज में नई चुनौती सामने आई है। एमडीआर टीबी के साथ टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित मरीजों पर टीबी की दवाओं का असर काफी धीमा होता है। इससे संक्रमण खत्म होने में अधिक समय लगता है। ऐसे में लंबे समय तक इलाज चलने के कारण दोनों बीमारियों से ग्रसित मरीजों में मौत का जोखिम बढ़ जाता है।

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में हुए अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है। इसे वर्ल्ड जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन में स्थान मिला है। केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के वर्ष 2023 से 2024 के बीच हुए अध्ययन में 264 एमडीआर टीबी मरीजों को शामिल किया गया। इसमें 155 पुरुष और 109 महिलाएं थीं। जिसमें 61 मरीज टाइप-2 मधुमेह, 66 प्री-डायबिटीज (बॉर्डरलाइन मधुमेह) और 137 रोगी मधुमेह रहित थे। इन्हें तीन समूहों में बांटने के बाद सभी मरीजों को मुंह से ली जाने वाली टीबी की दवाएं दी गईं।

प्रो. सूर्यकांत
डॉ. ज्योति बाजपेयी

इलाज के दौरान समय-समय पर उनकी बलगम जांच और सेहत में सुधार की निगरानी की गई। शोध में पाया गया कि मधुमेह पीड़ित मरीजों के फेफड़ों में अन्य रोगियों की तुलना गंभीर संक्रमण और टीबी के ज्यादा जीवाणु मौजूद थे। जीवाणुओं में दवा प्रतिरोध बढ़ाने वाले आईएनएचए और केएटीजी जीन में म्यूटेशन मिला। इलाज के नतीजों की तुलना में सामने आया कि मधुमेह मरीजों की बलगम जांच निगेटिव होने में सबसे अधिक 133 दिन लगे। वहीं, प्री-डायबिटीज मरीजों में 113 और गैर-मधुमेह रोगियों की जांच रिपोर्ट सिर्फ 97 दिन में सामान्य हो गई।

शोध में पता चला कि मधुमेह के साथ प्री-डायबिटीज भी एमडीआर टीबी का इलाज प्रभावित करती है। केजीएमयू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के संस्थापक प्रभारी प्रो. सूर्यकांत के मुताबिक, भारत में टीबी और मधुमेह तेजी से बढ़ रही गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियां हैं। एमडीआर टीबी में मधुमेह एक बड़ा जोखिम कारक है। इसलिए इस बीमारी से पीड़ित मरीज की मधुमेह और प्री-डायबिटीज जांच जरूरी है। मरीजों की निगरानी और दोनों बीमारियों का एक साथ इलाज होने से बेहतर नतीजे मिल सकते हैं।

कॉफी का सहारा, मीठे की चाह और बेवजह गुस्सा... कहीं कम नींद तो नहीं इसकी वजह?

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर नींद पूरी नहीं हो पाती। शुरुआत में इसका असर सिर्फ थकान के रूप में दिखाई देता है लेकिन धीरे-धीरे शरीर कई ऐसे संकेत देने लगता है, जिन्हें नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। कई बार हमें लगता है कि बार-बार चाय या कॉफी की जरूरत, बिना वजह गुस्सा आना या मीठा खाने का मन करना सामान्य बात है लेकिन ये शरीर के ऐसे संकेत हो सकते हैं, जो बता रहे हैं कि उसे आराम की जरूरत है।

दरअसल, नींद केवल शरीर को आराम देने का समय नहीं है बल्कि इस दौरान शरीर खुद को ठीक करने, ऊर्जा वापस लाने और दिमाग को व्यवस्थित करने का काम करता है। जब नींद पूरी नहीं होती तो इसका असर हमारी सोच, मूड, भूख और रोगों से लड़ने की क्षमता पर भी पड़ सकता है।

अगर सुबह उठते ही या दिनभर काम करने के लिए बार-बार चाय या कॉफी का सहारा लेना पड़ता है, तो यह कम नींद का संकेत हो सकता है। कैफीन कुछ समय के लिए दिमाग को सक्रिय महसूस करा देती है, जिससे नींद और थकान का एहसास कम होता है लेकिन यह शरीर को वह आराम नहीं दे सकती, जो अच्छी नींद से मिलता है। कई लोगों को नींद पूरी न होने पर अचानक मीठी चीजें, फास्ट फूड या ज्यादा कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें खाने की इच्छा होने लगती है। इसकी वजह शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव होते हैं। वहीं, कम नींद के कारण भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन प्रभावित होते हैं। ऐसे में शरीर जल्दी ऊर्जा देने वाली चीजों की मांग करने लगता है। इसके अलावा जब दिमाग थका हुआ होता है तो खाने को लेकर खुद पर नियंत्रण रखना भी मुश्किल महसूस होता है।

अगर पहले की तुलना में अब छोटी बातों पर ज्यादा गुस्सा आने लगा है या मन जल्दी खराब हो जाता है, तो इसके पीछे नींद की कमी भी एक वजह हो सकती है।

रोहित टोकसः चुभी स्कूल में सहपाठी से मिली हार, इंजरी भी नहीं तोड़ सकी हौसला, कॉमनवेल्थ गेम्स में लगाया ब्रॉन्ज मेडल पर 'पंच'

एजेंसी ■

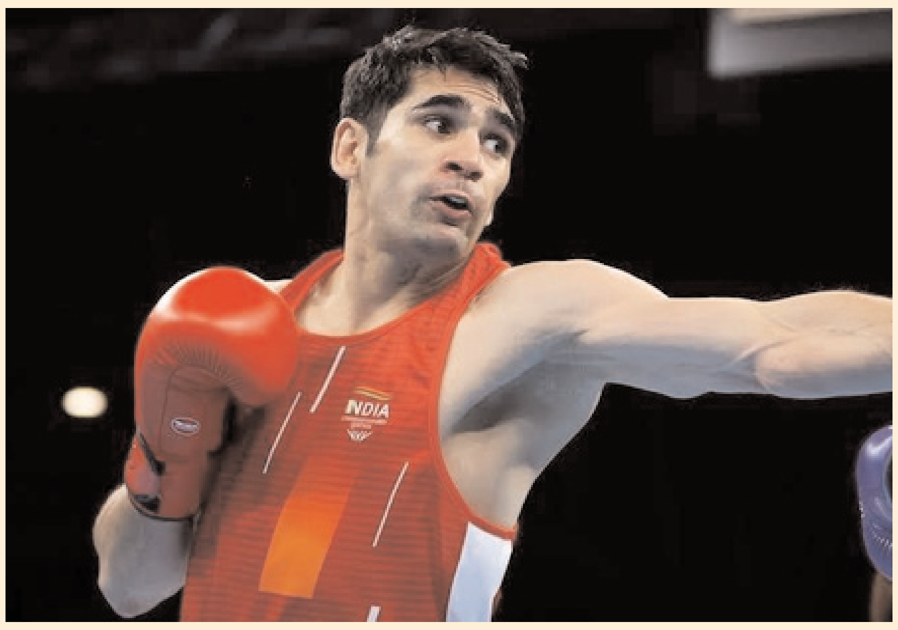

नई दिल्ली। भारतीय बॉक्सर रोहित टोकस अब किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज मेडल पर 'पंच' लगाते हुए उन्होंने विश्व स्तर पर अपनी काबिलियत को साबित किया। हालांकि, रोहित ने बॉक्सिंग की रिंग में उतरने का फैसला स्कूल में सहपाठी के खिलाफ मिली हार के बाद किया।

रोहित टोकस का जन्म 1 अगस्त, 1993 को दिल्ली के मुनीरका में हुआ। रोहित बचपन में अपने भाइयों संग लड़ते-झगड़ते रहते थे। रोहित के घर के पास ही एक बॉक्सिंग अकादमी थी, जहां बिना कोई पैसा लिए ट्रेनिंग दी जाती थी। रोहित के पिता ने सभी भाइयों को इस अकादमी में ट्रेनिंग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और उनकी यह पहल रंग भी लाई। रोहित ने अपने भाइयों के साथ अकादमी जाना शुरू कर दिया। हालांकि, एक से दो साल ट्रेनिंग करने के बाद उन्होंने बॉक्सिंग छोड़ तैराकी शुरू कर दी।

रोहित का स्कूल बदला, तो कक्षा में उनकी मुलाकात एक सहपाठी से हुई, जो बॉक्सिंग की प्रैक्टिस किया करता था। रोहित ने अपने सहपाठी को 'शैडो बॉक्सिंग' करते देखा चैलेंज कर दिया। हालांकि, रोहित को इस मुकाबले में करारी हार मिली और यह हार उनको अंदर तक चुभ गई। रोहित अगले कुछ दिन स्कूल नहीं गए और उन्होंने दोबारा से बॉक्सिंग कोचिंग शुरू कर दी। रोहित ने सहपाठी बॉक्सर को बॉक्सिंग रिंग में हराने की ठानी। रोहित दिन-रात प्रैक्टिस करने में जुट गए और उन्होंने दिल्ली राज्य चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। दो महीने जबरदस्त ट्रेनिंग करने के बाद रोहित अपने स्कूल के उसी सहपाठी को रिंग में हराकर चैंपियन बने।

साल 2010 में भारत में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान रोहित ने बॉक्सिंग में अपने करियर बनाने का फैसला किया। 2011 में रोहित ने नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जिसके बाद उन्हें नेशनल शिविर में जगह मिल गई। इसी साल रोहित ने क्यूबा युवा ओलंपिक में हिस्सा लिया और सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

बुलंदियों की तरफ बढ़ते रोहित के करियर पर चोटों ने ग्रहण सा लगा दिया। साल 2018 में घुटने की चोट के कारण वह क्वालीफाई करने के बावजूद एआईबीए वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले सके। रोहित सर्जरी से गुजरे, लेकिन इसके बाद वह एक संक्रमण की चपेट में आ गए, जिसके कारण उन्हें एक और सर्जरी से गुजरना पड़ा। पूरी तरह से इंजरी से उबरने के बाद रोहित ने टोक्यो ओलंपिक के लिए तैयारी शुरू की। नेशनल चैंपियनशिप में रोहित ने शानदार प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ओलंपिक टिकट के सबसे बड़े दावेदार नजर आ रहे आशीष कुमार को हराकर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा। हालांकि, सेमीफाइनल में एक बार फिर उनका वही घुटना दोबारा से चोटिल हो गया। वह नेशनल चैंपियन तो बने, लेकिन चोट ने गंभीर रूप ले लिया।

ओलंपिक में खेलने का सपना टूटने के बाद रोहित कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में उतरे। हालांकि, टूर्नामेंट के पहले मुकाबले से पहले रोहित के उसी घुटने में एक बार फिर चोट लग गई, जिसके कारण वह लंबे समय तक बाहर रहे थे। रोहित हर हाल में खेलना चाहते थे और भारत का प्रतिनिधित्व करने का यह मौका जाने नहीं देना चाहते थे। रोहित के फिजियोथेरेपिस्ट ने उनके घुटने पर काम किया, लेकिन पैर पर टैप लगाने की वजह से गंभीर फोड़े निकल आए, जिनका दर्द असहनीय था। हालांकि, इन तमाम तरह के दर्द को नजरअंदाज करते हुए रोहित रिंग में उतरे और उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

इमेशा दुलानी की शतकीय पारी, श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

दांबुला। श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 6 विकेट से हराया। श्रीलंका के रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान से मिले 177 रनों के लक्ष्य को श्रीलंका ने 19 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल किया। श्रीलंका की ओर से इमेशा दुलानी ने नाबाद शतकीय पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत दमदार रही। पहले विकेट के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू और इमेशा दुलानी ने मिलकर 78 रन जोड़े। अटापट्टू ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों में 39 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि, विश्मी गुणरत्ने बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और महज 3 रन बनाकर आउट हुईं।

हर्षिता समरविक्रमा सिर्फ 7 रन ही बना सकीं, जबकि कविशा दिलहारी 11 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। हालांकि, इमेशा ने एक छोर संभाले रखा और उन्होंने 64 गेंदों में 101 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस इनिंग में इमेशा ने 17 चौके और एक छक्का लगाया। इमेशा के आगे पाकिस्तान की गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दीं और वह टीम को जीत दिलाकर लौटीं। गेंदबाजी में पाकिस्तान की ओर से नाशरा संधू ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए।

इससे पहले, पाकिस्तान को मुनीबा अली और शवाल जुल्फिकार ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े। मुनीबा ने तेज तर्रार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 42 रन बनाए। इसके बाद शवाल ने दूसरे विकेट के लिए इमान नसीर संग मिलकर 61 रन जोड़े। इमान 21 रन बनाकर आउट हुईं।

वहीं, शवाल जुल्फिकार ने 41 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए। हालांकि, शवाल के आउट होने के बाद पाकिस्तान ने गुच्छों में विकेट गंवाए और टीम अच्छी शुरुआत के बावजूद 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 176 रन ही बना सकी। गेंदबाजी में श्रीलंका की तरफ से कविशा दिलहारी ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि काव्या कविंदी और चमोदी प्रबोदा ने एक-एक विकेट झटका।

वनडे विश्व कप 2027 की सह-मेजबानी जिम्बाब्वे के लिए बहुत बड़ा सम्मानः तवेंग्वा मुकुहलानी

विश्व केसरी ■

हरारे। वनडे विश्व कप 2027 का आयोजन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होना है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रमुख तवेंग्वा मुकुहलानी ने शुक्रवार को कहा कि विश्व कप का सह-मेजबान होना हमारे लिए बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह अवसर वैश्विक क्रिकेट टूर्नामेंट को आयोजित करने की हमारी क्षमता पर भरोसे का प्रतीक है।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के एक बयान में मुकुहलानी ने कहा, 'आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 को आयोजित करने की हमारी यात्रा में यह एक और अहम पड़ाव है। हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स को मेजबान शहर के तौर पर घोषित किया जाना जिम्बाब्वे के लिए बहुत बड़ा सम्मान है और विश्वस्तरीय क्रिकेट इवेंट्स कराने की हमारी क्षमता पर भरोसा दिखाता है।

उन्होंने कहा, 'यह टूर्नामेंट न केवल हमारे क्रिकेट को बल्कि जिम्बाब्वे के लोगों, संस्कृति, आतिथ्य और शानदार पर्यटन जगहों को दुनिया भर के दर्शकों के सामने दिखाने का एक खास मौका देता है। दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया में अपने सहयोगियों के साथ, हम एक यादगार क्रिकेट वर्ल्ड कप देने की उम्मीद करते हैं जो हमारे महादेश की भावना को दिखाता है।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर माकोनी ने कहा कि एक स्थायी छाप छोड़ने के लिए तैयारियां पहले से ही जोरों पर हैं। हमारे तीन वेन्यू का घोषित होना उन सभी के लिए एक रोमांचक पल है जिन्होंने इस इवेंट को सफल बनाने के लिए पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की है। हमारी तैयारी अच्छी चल रही है। इस घोषणा से हमें और भी ज्यादा गति मिली है क्योंकि हम आईसीसी और अपने साथी मेजबान के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे ताकि यह पक्का हो सके कि टूर्नामेंट का हर पहलू सबसे ऊंचे और अंतरराष्ट्रीय स्तर का हो। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट के अलावा, हम वर्ल्ड कप को आधारभूत संरचनाओं के विकास, पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और जिम्बाब्वे के क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करके एक स्थायी विरासत छोड़ने के मौके के तौर पर देखते हैं।

'आपका समर्पण और दृढ़ संकल्प तारीफ के काबिल है', पीएम मोदी ने मेडल जीतने पर सीमा-लवप्रीत को दी बधाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के आठवें दिन भारत की झोली में दो मेडल आए। वेटलिफ्टिंग में लवप्रीत सिंह ने देश को सिल्वर मेडल दिलाया, जबकि सीमा कालीरमन ने महिला डिस्कस थ्रो में ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। लवप्रीत और सीमा को प्रधानमंत्री ने मेडल जीतने पर बधाई दी है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सीमा को बधाई देते हुए लिखा, 'सीमा को महिला डिस्कस थ्रो इवेंट में 58.65 मीटर के बेहतरीन थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बधाई। उनकी कोशिशों ने भारत का मान बढ़ाया है और देश के युवाओं को प्रेरित किया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं।'

प्रधानमंत्री ने लवप्रीत की तारीफ करते हुए लिखा, 'पुरुषों के 110 प्लस किलोग्राम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले लवप्रीत सिंह का प्रदर्शन शानदार रहा। स्नैच में उनके बेहतरीन प्रयास ने कॉमनवेल्थ गेम्स का नया रिकॉर्ड भी बनाया। उनका समर्पण और दृढ़ संकल्प वाकई तारीफ के काबिल है। भविष्य की उनकी कोशिशों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

लवप्रीत का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने स्नैच राउंड के अपने पहले प्रयास में 168 किलो का भार उठाया, जबकि दूसरे प्रयास में उन्होंने 172 किलो का वजन उठाया। तीसरी कोशिश में लवप्रीत ने 176 किलो का भार उठाते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में नया रिकॉर्ड कायम किया। इसके बाद क्लीन एंड जर्क राउंड में भी लवप्रीत का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला। लवप्रीत ने पहले प्रयास में 205 और दूसरे में 212 किलो का वजन उठाया।

हालांकि, तीसरे प्रयास में उन्होंने 217 किलो का भार उठाने की कोशिश की, लेकिन वह आखिरी समय पर अपने शरीर का संतुलन नहीं संभाल सके। लवप्रीत सिंह ने कुल 388 किलो का भार उठाते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया और वह गोल्ड जीतने से महज एक किलो के भार से चूक गए। वहीं, चार साल के बच्चे की मां और पीएचडी स्कॉलर सीमा कालीरमन ने 58.65 के बेस्ट थ्रो के साथ इंटरनेशनल स्टेज पर अपने पहले मेडल पर कब्जा जमाया। सीमा ने यह मेडल अपने पति की कोचिंग में जीता।

इटली के पूर्व कप्तान और एसी मिलान के दिग्गज खिलाड़ी फ्रेंको बरेसी का निधन, 66 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

विश्व केसरी ■

मिलान। फुटबॉल इतिहास के सबसे बेहतरीन डिफेंडरों में से एक माने जाने वाले इटली के पूर्व कप्तान और एसी मिलान के दिग्गज खिलाड़ी फ्रेंको बरेसी का बीमारी से जूझने के बाद 66 साल की उम्र में निधन हो गया। सेरी ए फुटबॉल क्लब ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी।

सात बार बैलन डी'ओर के लिए नॉमिनेट हुए और 1989 में मार्को वैन बास्टेन के बाद दूसरे स्थान पर रहे एसी मिलान और इटली की राष्ट्रीय टीम के इस पूर्व डिफेंडर को आईएफएफएचएस की 20वीं सदी के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलरों की सूची में 33वां स्थान मिला था। उन्हें 2013 में इटैलियन फुटबॉल हॉल ऑफ फेम में भी शामिल किया गया था।

बरेसी ने 81 मुकाबलों में इटली का प्रतिनिधित्व किया। वह इटली की उस का हिस्सा थे जिसने स्पेन में 1982 का फीफा विश्व कप जीता था। हालांकि वह टूर्नामेंट के दौरान खेले नहीं थे। 12 साल बाद, उन्होंने अमेरिका में 1994 फीफा विश्व कप के फाइनल में इटली की कप्तानी की। टूर्नामेंट के दौरान घुटने की चोट से उबरने के बावजूद, ब्राजील के खिलाफ खिताबी मुकाबले में उन्होंने यादगार प्रदर्शन किया। इटली की ओर से उन्होंने तीन विश्व कप (1982, 1990 और 1994) और दो यूरोपीय चैंपियनशिप (1980 और 1988) में हिस्सा लिया।

जूनियर पुरुष नेशनल हॉकीः तीसरे दिन हॉकी जम्मू-कश्मीर और अरुणाचल ने दर्ज की जीत

विश्व केसरी ■

कोयंबटूर। 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष नेशनल चैंपियनशिप 2026 के तीसरे दिन, कोयंबटूर हॉकी ग्राउंड पर डिवीजन 'बी' के मुकाबलों में हॉकी जम्मू-कश्मीर और हॉकी अरुणाचल ने जीत हासिल की।

गुरुवार को हॉकी जम्मू-कश्मीर ने डिवीजन 'बी', पूल ए के मुकाबले में केरल हॉकी को 11-0 से रौंदा। हरमनप्रीत सिंह (11', 14', 36', 42', 51') ने पांच गोल किए, जबकि गमनप्रीत सिंह (15', 24') ने दो गोल किए। इनके अलावा, कवलप्रीत सिंह (25'), तरनजोत सिंह (29') और अर्जुन पंडित (32') ने भी एक-एक गोल दागा।

डिवीजन 'बी', पूल बी के मैच में हॉकी अरुणाचल ने छत्तीसगढ़ हॉकी को 5-2 से हराया। मोहम्मद आतिफ (11', 41', 52') ने हैट्रिक के साथ टीम की अगुवाई की, जबकि सलिल किंडो (10', 14') ने दो गोल करके हॉकी अरुणाचल को शुरुआती बढ़त दिलाई। छत्तीसगढ़ हॉकी के लिए मोहित नायक (24') और विवेक यादव (34') ने गोल किए।

इससे पहले दूसरे दिन, बुधवार को डिवीजन 'सी' में हॉकी राजस्थान, तेलंगाना हॉकी और ले पुडुचेरी हॉकी ने अपने मैच जीते, जबकि डिवीजन 'बी' में उत्तराखंड, अरुणाचल और चंडीगढ़ ने जीत हासिल की। दिन की शुरुआत हॉकी राजस्थान द्वारा डिवीजन 'सी' के पूल ए में असम हॉकी को 11-3 से हराने के साथ हुई। मोहम्मद उबैद रजा (31', 41', 51') ने हैट्रिक लगाई, जबकि हिमांशु कुमार मीना (8', 36'), संदीप (36', 47'), बिसायती एजाज (49', 56'), नमन पटेल (6') और कप्तान मानवेंद्र गुर्जर (40') ने हॉकी राजस्थान के लिए गोल किए। असम हॉकी के लिए सूरज ठाकुर (30', 53') और कप्तान अमानत अली (3') ने गोल किए।

डिवीजन 'सी' के पूल बी में, तेलंगाना हॉकी ने हॉकी गुजरात को 3-1 से मात दी। विजेता टीम के लिए गणेश रावुल (13', 55') और पीयूष (49') ने गोल किए, जबकि हॉकी गुजरात के लिए एकमात्र गोल दिव्येशभाई रुध्याभाई वाघ (42') ने किया।

स्टीफन फ्लेमिंग से कभी मिला नहीं, लेकिन उनके बारे में अच्छी बातें सुनी हैंः ओली रोबिन्सन

विश्व केसरी ■

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को अपना नया टेस्ट हेड कोच नियुक्त किया है। फ्लेमिंग की नियुक्ति को लेकर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रोबिन्सन का कहना है कि उन्होंने फ्लेमिंग के बारे में काफी अच्छी बातें सुनी हैं।

टेस्ट क्रिकेट में खराब दौर से गुजर रही इंग्लैंड टीम को फिर से ट्रैक पर लाने की जिम्मेदारी फ्लेमिंग के कंधों पर होगी। हाल ही में बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया, जिसके बाद जो रूट को इंग्लैंड टीम का नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, ब्रेंडन मैकुलम को भी टेस्ट में हेड कोच के पद से हटाया गया है। इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में 2-1 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी।रोबिन्सन ने 'द आई पेपर' के साथ बातचीत करते हुए कहा, 'किसी नए व्यक्ति का आना हमेशा कुछ नया और दिलचस्प होता है। मैं स्टीफन फ्लेमिंग से कभी मिला नहीं हूं, लेकिन मैंने उनके बारे में अच्छी बातें सुनी हैं। इसी वजह से यह देखना दिलचस्प होगा कि वह किस तरह की रणनीति अपनाते हैं। यह रोमांचक होगा।

इंग्लिश तेज गेंदबाज ने आगे कहा, 'जब भी कोई बदलाव होता है, तो यह देखना हमेशा रोमांचक होता है कि चीजें कैसी होंगी और ग्रुप कैसे आगे बढ़ेगा। आखिरकार, मकसद क्रिकेट मैच जीतना ही होता है। मुझे लगता है कि शायद हम उस मकसद से थोड़ा भटक गए थे, लेकिन मैकुलम और बेन के साथ खेलना बहुत मजेदार और सुखद था। दुख की बात है कि वह दौर खत्म हो गया, लेकिन मैं उत्साहित हूं कि कोई नया व्यक्ति आ रहा है।' 19 अगस्त से शुरू होने वाली पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की आगामी टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद कर रहे रोबिन्सन ने माना कि स्टोक्स के अचानक रिटायरमेंट से ड्रेसिंग रूम हैरान रह गया था।

'मुझे लगता है कि जब उन्होंने रिटायरमेंट लिया तो हम सभी सचमुच थोड़े हैरान थे। मुझे बहुत दुख हुआ क्योंकि मुझे उनकी कप्तानी में और उनके साथ खेलना बहुत पसंद था। और अब ब्रेंडन मैकुलम भी चले गए हैं। जाहिर है कि उन्होंने कहा कि उन्हें मनचाहे नतीजे नहीं मिले, लेकिन उन दोनों के नेतृत्व में खेलना बहुत शानदार अनुभव था।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415